मॉडल पेपर-5 (अभ्यासार्थ)
उच्च माध्यमिक परीक्षा-कक्षा 12
राजनीति विज्ञान

समय : 3 घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश-

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्न क्रमांक 16 से 22 में आन्तरिक विकल्प है।

खण्ड-अ

बहुविकल्पीय प्रश्न-

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

(i) सोवियत राजनीतिक प्रणाली की धुरी कौनसी पार्टी थी? 1
(अ) कम्युनिस्ट पार्टी (ब) समाजवादी पार्टी (स) लोकतांत्रिक पार्टी (द) उदारवादी पार्टी

(ii) आसियान के झंडे का वृत्त किसका प्रतीक है? 1
(अ) प्रगति का (ब) मित्रता का (स) एकता का (द) समृद्धि का

(iii) 1998 में पाकिस्तान ने कहाँ पर परमाणु परीक्षण किया? 1
(अ) कश्मीर (ब) पश्चिमी पाकिस्तान (स) चगाई पहाड़ी (द) पोकरण

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय कहाँ है? 1
(अ) वाशिंगटन में (ब) न्यूयार्क में (स) हेग में (द) जिनेवा में

(v) मानवाधिकार को कितनी कोटियों में रखा गया है? 1
(अ) चार (ब) दो (स) तीन (द) पाँच

(vi) रियो डी जेनेरियो निम्न में से किस देश का एक शहर है? 1
(अ) जापान (ब) ब्राजील (स) स्पेन (द) फ्रांस

(vii) आर्थिक वैश्वीकरण का दुष्परिणाम है— 1
(अ) व्यापार में वृद्धि (ब) पूँजी के प्रवाह में वृद्धि
(स) जनमत के विभाजन में वृद्धि (द) विचारों के प्रवाह में वृद्धि

(viii) भारतीय विदेश नीति की प्रमुख विशेषता है— 1
(अ) पंचशील (ब) सैनिक गुट (स) गुटबंदी (द) उदासीनता

(ix) स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षामंत्री थे— 1
(अ) जवाहरलाल नेहरू (ब) सरदार वल्लभभाई पटेल
(स) मौलाना अबुल कलाम आजाद (द) डॉ. भीमराव अम्बेडकर

(x) दूसरी पंचवर्षीय योजना का मूलमंत्र था— 1
(अ) धीरज (ब) देश का मौजूदा पूँजी-भंडार बढ़ाना
(स) तेज गति से संरचनात्मक बदलाव (द) विदेशी-मुद्रा नियोजन

(xi) निम्न में से किस क्षेत्र को नेफा या उत्तर-पूर्वी सीमांत कहा जाता था? 1
(अ) अक्साई चीन (ब) अरुणाचल प्रदेश (स) तिब्बत (द) नेपाल

YouTube channel RK study point 99

(xii) भारत के निम्नलिखित राष्ट्रपतियों में से कौन भारत के ट्रेड यूनियन आन्दोलन से सम्बद्ध रहा है? 1
(अ) वी. वी. गिरी (ब) एन. संजीव रेड्डी
(स) के. आर. नारायण (द) डॉ. राधाकृष्णन

(xiii) निम्न राजनैतिक दलों में से नया राजनीतिक दल कौनसा है? 1
(अ) इण्डियन नेशनल कांग्रेस (ब) भारतीय जनता पार्टी
(स) बहुजन समाजवादी पार्टी (द) आम आदमी पार्टी

(xiv) 'मंडल मुद्दा' किन वर्गों के लोगों से सरोकार रखता है? 1
(अ) अन्य पिछड़ा वर्ग (ब) दलित वर्ग
(स) सवर्ण वर्ग (द) अनुसूचित जनजाति

(xv) पूर्वी पाकिस्तान को वर्तमान में किस नाम से जाना जाता है? 1
(अ) बांग्लादेश (ब) म्यांमार (स) भूटान (द) पश्चिमी बंगाल

उत्तरतालिका

प्रश्न संख्या	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
उत्तर–								
प्रश्न संख्या	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	
उत्तर–								

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) ..... की राजनीति में सिंहली समुदाय का प्रभाव रहा है। 1
उत्तर–.....

(ii) सुरक्षा-नीति का संबंध युद्ध की आशंका को रोकने में होता है जिसे ..... कहा जाता है। 1
उत्तर–.....

(iii) भारत ने पृथ्वी सम्मेलन के समझौतों के क्रियान्वयन का एक पुनरावलोकन ..... में किया। 1
उत्तर–.....

(iv) ..... के ज्यादातर भंडार उड़ीसा के सर्वाधिक अविकसित इलाकों में हैं। 1
उत्तर–.....

(v) द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डी एम के) ..... आंदोलन का नेतृत्व करके सत्ता में आई थी। 1
उत्तर–.....

(vi) जम्मू और कश्मीर तीन सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्रों-जम्मू, कश्मीर और ..... से बना हुआ है। 1
उत्तर–.....

(vii) 2008 में ..... राजतंत्र को खत्म करने के बाद लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया। 1
उत्तर–.....

प्रश्न 3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–(निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक पंक्ति में दीजिए)

(i) किन देशों को दूसरी दुनिया कहा जाता है? 1

YouTube channel RK study point 99

उत्तर– .....

.....

(ii) सार्क का पूरा नाम लिखिए। 1

उत्तर– .....

.....

(iii) एन.पी.टी. का पूरा नाम क्या है? 1

उत्तर– .....

(iv) औपनिवेशिक दौर में भारत किस प्रकार का देश था? 1

उत्तर– .....

.....

(v) 'वैश्विक संपदा' की सुरक्षा के लिए किये गये किन्हीं दो समझौतों के नाम लिखें। 1

उत्तर– .....

(vi) भारतीय विदेश नीति के संवैधानिक आधार बताइए। 1

उत्तर– .....

.....

(vii) नियोजन की आवश्यकता क्यों होती है? 1

उत्तर– .....

.....

(viii) 1969 में राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए इन्दिरा गाँधी ने किस उम्मीदवार का साथ दिया था? 1

उत्तर– .....

(ix) लाल डेंगा किस दल के नेता थे? 1

उत्तर– .....

(x) राजीव गाँधी की मृत्यु के बाद कांग्रेस पार्टी ने किन्हें अपना प्रधानमंत्री चुना? 1

उत्तर– .....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–(शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

प्रश्न 4. यूरोपीय संघ की चार प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 2

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 5. "दक्षिण एशिया के सारे झगड़े सिर्फ भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच ही नहीं हैं।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर–

प्रश्न 6. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष क्या है? कितने देश इसके सदस्य हैं? 2

उत्तर–

प्रश्न 7. सुरक्षा के पारंपरिक तरीके के रूप में अस्त्र नियंत्रण को स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर–

प्रश्न 8. आपके दृष्टिकोण से क्योटो-प्रोटोकॉल से विश्व को होने वाले लाभ की व्याख्या कीजिए। 2

उत्तर–

प्रश्न 9. बॉम्बे प्लान से आप क्या समझते हैं? 2

YouTube channel RK study point 99

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 10. निम्नलिखित का मेल करें– 2

(क) 1950-64 के दौरान भारत की विदेश नीति का लक्ष्य	(i) तिब्बत के धार्मिक नेता जो सीमा पार करके भारत चले आए।
(ख) पंचशील	(ii) क्षेत्रीय अखण्डता और सम्प्रभुता की रक्षा तथा आर्थिक विकास।
(ग) बांडुंग सम्मेलन	(iii) शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व के पाँच सिद्धान्त।
(घ) दलाई लामा	(iv) इसकी परिणति गुटनिरपेक्ष आन्दोलन में हुई।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

प्रश्न 11. 1967 के चौथे आम चुनाव में कांग्रेस दल की मुख्य चुनौतियाँ बताइए। 2

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 12. जयप्रकाश नारायण की समग्र क्रान्ति पर संक्षिप्त नोट लिखिए। 2

उत्तर– .....

.....

.....

.....

प्रश्न 13. अलगाववाद का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर– .....

.....

.....

.....

प्रश्न 14. क्या क्षेत्रीय दल आवश्यक हैं? अपने उत्तर के पक्ष में दो तर्क दीजिए। 2

उत्तर– .....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 15. निर्दलीय उम्मीदवार की वर्तमान समय में बढ़ती संख्या एक चुनौती है, स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर–

खण्ड-स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–(शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

प्रश्न 16. वर्तमान समय की चीनी अर्थव्यवस्था नियंत्रित अर्थव्यवस्था से किस तरह अलग है? कोई दो अंतर लिखिए। 3

अथवा

यूरोपीय देशों ने युद्ध के पश्चात् उभरी समस्याओं का निवारण किस प्रकार किया?

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 17. एक-ध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्र संघ की क्या भूमिका है? व्याख्या कीजिये। 3

अथवा

संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर–

प्रश्न 18. 1952 के पहले आम चुनाव से लेकर 2004 के आम चुनाव तक मतदान के तरीके में क्या बदलाव आये हैं? 3

अथवा

'जनमत की कमजोरी के कारण भारत में एक पार्टी प्रभुत्व कायम हुआ।' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 19. भारत के एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में आप आपातकाल की आलोचना किन आधारों पर करते हैं? 3

अथवा

आपातकाल के सबकों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

....

....

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न–(शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

प्रश्न 20. सोवियत संघ के विघटन के कारणों व परिणामों का वर्णन करें। 4

अथवा

मिखाइल गोर्बाचेव द्वारा किए गए सुधारों से सोवियत संघ का विघटन किस प्रकार हुआ? समझाइए।

उत्तर– ....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 21. वैश्वीकरण की व्याख्या करते हुए इसके सकारात्मक तथा नकारात्मक आर्थिक प्रभावों का वर्णन कीजिए। 4

अथवा

वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभावों का मूल्यांकन कीजिए। वैश्वीकरण को बढ़ावा देने में प्रौद्योगिकी का क्या योगदान रहा है?

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 22. भारत के राजनैतिक मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए– 4

(i) गोवा (ii) पांडिचेरी (iii) मध्य प्रदेश (iv) मेघालय

अथवा

भारत के राजनैतिक मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए–

(i) हरियाणा (ii) छत्तीसगढ़ (iii) गुजरात (iv) उत्तर प्रदेश

उत्तर–

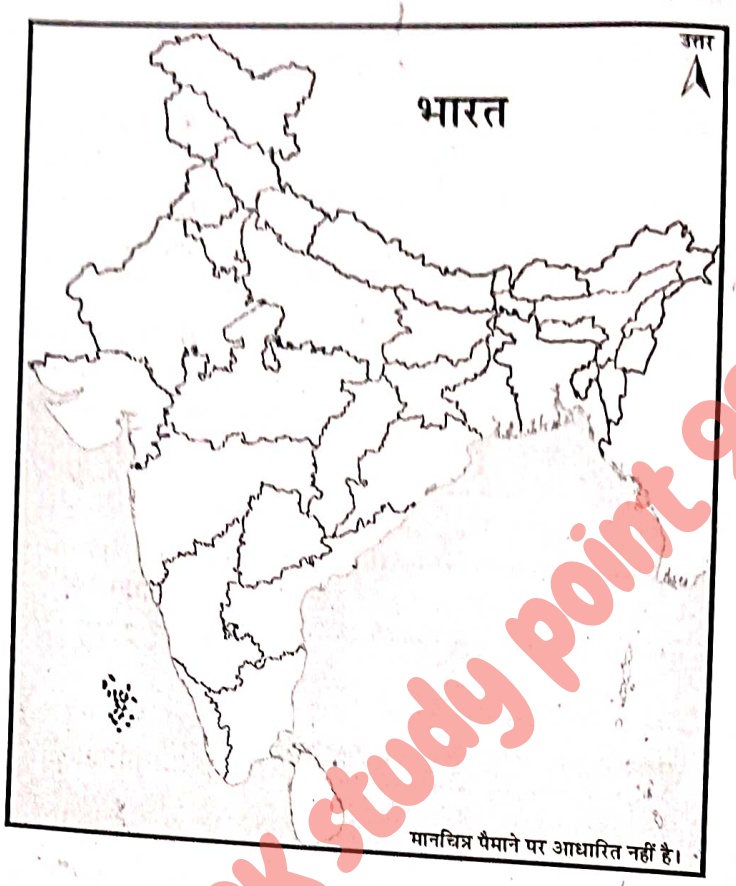

दिनांक .....

प्राप्तांक .....

ह. अध्यापक .....

पूर्णांक–80

मॉडल पेपर-6 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा 12

राजनीति विज्ञान

समय : 3 घण्टे 15 मिनट] **[पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्न क्रमांक 16 से 22 में आन्तरिक विकल्प है।

खण्ड-अ

बहुविकल्पीय प्रश्न–

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए–

(i) निम्न में से बाल्टिक गणराज्य है—

(अ) यूक्रेन, जार्जिया, रूस

(ब) एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया 1

YouTube channel PK study point 99

(स) बेल्जियम, नार्वे तथा स्वीडन (द) रोमानिया, बुल्गारिया तथा युगोस्लाविया

(ii) निम्नलिखित में से कौन सा देश आसियान का सदस्य नहीं है? 1
(अ) उत्तरी कोरिया (ब) इण्डोनेशिया (स) कम्बोडिया (द) वियतनाम

(iii) भारत तथा पाकिस्तान ने 1960 में किसकी मदद से 'सिंधु जल संधि' पर हस्ताक्षर किये? 1
(अ) संयुक्त राज्य अमेरिका (ब) सोवियत संघ
(स) विश्व बैंक (द) आसियान

(iv) संयुक्त राष्ट्रसंघ के वर्तमान महासचिव हैं— 1
(अ) एंटोनियो गुटेरेस (ब) यू थांट
(स) बान की मून (द) डेग हैमरशोल्ड

(v) दुनिया में सबसे ज्यादा सशस्त्र संघर्ष कहाँ होते हैं? 1
(अ) कुवैत में
(ब) अफ्रीका के सहारा मरुस्थल के दक्षिणवर्ती देशों में
(स) पूर्वी तिमूर के इंडोनेशिया में (द) उत्तरी गोलार्द्ध के देशों में

(vi) भारत ने क्योटो प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए और इसका अनुमोदन किया— 1
(अ) सन् 1997 में (ब) सन् 1998 में (स) सन् 2002 में (द) सन् 2001 में

(vii) वैश्वीकरण का नकारात्मक सांस्कृतिक प्रभाव है— 1
(अ) सांस्कृतिक समरूपता (ब) संस्कृति का परिष्कार
(स) हमारी पसंद-नापसंद का दायरा बढ़ना (द) सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण

(viii) गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के प्रणेता हैं— 1
(अ) पं. नेहरू (ब) नासिर (स) मार्शल टीटो (द) उपर्युक्त सभी

(ix) स्वतंत्र भारत में पहला आम चुनाव कब हुआ था? 1
(अ) 1951 (ब) 1952 (स) 1962 (द) 1972

(x) संवृद्धि, भौतिक प्रगति और वैज्ञानिक तर्कबुद्धि का पर्यायवाची माना जाता था— 1
(अ) आधुनिकीकरण (ब) औद्योगीकरण (स) पश्चिमीकरण (द) उदारीकरण

(xi) 1965 में ताशकंद समझौता जिन दो देशों के मध्य हुआ, वे हैं— 1
(अ) भारत-बांग्लादेश (ब) भारत-नेपाल (स) भारत-चीन (द) भारत-पाकिस्तान

(xii) वर्तमान समय में ताशकंद निम्न में से किसकी राजधानी है? 1
(अ) पाकिस्तान (ब) कजाकिस्तान (स) अफगानिस्तान (द) उज्बेकिस्तान

(xiii) मिजो नेशनल फ्रंट के संस्थापक कौन थे? 1
(अ) लालडेंगा (ब) अंगामी जापू फिजो
(स) काजी लैंदुप दोरजी खामखप्पा (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(xiv) नयी आर्थिक नीति को अपनाते समय भारत के वित्तमंत्री थे— 1
(अ) पी. चिदंबरम (ब) नरसिम्हा राव (स) मनमोहन सिंह (द) सीताराम केसरी

(xv) 'नोआखली' अब जिस देश में है, वह है— 1
(अ) बांग्लादेश (ब) पाकिस्तान (स) भारत (द) इनमें से कोई नहीं

उत्तरतालिका

प्रश्न संख्या	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
उत्तर–								
प्रश्न संख्या	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	
उत्तर–								

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) दक्षेस का प्रथम सम्मेलन .... में हुआ था। 1

उत्तर– ....

(ii) .... सुरक्षा-नीति का एक तत्त्व शक्ति संतुलन है। 1

उत्तर– ....

(iii) 'वर्ल्ड काउंसिल ऑफ इंडिजिनस पीपल' का गठन सन् .... में हुआ। 1

उत्तर– ....

(iv) .... से उन लोगों को इंगित किया जाता है जो यह मानते हैं कि सरकार को अर्थव्यवस्था में गैर जरूरी हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। 1

उत्तर– ....

(v) 1967 के चुनावों से .... की परिघटना सामने आयी। 1

उत्तर– ....

(vi) 1947 से पहले जम्मू और कश्मीर एक .... थी। 1

उत्तर– ....

(vii) दक्षिण एशिया में भारत की स्थिति .... है। 1

उत्तर– ....

प्रश्न 3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–(निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक पंक्ति में दीजिए)

(i) सोवियत संघ के विघटन का अन्तिम और सर्वाधिक तात्कालिक कारण कौनसा था? 1

उत्तर– ....

....

....

(ii) 'साफ्टा' का पूरा नाम लिखिए। 1

उत्तर– ....

....

(iii) आतंकवाद का क्या अभिप्राय है? 1

उत्तर– ....

....

(iv) साम्राज्यवाद से क्या आशय है? 1

उत्तर– ....

....

....

YouTube channel RK study point 99

(v) भारत ने क्योटो प्रोटोकॉल पर कब हस्ताक्षर किये? 1

उत्तर- .....

(vi) तिब्बत के किस धार्मिक गुरु ने भारत में कब शरण ली? 1

उत्तर- .....

.....

(vii) दूसरी पंचवर्षीय योजना में किसके विकास पर जोर दिया गया? 1

उत्तर- .....

(viii) 1971 में कांग्रेस (आर) का नेतृत्व किस नेता ने किया? 1

उत्तर- .....

(ix) अंगमी जापू फिजो किसकी आजादी के आन्दोलन के नेता थे? 1

उत्तर- .....

(x) राजीव गाँधी की हत्या के जिम्मेदार कौन थे? 1

उत्तर- .....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न-(शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

प्रश्न 4. यूरोपीय संघ के देशों में पाये जाने वाले मतभेदों को बताइए। 2

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 5. 1975 में बांग्लादेश में सेना ने शासन के खिलाफ बगावत क्यों की? 2

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 6. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता के कोई दो विन्दु बताइए। 2

उत्तर- .....

.....

.....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 7. भारत की सुरक्षा रणनीति के कोई दो घटक बताइए। 2

उत्तर–

प्रश्न 8. पर्यावरण को लेकर उत्तरी और दक्षिणी गोलार्द्ध के देशों के रवैये में अंतर है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर–

प्रश्न 9. वामपंथी विचारधारा क्या है?

उत्तर–

प्रश्न 10. निम्नलिखित का मेल करें–

(क) भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री (i) दलाई लामा

YouTube channel RK study point 99

(ख) भारत के प्रथम राष्ट्रपति (ii) सरदार वल्लभभाई पटेल
(ग) भारत के प्रथम गृहमन्त्री (iii) पं. जवाहरलाल नेहरू
(घ) तिब्बती धर्मगुरु (iv) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 11. 1960 के दशक को खतरनाक दशक क्यों कहा जाता है? 2

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 12. 1974 की रेल हड़ताल पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 2

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 13. द्रविड़ आन्दोलन की प्रमुख माँगें कौनसी थीं? 2

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 14. भारत में गठबन्धन सरकारों के निर्माण के दो कारण बताइए। 2

उत्तर– .....

.....

.....

.....

YouTube channel RK study point 99

.....

प्रश्न 15. स्पष्ट जनादेश और खण्डित जनादेश में क्या अंतर है? 2

उत्तर– .....

.....

.....

.....

खण्ड-स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–(शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

प्रश्न 16. दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों ने आसियान के निर्माण की पहल क्यों की? 3

अथवा

आसियान संघ की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 17. 1997 के बाद के सालों में सुरक्षा परिषद की स्थायी और अस्थायी सदस्यता हेतु नए मानदंड सुझाए गए, इनकी संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 3

YouTube channel RK study point 99

अथवा

एक विश्व संस्था के रूप में संयुक्त राष्ट्र संघ की सफलताओं पर एक लेख लिखिए।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 18. प्रारम्भ से ही कांग्रेस पार्टी का भारतीय राजनीति में केन्द्रीय स्थान रहा है। क्यों? 3

अथवा

भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व राजनीतिक दलों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 19. जनता पार्टी की सरकार पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 3

अथवा

विरोधी दलों के विरोध तथा कांग्रेस की टूट ने आपातकाल की पृष्ठभूमि कैसे तैयार की?

उत्तर–

खण्ड–द

निबन्धात्मक प्रश्न–(शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

प्रश्न 20. शीत युद्ध के दौरान पूर्ववर्ती सोवियत संघ के साथ भारत के सम्बन्धों का परीक्षण कीजिए।

YouTube channel RK study point 99

अथवा

शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद भारत-रूस तथा पूर्व साम्यवादी गणराज्य के सम्बन्धों का विवरण दीजिए।

उत्तर-

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 21. वैश्वीकरण का अर्थ बताते हुए इसके कारणों की विवेचना कीजिए।

अथवा

"वैश्वीकरण एक बहुआयामी धारणा है।" इस कथन की विवेचना कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 22. भारत के राजनैतिक मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए– 4

(i) नागालैंड (ii) झारखंड (iii) जूनागढ़ (iv) उत्तराखंड

अथवा

भारत के राजनैतिक मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए–

(i) मद्रास (चेन्नई) (ii) आगरा (iii) लुधियाना (iv) बड़ौदा

उत्तर–

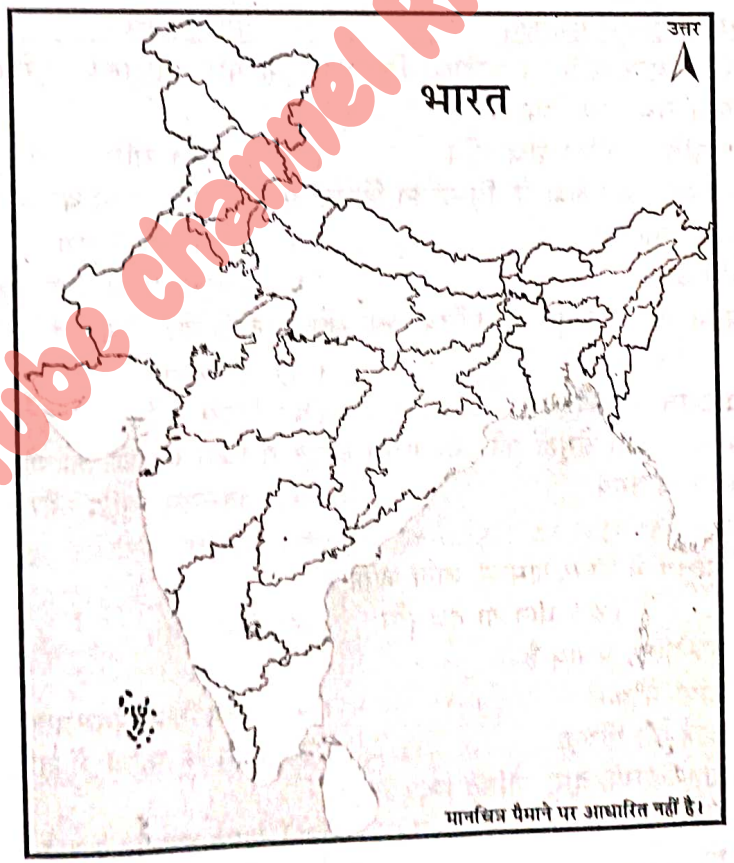

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक–80

YouTube channel RK Study point 99

संजीव डेस्क क

मॉडल पेपर-7 (अभ्यासार्थ)
उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा 12
राजनीति विज्ञान

समय : 3 घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक :

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्न क्रमांक 16 से 22 में आन्तरिक विकल्प है।

खण्ड-अ

बहुविकल्पीय प्रश्न–

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखि

(i) रूस की समाजवादी क्रांति के बाद अस्तित्व में आया—
(अ) यूक्रेन (ब) बेलारूस
(स) समाजवादी सोवियत गणराज्य (द) यूगोस्लाविया

(ii) निम्नलिखित में से किस संधि पर हस्ताक्षर किए जाने के परिणामस्वरूप 'यूरोपीय समुदाय' का बदलकर 'यूरोपीय संघ' कर दिया गया?
(अ) मास्ट्रिस्ट संधि (ब) शेज संधि (स) लिस्बन संधि (द) नाइस की सं

(iii) अंग्रेजी राज के समय किन क्षेत्रों के विभाजित हिस्सों से पूर्वी पाकिस्तान बनाया गया था?
(अ) बंगाल और मेघालय (ब) असम और त्रिपुरा
(स) बंगाल और असम (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(iv) संयुक्त राष्ट्रसंघ के झंडे में जैतून की पत्तियाँ क्या संकेत करती हैं?
(अ) पृथ्वी (ब) महाशक्ति
(स) संयुक्त राष्ट्रसंघ के सदस्य (द) विश्व शांति

(v) गरीब देशों और सामाजिक समूहों को और गरीब बनाने में किन कारणों का योगदान होता है?
(अ) प्रतिव्यक्ति उच्च आय (ब) जनसंख्या वृद्धि और प्रतिव्यक्ति निम्न
(स) स्वास्थ्य सेवाएँ (द) उपर्युक्त सभी

(vi) देवस्थानों को मेघालय में किस नाम से जाना जाता है?
(अ) काव (ब) थान या देवभूमि (स) लिंगदोह (द) केकड़ी

(vii) वैश्वीकरण का राजनैतिक प्रभाव है—
(अ) राज्य के कार्यों में कमी (ब) सांस्कृतिक समरूपता
(स) आर्थिक प्रवाह की तीव्रता (द) राज्य के कार्यों में वृद्धि

(viii) पंचशील के सिद्धांत किसके द्वारा घोषित किए गए थे?
(अ) नेहरू (ब) लाल बहादुर शास्त्री
(स) राजीव गाँधी (द) अटल बिहारी वाजपेयी

(ix) कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया भारत में पहली बार किस राज्य में सत्ता में आयी?
(अ) पश्चिम बंगाल (ब) त्रिपुरा (स) केरल (द) गोवा

YouTube channel RK study point 99

(x) भारतीय सांख्यिकी संस्थान के संस्थापक कौन थे? 1
(अ) पी.सी. महालनोबिस (ब) जे. सी. कुमारप्पा
(स) लाल बहादुर शास्त्री (द) कैलाश नाथ काटजू

(xi) 'स्वेज नहर के मुद्दे' पर 1956 में ब्रिटेन ने किस देश पर हमला किया था? 1
(अ) ईरान (ब) मिस्र (स) इराक (द) तुर्की

(xii) प्रिवी पर्स की समाप्ति का निश्चय किस प्रधानमंत्री के कार्यकाल में लिया गया था? 1
(अ) इंदिरा गाँधी (ब) लाल बहादुर शास्त्री
(स) जवाहर लाल नेहरू (द) मोरारजी देसाई

(xiii) द्रविड कषगम की स्थापना की— 1
(अ) जयललिता ने (ब) सी. अन्नादुरै ने
(स) ई.वी. रामास्वामी नायकर ने (द) एम. करुणानिधि ने

(xiv) 'बामसेफ' का पूरा नाम है— 1
(अ) बैकवर्ड एण्ड माइनॉरिटी कम्युनिटीज एम्प्लाइज फडरेशन
(ब) बैकवर्ड एण्ड मेजॉरिटी कम्युनिटी एम्पलाइज फाउंडेशन
(स) उपर्युक्त दोनों (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(xv) प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल थे— 1
(अ) राधाकृष्णन (ब) राजेन्द्र प्रसाद
(स) सी. राजगोपालाचारी (द) कृष्णमेनन

उत्तरतालिका

प्रश्न संख्या	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
उत्तर–								
प्रश्न संख्या	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	
उत्तर–								

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) भारत में स्वतंत्रता के बाद ..... शासन प्रणाली अपनाई गई। 1
उत्तर– .....
.....

(ii) ..... संधि ने परमाणविक आयुधों को हासिल कर सकने वाले देशों की संख्या कम की। 1
उत्तर– .....
.....

(iii) ..... के दौर को मौजूदा वैश्विक तापवृद्धि और जलवायु परिवर्तन का जिम्मेदार माना जाता है। 1
उत्तर– .....
.....

YouTube channel Rkstudy point 99

(iv) ..... से उन लोगों को इंगित किया जाता है जो यह मानते हैं कि सरकार को अर्थव्यवस्था में जरूरी हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

उत्तर– .....

(v) 1960 के दशक को ..... की संज्ञा दी गई।

उत्तर– .....

(vi) अकाली दल ने ..... के गठन का आंदोलन चलाया।

उत्तर– .....

(vii) भारत की सुरक्षा एजेंसियाँ नेपाल में चल रहे ..... आंदोलन को अपनी सुरक्षा के लिए मानती हैं।

उत्तर– .....

प्रश्न 3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–(निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक पंक्ति में दीजिए)

(i) शॉक थेरेपी का शाब्दिक अर्थ क्या है?

उत्तर– .....

.....

(ii) फरक्का संधि पर हस्ताक्षर कब और किनके बीच हुए थे?

उत्तर– .....

.....

(iii) विश्व सुरक्षा का क्या अर्थ है?

उत्तर– .....

.....

(iv) आर्थिक वैश्वीकरण के लाभ लिखिए।

उत्तर– .....

.....

(v) मूलवासी का अर्थ बताइए।

उत्तर– .....

.....

(vi) गुटनिरपेक्षता से क्या अभिप्राय है?

उत्तर– .....

.....

.....

(vii) उड़ीसा के आदिवासियों ने लोहा-इस्पात उद्योग की स्थापना का विरोध क्यों किया?

YouTube channel RK study point 99

उत्तर- .....

.....

.....

(viii) गैर-कांग्रेसवाद से क्या अभिप्राय है? 1

उत्तर- .....

.....

.....

(ix) गोवा, दमन और दीव पुर्तगाल से कब स्वतन्त्र हुए? 1

उत्तर- .....

(x) मंडल आयोग को आधिकारिक रूप से क्या कहा गया? 1

उत्तर- .....

.....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न-(शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

प्रश्न 4. यूरो, अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व के लिए खतरा कैसे बन सकता है? कोई तीन कारण लिखिए। 2

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 5. श्रीलंका की आर्थिक-व्यवस्था पर एक टिप्पणी लिखिए। 2

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 6. संयुक्त राष्ट्र संघ को अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए हाल ही में क्या कदम उठाये गये हैं? 2

YouTube channel PK study point 99

उत्तर– ....

....

....

....

....

....

प्रश्न 7. एशिया और अफ्रीका के नव स्वतंत्र देशों के सामने खड़ी सुरक्षा की चुनौतियाँ यूरोपीय देशों के मुकाबले किन दो मायनों में विशिष्ट थीं?

उत्तर– ....

....

....

....

....

....

प्रश्न 8. मूलवासियों के अधिकारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर– ....

....

....

....

....

प्रश्न 9. अनुच्छेद-51 में वर्णित अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा बढ़ाने वाले कोई दो नीति निदेशक त का वर्णन कीजिए।

उत्तर– ....

....

....

....

....

प्रश्न 10. निम्नलिखित का मेल करें–

(क)	सिंडिकेट	(i)	कोई निर्वाचित जन-प्रतिनिधि जिस पार्टी के टिकट से जी हो, उस पार्टी को छोड़कर अगर दूसरे दल में चला जाए।
(ख)	दल-बदल	(ii)	लोगों का ध्यान आकर्षित करने वाला एक मनभावन मुहाव

YouTube channel PK study point 99

(ग) नारा (iii) कांग्रेस और इसकी नीतियों के खिलाफ अलग-अलग विचारधाराओं की पार्टियों का एकजुट होना।

(घ) गैर-कांग्रेसवाद (iv) कांग्रेस के भीतर ताकतवर और प्रभावशाली नेताओं का एक समूह।

उत्तर–

प्रश्न 11. दक्षिणपंथी विचारधारा क्या है? 2

उत्तर–

प्रश्न 12. बिहार आन्दोलन क्या था? 2

उत्तर–

प्रश्न 13. मिजो अलगाववादी आन्दोलन को जनसमर्थन क्यों और कैसे प्राप्त हुआ? 2

उत्तर–

प्रश्न 14. संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन के बारे में आप क्या जानते हैं? 2

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

....

प्रश्न 15. भारत की आर्थिक नीति कब शुरू की गई थी? इसका मुख्य वास्तुकार कौन था? 2

उत्तर– ....

खण्ड–स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–(शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

प्रश्न 16. वैश्विक स्तर पर चीन के आर्थिक प्रभाव को स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

नयी आर्थिक नीतियों के कारण चीन की अर्थव्यवस्था में क्या परिवर्तन आए?

उत्तर– ....

प्रश्न 17. संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव के पद पर बैठने वाले दो एशियाई व्यक्तियों के नाम लिखिए। उनके कार्यकाल के दौरान उनके कार्यों का उल्लेख कीजिए। 3

अथवा

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए–

(i) महासभा (ii) सुरक्षा परिषद।

उत्तर– ....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 18. पहले तीन आम चुनावों में काँग्रेस के प्रभुत्व का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 3

अथवा

1950 के दशक में विपक्षी दलों की मौजूदगी ने भारतीय शासन-व्यवस्था के लोकतांत्रिक चरित्र को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 19. भारत में वचनबद्ध न्यायपालिका की धारणा को उदाहरण सहित समझाइए। 3

अथवा

निम्न बिन्दुओं का वर्णन आपातकाल 1975 की पृष्ठभूमि के संदर्भ में कीजिए–

(अ) गुजरात आंदोलन (ब) सरकार व न्यायपालिका में संघर्ष।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न–(शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

प्रश्न 20. 1990 में अपनायी गयी शॉक थेरेपी के क्या परिणाम हुए? 4

अथवा

सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस की विश्व परिदृश्य पर भूमिका का विवेचन कीजिए।

उत्तर–

प्रश्न 21. वैश्वीकरण की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए वैश्वीकरण विरोधी आन्दोलन पर एक निबन्ध लिखिए। 4

अथवा

वैश्वीकरण के राजनैतिक प्रभावों का विवेचन कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 22. भारत के राजनैतिक मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए– 4

(i) कुर्ग (ii) कूच बिहार

(iii) बनारस (iv) त्रावणकोर

अथवा

भारत के राजनैतिक मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए–

(i) उड़ीसा (ii) त्रिपुरा

(iii) हिमाचल प्रदेश (iv) मिजोरम

उत्तर–

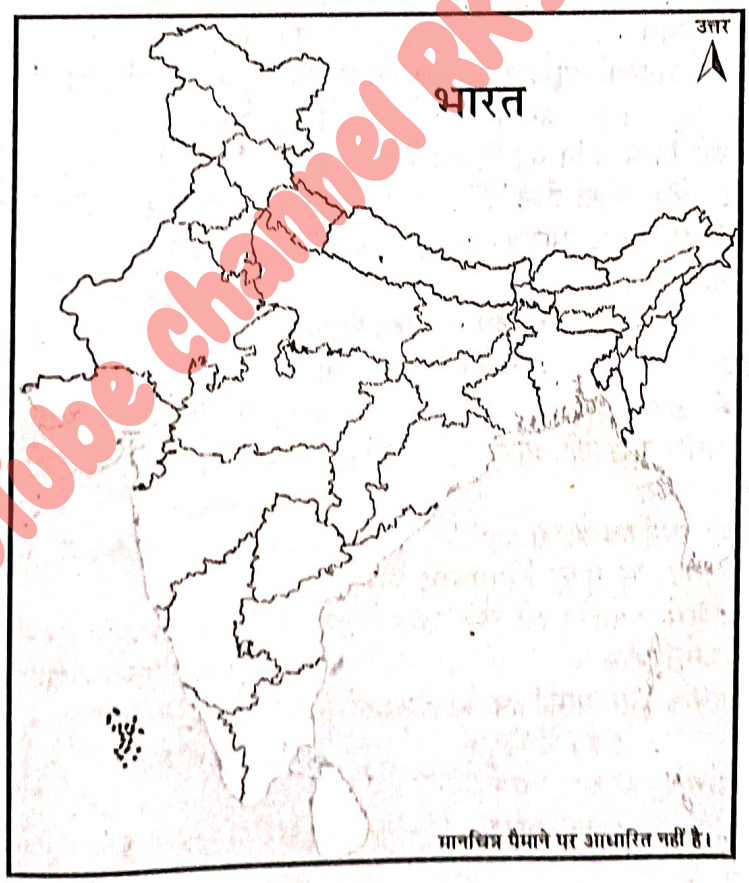

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक-80

YouTube channel RK study point 99

संजीव डेस्क वाले

मॉडल पेपर-8 (अभ्यासार्थ)
उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा 12
राजनीति विज्ञान

समय : 3 घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्न क्रमांक 16 से 22 में आन्तरिक विकल्प है।

खण्ड-अ

बहुविकल्पीय प्रश्न–

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

(i) निम्न में से बोल्शेविक पार्टी के संस्थापक थे— 1
(अ) जोजेफ स्टालिन (ब) बोरिस येल्तसिन
(स) मिखाइल गोर्बाचेव (द) व्लादिमीर लेनिन

(ii) यूरोपीय संघ का जो सदस्य संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है, वह है— 1
(अ) स्वीडन (ब) जर्मनी (स) इटली (द) फ्रांस

(iii) बांग्लादेश भारत की किस नीति का हिस्सा है? 1
(अ) 'लुक ईस्ट' और 'एक्ट ईस्ट' (ब) 'लुक वेस्ट' और 'एक्ट ईस्ट'
(स) 'लुक नॉर्थ' और 'एक्ट साउथ' (द) इनमें से कोई नहीं

(iv) ग्लोबल वार्मिंग का कारण है— 1
(अ) वातावरण में ग्रीनहाऊस गैसों का उत्सर्जन बढ़ाना
(ब) कार्बन-डाइ-ऑक्साइड का उत्सर्जन कम होना
(स) समुद्रतल की ऊँचाई बढ़ना (द) उपर्युक्त सभी

(v) सुरक्षा-नीति का संबंध युद्ध की आशंका को रोकने में होता है, जिसे कहा जाता है— 1
(अ) आत्मसमर्पण करना (ब) अपरोध
(स) हमलावर को पराजित करना (द) शक्ति संतुलन

(vi) क्योटो प्रोटोकॉल 1997 में मुख्य विषयवस्तु थी— 1
(अ) ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करना (ब) नि:शस्त्रीकरण पर बल
(स) आतंकवाद का विरोध (द) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि

(vii) वैश्वीकरण में आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं का प्रमुख निर्धारक है— 1
(अ) राज्य (ब) उत्पादक (स) उपभोक्ता (द) बाजार

(viii) भारत ने पहला परमाणु परीक्षण किया— 1
(अ) 1974 (ब) 1975 (स) 1978 (द) 1980

(ix) किस पार्टी के शासन को 'परिपूर्ण तानाशाही' कहा जाता है? 1
(अ) कम्युनिस्ट पार्टी (ब) सोशलिस्ट पार्टी (स) पीआरआई पार्टी (द) समाजवादी पार्टी

(x) भारत में 1944 में उद्योगपतियों के एक समूह ने नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने का जो संयुक्त प्रस्ताव तैयार किया, उसे कहा जाता है— 1

YouTube channel RK study point 99

(अ) देहली प्लान (ब) केरल मॉडल (स) बॉम्बे प्लान (द) कलकत्ता प्लान

(xi) नेहरू की अगुवाई में भारत ने मार्च, 1947 में ही किस सम्मेलन का आयोजन किया था? 1
(अ) एशियाई संबंध सम्मेलन (ब) एफ्रो-एशियाई सम्मेलन
(स) गुट निरपेक्ष आंदोलन का सम्मेलन (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(xii) 'कांग्रेस सिंडिकेट' के अगुआ कौन थे? 1
(अ) एस. के. पाटिल (ब) के. कामराज
(स) एन. संजीव रेड्डी (द) अतुल्य घोष

(xiii) पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में राजनीति पर कौनसा मुद्दा प्रभावी है? 1
(अ) स्वायत्ता की माँग का (ब) अलगाव के आन्दोलन का
(स) बाहरी लोगों के विरोध का (द) उपरोक्त सभी

(xiv) 'बहुजन' शब्द किनके लिए इस्तेमाल किया गया? 1
(अ) अनुसूचित जाति (ब) अनुसूचित जनजाति (स) अन्य पिछड़ा वर्ग (द) उपर्युक्त सभी

(xv) भारत का पहला भाग जहाँ सार्वभौम वयस्क मताधिकार के सिद्धांत को अपनाकर चुनाव हुआ— 1
(अ) केरल (ब) सिक्किम (स) मणिपुर (द) गुजरात

उत्तरतालिका

प्रश्न संख्या	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
उत्तर–								
प्रश्न संख्या	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	
उत्तर–								

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) जुलाई, 1972 में भारत-पाक के बीच ..... समझौता हुआ। 1
उत्तर–.....

(ii) सुरक्षा के अपारंपरिक धारणा के दो पक्ष हैं– .....की सुरक्षा और विश्व सुरक्षा। 1
उत्तर–.....

(iii) खनिज उद्योग धरती के भीतर मौजूद ..... को बाहर निकालता है। 1
उत्तर–.....

(iv) 1987 से 1991 के बीच सरकार ने ..... नाम से अभियान चलाया। 1
उत्तर–.....

(v) पंजाब में बनी संयुक्त विधायक दल की सरकार को ..... की सरकार कहा गया। 1
उत्तर–.....

(vi) मणिपुर, त्रिपुरा और मेघालय ..... में राज्य बने। 1
उत्तर–.....

(vii) ..... भारत-पाक के बीच लगातार मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। 1
उत्तर–.....

YouTube channel PK study point 99

प्रश्न 3. अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न–(निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक पंक्ति में दीजिए)

(i) सोवियत संघ की '[illegible]' किसे कहा गया है? 1

उत्तर– ....

....

....

(ii) राजनीतिक प्रणाली की दृष्टि से भारत और श्रीलंका की किसी एक समानता को बताइए। 1

उत्तर– ....

....

....

(iii) 'क्योटो प्रोटोकॉल' क्या है? 1

उत्तर– ....

....

(iv) दक्षिणपंथी आलोचक वैश्वीकरण के विरोध में क्या तर्क देते हैं? 1

उत्तर– ....

....

(v) किन देशों ने अंटार्कटिक क्षेत्र पर अपने संप्रभु अधिकार का वैधानिक दावा किया? 1

उत्तर– ....

(vi) मुजीबुर्रहमान की पार्टी का नाम क्या था? 1

उत्तर– ....

(vii) दूसरी पंचवर्षीय योजना के योजनाकार कौन थे? 1

उत्तर– ....

(viii) गठबन्धन सरकार की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। 1

उत्तर– ....

....

(ix) आनन्दपुर साहिब प्रस्ताव कब पास किया गया और इसका संबंध किसके साथ है? 1

उत्तर– ....

....

(x) क्षेत्रीय दल किसे कहते हैं? 1

उत्तर– ....

....

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–(शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

प्रश्न 4. आसियान क्षेत्रीय मंच की स्थापना क्यों की गई? 2

उत्तर–

प्रश्न 5. 'साफ्टा' क्या है? 2

उत्तर–

प्रश्न 6. सुरक्षा-परिषद् के स्थायी व अस्थायी सदस्यों के लिए सुझाये गये कोई चार मानदण्ड बताइए। 2

उत्तर–

प्रश्न 7. एंटी बैलेस्टिक संधि कब और क्यों की गई? 2

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 8. अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार पावन वन-प्रांतर का क्या महत्त्व है? 2

उत्तर– ....

....

....

....

....

प्रश्न 9. दूसरे युद्ध के पश्चात् विकासशील देशों ने क्या ध्यान में रखकर अपनी विदेश नीति बनाई? 2

उत्तर– ....

....

....

....

प्रश्न 10. निम्नलिखित का मेल करें– 2

(क)	ताशकन्द समझौता	(i)	1966
(ख)	बांग्लादेश का निर्माण	(ii)	बिहार के नेता
(ग)	वी.वी. गिरि	(iii)	आन्ध्र प्रदेश के मजदूर नेता
(घ)	कर्पूरी ठाकुर	(iv)	1971

उत्तर– ....

....

....

....

प्रश्न 11. भारत में नियोजित विकास के किन्हीं दो कारणों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए। 2

उत्तर– ....

....

....

....

....

प्रश्न 12. गुजरात आंदोलन 1974 को स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर– ....

....

YouTube channel RK study point 99

.....

.....

प्रश्न 13. भारत में पूर्वोत्तर के राज्यों में राजनीति के कौनसे मुद्दे हावी रहे? 2

उत्तर– .....

.....

.....

.....

प्रश्न 14. कांग्रेस प्रणाली से आप क्या समझते हैं? 2

उत्तर– .....

.....

.....

.....

प्रश्न 15. बामसेफ पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए। 2

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

खण्ड-स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–(शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

प्रश्न 16. माओ युग के पश्चात् चीन में अपनायी गई नयी आर्थिक नीतियाँ तथा परिणामों को स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

आसियान संगठन की स्थापना एवं आसियान विजन 2020 की मुख्य बातें बताइए।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 17. हमें अंतर्राष्ट्रीय संगठन क्यों चाहिए? स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए–

(i) आर्थिक व सामाजिक परिषद् (ii) ट्रस्टीशिप परिषद्

(iii) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 18. प्रथम तीन आम चुनावों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की मजबूत स्थिति के पीछे उत्तरदायी कारणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 3

अथवा

राजनीतिक दलों के प्रमुख तत्त्वों को संक्षेप में समझाइए।

उत्तर–

प्रश्न 19. 1975 के आपातकाल में सीखे गए दो सबकों का विश्लेषण कीजिए। 3

अथवा

1977 के लोकसभा चुनावों के किन्हीं तीन महत्त्वपूर्ण परिणामों एवं निष्कर्षों पर प्रकाश डालिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न–(शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

प्रश्न 20. सोवियत खेमे के विघटन के घटना चक्र पर एक लेख लिखिए।

अथवा

सोवियत संघ से स्वतन्त्र हुए गणराज्यों में हुए आन्तरिक संघर्ष और तनाव पर एक लेख लिखिए

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 21. वैश्वीकरण के प्रतिरोध को लेकर भारत के अनुभव क्या है? 4

अथवा

भारत सरकार द्वारा वैश्वीकरण की दिशा में क्या-क्या कदम उठाये गये हैं तथा उसके क्या प्रभाव पड़े हैं? समझाइए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 22. भारत के राजनैतिक मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए–

(i) अरुणाचल प्रदेश (ii) ग्वालियर (iii) बम्बई (iv) हैदराबाद

अथवा

भारत के राजनैतिक मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए–

(i) कश्मीर (ii) तेलंगाना (iii) नागपुर (iv) तमिलनाडु

उत्तर–

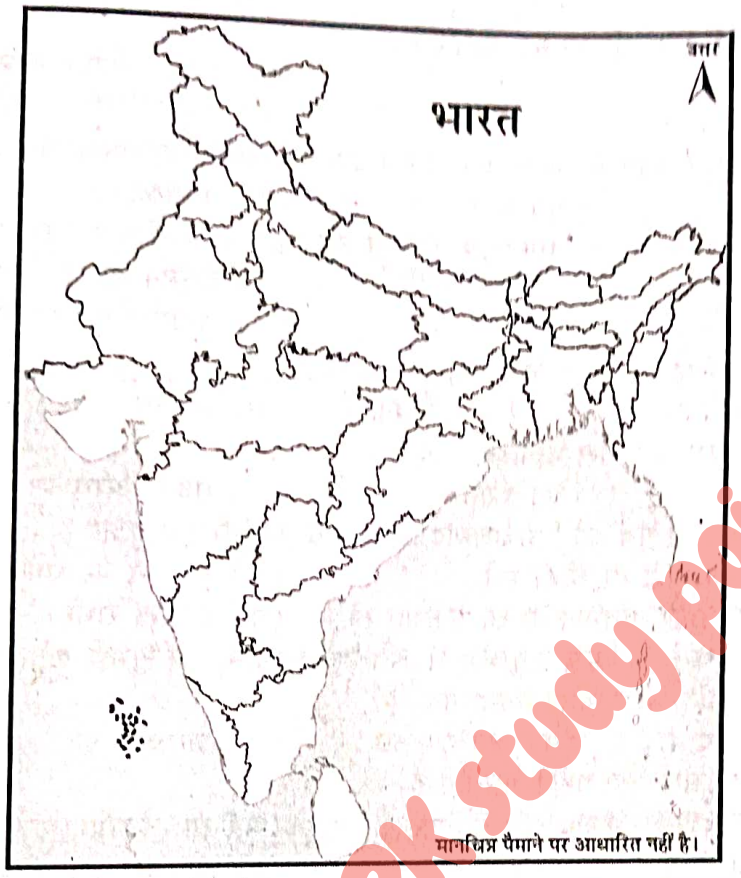

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक–80

मॉडल पेपर–9 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा 12

राजनीति विज्ञान

समय : 3 घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्न क्रमांक 16 से 22 में आन्तरिक विकल्प है।

खण्ड-अ

बहुविकल्पीय प्रश्न–

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए–

(i) निम्न में से सोवियत संघ के अंतिम राष्ट्रपति थे— 1

(अ) बोरिस येल्तसिन
(ब) निकिता ख्रुश्चेव
(स) मिखाइल गोर्बाचेव
(द) ब्लादिमीर लेनिन

Youtube channel RK study point 99

(ii) मास्ट्रिस्ट संधि किस संगठन का आधार है?
(अ) गैट (ब) विश्व-व्यापार संगठन
(स) नाफ्टा (द) यूरोपीय संघ

(iii) दक्षिण एशिया के देशों में सबसे पहले किस देश ने अपनी अर्थव्यवस्था का उदारीकरण किया?
(अ) भारत (ब) चीन (स) श्रीलंका (द) पाकिस्तान

(iv) प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात् झगड़ों के निपटारे हेतु किस अंतर्राष्ट्रीय संगठन की स्थापना हुई?
(अ) लीग ऑव नेशंस (ब) ह्यूमन राइट्स वॉच
(स) संयुक्त राष्ट्र संघ (द) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

(v) निम्न में से परंपरागत सुरक्षा-नीति का तत्त्व है—
(अ) शक्ति-संतुलन (ब) गठबंधन बनाना (स) अपरोध (द) उपर्युक्त सभी

(vi) विश्व का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है—
(अ) मिश्र (ब) ईरान (स) सऊदी अरब (द) इराक

(vii) भारत में 1991 से पूर्व की 'संरक्षणवाद' की नीति का परिणाम हुआ—
(अ) आर्थिक वृद्धि दर धीमी रही (ब) स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया गया
(स) आवास और प्राथमिक शिक्षा उपेक्षित रहे (द) उपरोक्त सभी

(viii) भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए नीति निर्देशक सिद्धांत का उल्लेख किया गया है?
(अ) अनुच्छेद 47 (ब) अनुच्छेद 50 (स) अनुच्छेद 57 (द) अनुच्छेद 49

(ix) भारत रत्न से सम्मानित पहले भारतीय हैं—
(अ) जवाहर लाल नेहरू (ब) सी. राजगोपालाचारी
(स) इंदिरा गाँधी (द) बी. आर. अम्बेडकर

(x) 'इकॉनॉमी ऑफ परमानैंस' के लेखक हैं—
(अ) जे. सी. कुमारप्पा (ब) चौधरी चरणसिंह
(स) वर्गीज कुरियन (द) पी. सी. महालनोबिस

(xi) गुट निरपक्ष आंदोलन का पहला सम्मेलन कब हुआ?
(अ) 1955 में (ब) 1947 में (स) 1949 में (द) 1961 में

(xii) द्रविड़ मुनेत्र कषगम पार्टी का गठन किसने किया?
(अ) के. कामराज (ब) एस. निजलिंगप्पा
(स) वी. वी. गिरी (द) सी. नटराजन अन्नादुराई

(xiii) शेख अब्दुल्ला के निधन के पश्चात नेशनल कान्फ्रेंस का नेतृत्व किसके पास गया?
(अ) उमर अब्दुल्ला (ब) गुलाम मोहम्मद सादिक
(स) फारुक अब्दुल्ला (द) महबूबा मुफ्ती

(xiv) बामसेफ का गठन हुआ—
(अ) 1978 (ब) 1980 (स) 1991 (द) 1989

(xv) वृहत्तर पंजाब से निर्मित राज्य है—
(अ) हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश (ब) हिमाचल प्रदेश और दिल्ली
(स) उत्तराखण्ड और हरियाणा (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरतालिका

प्रश्न संख्या	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
उत्तर–								
प्रश्न संख्या	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	
उत्तर–								

YouTube Channel RK Study Point 99

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) जनसंख्या की वृद्धि-दर पर सफलतापूर्वक नियंत्रण करने वाले विकासशील देशों में ..... प्रथम है। 1

उत्तर– .....

(ii) सुरक्षा की ..... धारणा को 'मानवता की सुरक्षा' अथवा विश्व-रक्षा कहा जाता है। 1

उत्तर– .....

(iii) भारत में ..... को बचाने की मुहिम चल रही है क्योंकि इनकी संख्या लुप्त होने की हद तक कम हो चली थी। 1

उत्तर– .....

(iv) विभाजन के कारण ..... क्षेत्र को गहरी मार लगी थी। 1

उत्तर– .....

(v) ..... के अगुवा मद्रास प्रांत के भूतपूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष रह चुके के. कामराज थे। 1

उत्तर– .....

(vi) असम के बोड़ो, ... और दिमसा जैसे समुदायों ने अपने लिए अलग राज्य की माँग की। 1

उत्तर– .....

(vii) ..... और नेपाल के बीच हिमालयी नदियों के जल की हिस्सेदारी को लेकर खपपट है। 1

उत्तर– .....

प्रश्न 3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–(निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक पंक्ति में दीजिए)

(i) पूर्व सोवियत संघ से स्वतंत्र हुए राष्ट्रों ने किस संगठन का निर्माण किया? 1

उत्तर– .....

.....

(ii) मानव विकास रिपोर्ट, 2018 के अनुसार दक्षिण एशिया के किस देश में वयस्क साक्षरता दर सबसे अधिक है? 1

उत्तर– .....

(iii) भारत ने क्योटो प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर कब किए? 1

उत्तर– .....

(iv) सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण से क्या अभिप्राय है? 1

उत्तर– .....

.....

(v) टिकाऊ विकास क्या है? 1

उत्तर– .....

YouTube channel RK study point 99

(vi) भारत ने परमाणु कार्यक्रम की शुरुआत किसके निर्देशन में की? 1

उत्तर–

(vii) भारत में पंचवर्षीय योजनाओं का मूल उद्देश्य क्या था? 1

उत्तर–

(viii) मद्रास प्रांत को अब किस नाम से जाना जाता है? 1

उत्तर–

(ix) राजीव गाँधी-लोंगोवाल समझौते के किसी एक सहमति के बिन्दु का उल्लेख कीजिए। 1

उत्तर–

(x) राजनीतिक दलों के ध्रुवीकरण के प्रमुख बाधक तत्त्व क्या हैं? 1

उत्तर–

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–(शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

प्रश्न 4. भारत-चीन के सम्बन्धों में कटुता पैदा करने वाले कोई तीन मुद्दे लिखिए। 2

उत्तर–

प्रश्न 5. दक्षिण एशिया के क्षेत्रों की सुरक्षा और शांति के भविष्य से अमरीका के हित बंधे हुए हैं। इ
कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 6. पी. सी. महालनोबिस के बारे में आप क्या जानते हैं? 2

उत्तर–

प्रश्न 7. 1990 के दशक में विश्व-सुरक्षा की धारणा उभरने की क्या वजहें हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर–

प्रश्न 8. भारत द्वारा पृथ्वी-सम्मेलन के समझौतों के क्रियान्वयन के पुनरावलोकन का निष्कर्ष क्या है? 2

उत्तर–

प्रश्न 9. नेहरू की विदेश नीति के उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए। वह किस रणनीति के द्वारा इन उद्देश्यों को प्राप्त करना चाहते थे? 2

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 10. निम्नलिखित का मेल करें–

(क)	वैश्विक वित्त की देखरेख	(i)	विश्व व्यापार संगठन
(ख)	सदस्य देशों के बीच मुक्त व्यापार की राह आसान बनाना	(ii)	अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(ग)	संयुक्त राष्ट्र संघ के मामलों का समागोजन एवं प्रशासन	(iii)	विश्व स्वास्थ्य संगठन
(घ)	सबके लिए स्वास्थ्य	(iv)	सचिवालय

उत्तर–

प्रश्न 11. लाल बहादुर शास्त्री पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर–

प्रश्न 12. आपातकाल की घोषणा के साथ राजनीति में क्या बदलाव आता है?

उत्तर–

प्रश्न 13. डी. एम. के. दल के उदय पर संक्षिप्त नोट लिखिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 14. समाजवादी दलों और कम्युनिस्ट पार्टी के बीच दो अन्तर बनाएं। 2

उत्तर–

प्रश्न 15. भारत में वामपंथी एवं दक्षिणपंथी विचारधारा में कोई दो अन्तर लिखिए। 2

उत्तर–

खण्ड-स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–(शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

प्रश्न 16. भारत-चीन के बीच संघर्ष के किन्हीं दो मुद्दों पर प्रकाश डालिए। 3

अथवा

वैकल्पिक शक्ति-केन्द्र के रूप में जापान प्रभावकारी है। किन्हीं पाँच तथ्यों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 17. संयुक्त राष्ट्र संघ के न्यायाधिकार में आने वाले मुद्दों की समीक्षा कीजिए। 3

अथवा

एक ध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्र संघ क्या अमरीका की मनमानी को रोक सकता है? यदि नहीं तो क्यों?

उत्तर–

प्रश्न 18. भारत में राजनीतिक दलों द्वारा अपने कार्यों का निर्वहन करने में आने वाली तीन कठिनाइयों को बताइए। 3

YouTube channel RK study point 99

अथवा

कांग्रेस पार्टी की गठबन्धनी प्रकृति ने किस प्रकार कांग्रेस को असाधारण ताकत दी?

उत्तर–

प्रश्न 19. नागरिक स्वतंत्रताओं के संगठनों के उदय का वर्णन कीजिए। 3

अथवा

1975 में श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा लागू किए गए आपातकाल की घोषणा के प्रमुख कारणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

खण्ड-द

निवन्धात्मक प्रश्न–(शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

प्रश्न 20. यदि सोवियत संघ का विघटन नहीं हुआ होता तो एक-ध्रुवीय विश्व में हुए कौन-कौन से आ
विकास नहीं होते?

अथवा

सोवियत अर्थव्यवस्था को किसी पूँजीवादी देश, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्
अलग करने वाली किन्हीं दो विशेषताओं का जिक्र करें। किन वातों के कारण गोर्बाचेव सोवि
संघ में सुधार के लिए वाध्य हुए।

उत्तर– ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 21. वैश्वीकरण के चार कारणों का उल्लेख करते हुए वैश्वीकरण के राजनीतिक प्रभावों को स्पष्ट कीजिए। 4

अथवा

आर्थिक वैश्वीकरण की प्रक्रिया से क्या आशय है? वैश्वीकरण की प्रक्रिया को आलोचक कैसे देखते हैं?

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 22. भारत के राजनैतिक मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए–

(i) आन्ध्र प्रदेश (ii) केरल (iii) दमन और दीव (iv) लक्षद्वीप

अथवा

भारत के राजनैतिक मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए–

(i) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (ii) मैसूर

(iii) हरियाणा (iv) पश्चिम बंगाल

उत्तर–

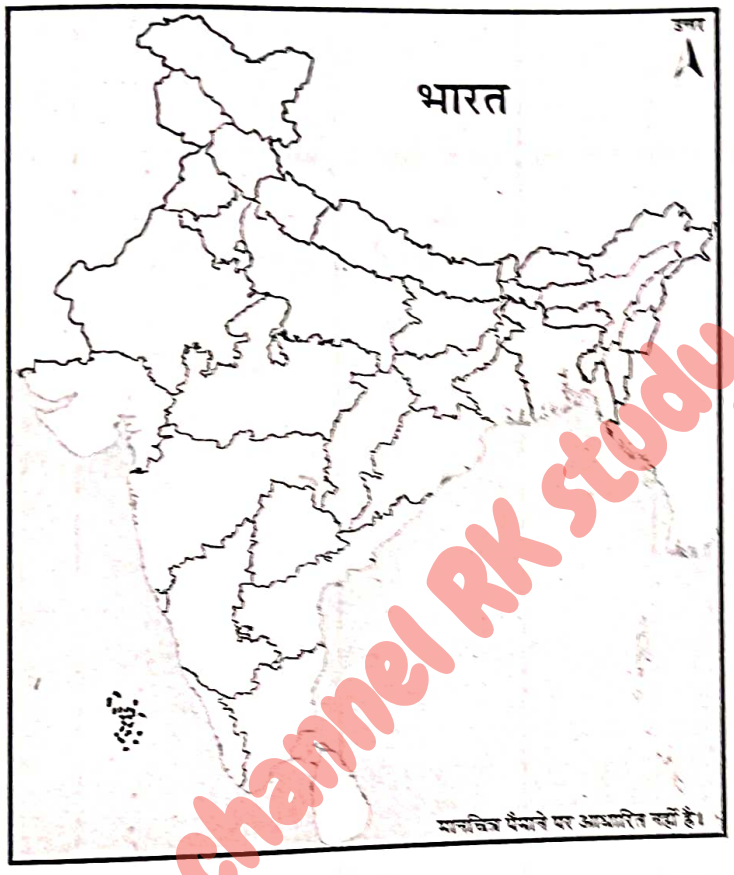

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक–80

YouTube channel RK study point 99

मॉडल पेपर-5

खण्ड-अ

1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(अ)	(स)	(स)	(स)	(स)	(ब)	(स)	(अ)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	
(स)	(स)	(ब)	(अ)	(द)	(अ)	(अ)	

2. (i) श्रीलंका (ii) अपरोध (iii) 1997 (iv) लौह-अयस्क (v) हिंदी-विरोधी (vi) लद्दाख (vii) नेपाल

3. (i) पूर्वी यूरोप के जो देश समाजवादी खेमे में शामिल हुए थे, उनको दूसरी दुनिया कहा जाता है।
   (ii) सार्क का पूरा नाम है–साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपरेशन (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ)
   (iii) एन.पी.टी. का पूरा नाम है–न्यूक्लियर नॉन प्रोलिफेरेशन ट्रीटी।
   (iv) औपनिवेशिक दौर में भारत आधारभूत वस्तुओं और कच्चे माल का निर्यातक तथा बने-बनाए सामानों का आयातक देश था।
   (v) (1) अंटार्कटिका (1959) (2) मांट्रियल न्यायाचार (प्रोटोकॉल 1987)।
   (vi) अनुच्छेद 51 के अनुसार राज्य को अंतर्राष्ट्रीय झगड़ों को निपटाने के लिए मध्यस्थ का रास्ता अपनाने सम्बन्धी निर्देश दिए गए हैं।
   (vii) नियोजन के द्वारा आर्थिक तथा सामाजिक जीवन के विभिन्न अंगों में समन्वय स्थापित करके समाज की उन्नति की जा सकती है।
   (viii) इन्दिरा गाँधी ने निर्दलीय उम्मीदवार वी.वी. गिरी का साथ दिया।
   (ix) मीज़ो नेशनल फ्रंट।
   (x) पी.वी. नरसिम्हा राव को।

खण्ड-ब

4. यूरोपीय संघ की प्रमुख विशेषताएँ ये हैं—
   (1) यूरोपीय संघ की साझी मुद्रा—यूरो, स्थापना दिवस, गान तथा झण्डा है।
   (2) यूरोपीय संघ आर्थिक-राजनैतिक मामलों में हस्तक्षेप करने में सक्षम है।
   (3) इसका एक सदस्य—फ्रांस—सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है।
   (4) इसका आर्थिक, राजनैतिक, सैनिक तथा कूटनीतिक वैश्विक प्रभाव बहुत अधिक है।

5. दक्षिण एशिया के सारे झगड़े सिर्फ भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच ही नहीं हैं क्योंकि—
   (i) नेपाल-भूटान तथा बांग्लादेश-म्यांमार के बीच जातीय मूल के नेपालियों के भूटान आप्रवास तथा रोहिंग्या लोगों के म्यांमार में आप्रवास के मामलों पर मतभेद रहे हैं।
   (ii) बांग्लादेश और नेपाल के बीच हिमालयी नदियों के जल की हिस्सेदारी को लेकर खटपट है।

6. **अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष**–यह संगठन वैश्विक स्तर की वित्त-व्यवस्था की देखरेख करता है और मांगे जाने पर वित्तीय तथा तकनीकी सहायता मुहैया करता है। वैश्विक स्तर की वित्त-व्यवस्था का आशय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली वित्तीय संस्थाओं और लागू होने वाले नियमों से है।
   12 अप्रेल, 2016 की स्थिति के अनुसार 189 देश अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सदस्य हैं लेकिन हर सदस्य की राय का वजन बराबर नहीं है।

7. अस्त्र नियंत्रण के अन्तर्गत हथियारों के संबंध में कुछ कायदे-कानूनों का पालन करना पड़ता है। जैसे, सन् 1972 की एंटी बैलिस्टिक मिसाइल संधि (ABM) ने अमरीका और सोवियत संघ को बैलिस्टिक मिसाइलों को रक्षा-कवच के रूप में इस्तेमाल करने से रोका।

8. **क्योटो-प्रोटोकॉल से विश्व को होने वाले लाभ**–(1) इसमें जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और वानिकी के सम्बन्ध में कुछ नियम-आचार निर्धारित हुए। इससे औद्योगिक देश ग्रीन हाउस गैसों की उत्सर्जन दर कम करेंगे जिससे वैश्विक ताप वृद्धि रुकेगी।
   (2) इसमें यह सहमति बनी कि आर्थिक विकास का तरीका ऐसा होना चाहिए जिससे पर्यावरण को हानि न पहुँचे।

9. **बॉम्बे प्लान**–1944 में भारतीय उद्योगपतियों का एक समूह बॉम्बे में एकत्र हुआ। इस बैठक में इन उद्योगपतियों ने नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने का एक संयुक्त प्रस्ताव तैयार किया। इसे ही बॉम्बे प्लान के नाम से जाना जाता है।

10.

(क) 1950-64 के दौरान भारत की विदेश नीति का लक्ष्य	(ii) क्षेत्रीय अखण्डता और सम्प्रभुता की रक्षा तथा आर्थिक विकास।
(ख) पंचशील	(iii) शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व के पाँच सिद्धान्त।
(ग) बांडुंग सम्मेलन	(iv) इसकी परिणति गुटनिरपेक्ष आन्दोलन में हुई।
(घ) दलाई लामा	(i) तिब्बत के धार्मिक नेता जो सीमा पार करके भारत चले आए।

11. 1967 के चौथे आम चुनाव में कांग्रेस दल की मुख्य चुनौतियाँ— (1) इस समय देश आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा था। (2) विपक्ष अब पहले की अपेक्षा कम विभाजित तथा कहीं ज्यादा ताकतवर था। (3) कांग्रेस को अन्दरूनी चुनौतियों

YouTube channel RK study point 99

का सामना भी करना पड़ रहा था क्योंकि यह पार्टी के अन्दर विभिन्नता को थाम कर नहीं चल पा रही थी।

12. जयप्रकाश नारायण ने 1974 में बिहार की कांग्रेस सरकार को बर्खास्त करने की माँग की। उन्होंने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दायरे में समग्र (सम्पूर्ण) क्रान्ति का आह्वान किया ताकि सच्चे लोकतन्त्र की स्थापना की जा सके। इस प्रकार उनकी समग्र क्रान्ति का आशय—सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक—सभी क्षेत्रों की क्रान्ति से था।

13. **अलगाववाद**–अलगाववाद से अभिप्राय एक राज्य से कुछ क्षेत्र को अलग-अलग करके स्वतंत्र राज्य की स्थापना की माँग है। अर्थात् संपूर्ण इकाई से अलग अपना स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखने की माँग अलगाववाद है। अलगाववाद का उदय उस समय होता है जब क्षेत्रवाद की भावना उग्र रूप धारण कर लेती है।

14. भारत में क्षेत्रीय दल आवश्यक हैं, क्योंकि—

(i) भारत एक विशाल देश है जिसमें विभिन्न भाषाओं, धर्मों तथा जातियों के लोग रहते हैं। अनेक क्षेत्रीय दलों का निर्माण जाति, धर्म एवं भाषा के आधार पर हुआ है।

(ii) भारत में विभिन्न क्षेत्रों की अपनी समस्याएँ तथा आवश्यकताएँ हैं। इनके हितों की पूर्ति के लिए विभिन्न क्षेत्रीय दलों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है।

15. चुनावों में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के कारण निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या में वृद्धि हो रही है। यह निर्दलीय उम्मीदवार भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति को बढ़ावा देते हैं। यह भारतीय दलीय व्यवस्था के हित में नहीं है।

खण्ड-स

16. चीन की नियंत्रित अर्थव्यवस्था और आज की अर्थव्यवस्था में अन्तर

आज की चीनी अर्थव्यवस्था, उसकी नियंत्रित अर्थव्यवस्था को निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत स्पष्ट किया गया है—

(1) चीन की नियंत्रित अर्थव्यवस्था में कृषि और उद्योगों पर राज्य का नियंत्रण था। इसमें विदेशी व्यापार न के बराबर था, प्रति व्यक्ति आय बहुत कम थी तथा औद्योगिक उत्पादन पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ पा रहा था।

चीन ने 1970 के बाद अमेरिका से सम्बन्ध बनाकर अपने राजनीतिक और आर्थिक एकांतवास को खत्म किया तथा 1978 में आर्थिक सुधारों और खुले द्वार की नीति अपनाई। इस नीति के तहत उसने कृषि, उद्योग, सेना और विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आधुनिकीकरण पर बल दिया तथा विदेशी पूँजी और प्रौद्योगिकी के निवेश से उच्चतर उत्पादकता को प्राप्त करने पर बल दिया।

(2) चीन की नियंत्रित अर्थव्यवस्था में कृषि तथा उद्योगों पर राज्य का नियंत्रण था। लेकिन चीन की वर्तमान अर्थव्यवस्था निजीकरण लिये हुए बाजारमूलक अर्थव्यवस्था है।

अथवा का उत्तर

यूरोपीय देशों ने युद्ध के उपरांत यूरोप में उभरी समस्याओं का निवारण निम्न प्रकार किया–

(1) शीत युद्ध से सहायता–1945 के बाद यूरोप के देशों में मेल-मिलाप को शीत युद्ध से भी मदद मिली।

(2) मार्शल योजना से अर्थव्यवस्था का पुनर्गठन–अमरीका से यूरोप की अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन के लिए जबरदस्त मदद मिली। इसे मार्शल योजना के नाम से जाना जाता है।

(3) सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था–अमेरिका ने नाटो के तहत एक सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को जन्म दिया।

इस प्रकार यूरोपीय देश एक विशाल राष्ट्र-राज्य की भाँति काम करने लगा।

17. एक-ध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका को निम्न प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है—

(1) संयुक्त राष्ट्र संघ अमरीका और शेष विश्व के बीच विभिन्न मुद्दों पर बातचीत कायम कर सकता है।

(2) झगड़ों और सामाजिक-आर्थिक विकास के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र संघ के जरिये 193 देशों को एक साथ किया जा सकता है।

(3) शेष विश्व संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच के माध्यम से अमरीकी रवैये और नीतियों पर कुछ न कुछ अंकुश लगा सकता है।

(4) आज विभिन्न समाजों और मुद्दों के बीच आपसी तार जुड़ते जा रहे हैं। आने वाले दिनों में पारस्परिक निर्भरता बढ़ती जायेगी। इसलिये संयुक्त राष्ट्र संघ का महत्त्व भी निरन्तर बढ़ेगा।

अथवा का उत्तर

संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य

संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

(1) अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना।

(2) सभी राष्ट्रों के बीच लोगों के समान अधिकार एवं स्वतंत्रता के सिद्धान्तों पर आधारित मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों पर विकास करना और विश्व शान्ति को सुदृढ़ बनाने के लिए उचित उपाय करना।

(3) सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और मानवीय क्षेत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित व मजबूत करना तथा सबके लिए मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं के सम्मान को बढ़ाना और प्रोत्साहन देना।

Youtube channel RK study point 99

(4) उपर्युक्त सामूहिक उद्देश्यों की प्राप्ति में राष्ट्रों के कार्यों में सामन्जस्य बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ को केन्द्र बनाना।

18. **भारत में मतदान के बदलते तरीके**–1952 से लेकर 2004 के आम चुनाव तक मतदान के तरीकों में निम्न प्रकार बदलाव आये हैं—

(1) 1952 के पहले आम चुनाव में प्रत्येक उम्मीदवार के नाम व चुनाव चिह्न की एक मतपेटी रखी गयी थी। हर मतदाता को एक खाली मतपत्र दिया गया जिसे उसने अपने पसंद के उम्मीदवार की मतपेटी में डाला। शुरुआती दो चुनावों के बाद यह तरीका बदल दिया गया।

(2) बाद के चुनावों में मतपत्र पर हर उम्मीदवार का नाम व चुनाव चिह्न अंकित किया गया। मतदाता को मतपत्र में अपने पसंद के उम्मीदवार के नाम के आगे मुहर लगानी होती थी।

(3) सन् 1990 के दशक के अन्त में चुनाव आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का प्रयोग शुरू कर दिया। इसमें मतदाता अपने पसंद के उम्मीदवार के सामने दिये गये बटन को दबा देता है।

अथवा का उत्तर

भारत में स्वतन्त्रता के बाद के प्रथम तीन आम चुनावों तक कांग्रेस पार्टी का प्रभुत्व कायम रहा। एकल पार्टी प्रभुत्व के अनेक कारणों में से एक प्रमुख कारण जनमत की कमजोरी भी था क्योंकि—

(i) नव स्वतन्त्र भारत में जनमत निर्माण के आधुनिक साधन बहुत कम थे। अतः लोगों ने अधिकांशतः एक ही पार्टी को वोट दिए।

(ii) स्वतन्त्रता के बाद भारत में सशक्त विपक्षी दल नहीं थे। सशक्त विपक्षी दलों के अभाव में जनमत निर्माण नहीं हो पाया था।

(iii) जनता का एक बड़ा भाग निरक्षर था और वह अपनी लोकतन्त्र की यात्रा शुरू कर रहा था। उसके समक्ष राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस ही प्रमुख राजनैतिक दल था जिससे उसे बहुत आशाएँ थीं।

स्पष्ट है कि देश में एकल पार्टी के प्रभुत्व का एक कारण जनमत की कमजोरी भी थी।

19. भारतीय लोकतंत्र पर आपातकाल के निम्नलिखित दुष्प्रभाव पड़े; जिनके कारण हम आपातकाल की आलोचना करते हैं—

(1) लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली का ठप होना–आपातकाल में लोगों को सार्वजनिक तौर पर सरकार के विरोध करने की लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली को ठप कर दिया गया।

(2) निवारक नजरबंदी कानून का दुरुपयोग–आपातकाल में निवारक नजरबंदी कानून का दुरुपयोग करते हुए लगभग 1 लाख 11 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन्हें अपनी गिरफ्तारी की चुनौती का अधिकार भी नहीं दिया गया।

(3) प्रेस पर नियंत्रण–आपातकाल के दौरान सरकार ने प्रेस की आजादी पर रोक लगा दी।

(4) संविधान का 42वाँ संशोधन–आपातकाल के दौरान ही संविधान का 42वाँ संशोधन पारित हुआ। इसके जरिये संविधान के अनेक हिस्सों में बदलाव किये गये।

अथवा का उत्तर

आपातकाल के सबक–आपातकाल से भारतीय राजनीतिक व्यवस्था को निम्न सबक मिले—

(i) विरोधी दलों और मतदाताओं ने जितनी अपनी राजनीतिक जागृति दिखाई, इससे साबित हो गया कि बड़े से बड़ा तानाशाह नेता भी भारत से लोकतन्त्र विदा नहीं कर सकता।

(ii) आपातकाल के बाद संविधान में अच्छे सुधार किए गए। अब आपातकाल सशक्त स्थिति में लगाया जा सकता था। ऐसा तभी हो सकता था जब मन्त्रिमण्डल लिखित रूप से राष्ट्रपति को ऐसा परामर्श दे।

(iii) आपातकाल में भी न्यायालयों में व्यक्ति के नागरिक अधिकारों की रक्षा करने की भूमिका सक्रिय रहेगी और नागरिक अधिकारों की रक्षा तत्परता से होने लगी।

खण्ड-द

20. सोवियत संघ के विघटन या पतन के उत्तरदायी कारक

सोवियत संघ के विघटन या पतन के प्रमुख उत्तरदायी कारक निम्नलिखित थे—

(1) सोवियत संघ की राजनीतिक अधिक संस्थाएँ अपनी आन्तरिक कमजोरियों के कारण लोगों की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकीं।

(2) सोवियत संघ ने अपने संसाधन परमाणु हथियार, सैन्य साजो सामान तथा पूर्वी यूरोप के अन्य पिछलग्गू देशों के विकास पर भी खर्च किए ताकि वे सोवियत नियन्त्रण में बने रहें। इससे सोवियत संघ पर गहरा आर्थिक दबाव बना और सोवियत व्यवस्था इसका सामना नहीं कर सकी।

(3) सोवियत संघ के पिछड़ेपन की पहचान से वहां के लोगों को राजनीतिक-मनोवैज्ञानिक रूप से धक्का लगा।

(4) कम्युनिस्ट पार्टी जनता के प्रति उत्तरदायी नहीं रह गयी थी।

(5) गोर्बाचेव ने देश में स्वतन्त्रता, समानता और राष्ट्रीयता व भातृत्व व एकता के वातावरण को तैयार किए बिना ही पुनर्गठन (पेरेस्त्रोइका) व खुलापन (ग्लासनोस्त) जैसी महत्त्वपूर्ण नीतियों को लागू कर दिया था।

YouTube Channel RK Study point 99

सोवियत संघ के विघटन के परिणाम–विश्व राजनीति पर सोवियत संघ के विघटन के गम्भीर परिणाम रहे हैं। यथा—

(1) सोवियत संघ के विघटन के परिणामस्वरूप शीत युद्ध समाप्त हो गया तथा हथियारों की दौड़ भी समाप्त हो गई।

(2) अब संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व की एकमात्र महाशक्ति बन गया तथा विश्व पर उसका वर्चस्व स्थापित हो गया।

(3) अब पूँजीवादी अर्थव्यवस्था अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभुत्वशाली अर्थव्यवस्था बन गई तथा तृतीय विश्व में साम्यवादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार रुक गया।

(4) सोवियत संघ के विघटन के परिणामस्वरूप विश्व में 15 स्वतन्त्र और सम्प्रभु राज्यों की संख्या में बढ़ोतरी हुई।

(5) तृतीय विश्व को अब नए उपनिवेशवाद के खतरे का सामना करना पड़ रहा है तथा मध्य-पूर्व के तेल भण्डारों पर अमरीका ने अपना एकछत्र प्रभुत्व स्थापित कर लिया है।

अथवा का उत्तर

गोर्बाचेव और सोवियत संघ का विघटन

मिखाइल गोर्बाचेव 1980 के दशक के मध्य में सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव पद पर आसीन हुए। इस समय सोवियत संघ आर्थिक, प्रशासनिक तथा राजनीतिक रूप से गतिरुद्ध हो चुका था। गोर्बाचेव ने अर्थव्यवस्था को सुधारने, पश्चिम की बराबरी पर लाने और प्रशासनिक ढांचे में ढील देने के लिए सुधारों को लागू किया। सोवियत संघ में जनता के एक तबके की सोच यह थी कि गोर्बाचेव को ज्यादा तेज गति से सुधारों की दिशा में कदम उठाने चाहिए। ये लोग उनकी इस धीमी कार्यपद्धति से अपना धीरज खो बैठे और निराश हो गए। दूसरी तरफ जनता के दूसरे तबके, खासकर कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य और वे लोग जो सोवियत व्यवस्था से लाभ में थे, का कहना था कि हमारी सत्ता और हमारे विशेषाधिकार कम हो रहे हैं तथा गोर्बाचेव सुधारों में जल्दबाजी दिखा रहे हैं। इस प्रकार गोर्बाचेव का समर्थन दोनों तरफ से जाता रहा और जनमत आपस में बँट गया। लेकिन इन सुधारों से सोवियत संघ का विघटन हो गया। इसके प्रमुख कारण निम्नलिखित रहे—

(1) लोगों की आकांक्षाओं पर ज्वार उमड़ना–जब गोर्बाचेव ने सुधारों को लागू किया और अर्थव्यवस्था में ढील दी तो लोगों की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का ऐसा ज्वार उमड़ा कि उस पर काबू पाना असंभव हो गया।

(2) राष्ट्रवादी भावनाओं और संप्रभुता की इच्छा का उभार–सोवियत संघ के विभिन्न गणराज्यों में राष्ट्रवादी भावना और संप्रभुता का उभार उठा। रूस और

बाल्टिक गणराज्य (एस्टोनिया, लतविया और लिथुआनिया), यूक्रेन तथा जार्जिया जैसे सोवियत संघ के विभिन्न गणराज्य इस उभार में शामिल थे। इन गणराज्यों में सोवियत संघ के प्रति राष्ट्रवादी असंतोष इस कारण अपेक्षाकृत अधिक प्रबल रहा क्योंकि इनमें यह भाव घर कर गया था कि ज्यादा पिछड़े इलाकों को सोवियत संघ में शामिल करने से उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। राष्ट्रीयता और संप्रभुता के भावों का उभार सोवियत संघ के विघटन का अंतिम और सर्वाधिक तात्कालिक कारण सिद्ध हुआ।

(3) राष्ट्रवादियों का असंतुष्ट होना–कुछ लोगों का मत है कि गोर्बाचेव के सुधारों ने राष्ट्रवादियों के असंतोष को इस सीमा तक भड़काया कि उस पर शासकों का नियंत्रण नहीं रहा।

21. वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभावों को सकारात्मक आर्थिक प्रभाव तथा नकारात्मक आर्थिक प्रभाव में विभाजित किया गया है। यथा–

वैश्वीकरण के सकारात्मक आर्थिक प्रभाव–

(1) वस्तुओं के व्यापार में वृद्धि–वैश्वीकरण ने देशों के आयात प्रतिबंधों को कम किया है जिससे सम्पूर्ण विश्व में वस्तुओं के व्यापार में वृद्धि हुई है।

(2) पूँजी के प्रवाह में वृद्धि–वैश्वीकरण के कारण सम्पूर्ण विश्व में पूंजी के प्रवाह में वृद्धि हुई है क्योंकि अब धनी देश के निवेशकर्ता अपने धन को अपने देश के स्थान पर अन्य देशों में भी निवेश कर सकते हैं।

(3) विचार प्रवाह में वृद्धि–वैश्वीकरण के कारण विचार-प्रवाह विश्व में अबाध हो गया है। इण्टरनेट इसका एक स्पष्ट उदाहरण है।

(4) व्यक्तियों के आवागमन में वृद्धि–वैश्वीकरण के कारण अब एक देश के लोग दूसरे देशों में रोजगार, शिक्षा तथा व्यापार हेतु आ-जा रहे हैं। यद्यपि लोगों का आवागमन वस्तुओं व पूँजी के प्रवाह की तुलना में कम है।

(5) पारस्परिक जुड़ाव का बढ़ना–आर्थिक वैश्वीकरण के कारण लोगों में पारस्परिक जुड़ाव बढ़ रहा है। पारस्परिक निर्भरता अब तीव्र हो गई है।

(6) आर्थिक समृद्धि का बढ़ना–वैश्वीकरण के कारण लोगों को आर्थिक समृद्धि व खुशहाली बढ़ी है।

वैश्वीकरण के नकारात्मक आर्थिक प्रभाव–

(1) सरकारों द्वारा सामाजिक न्याय की उपेक्षा–आर्थिक वैश्वीकरण के कारण सरकारें अपनी सामाजिक न्याय की जिम्मेदारियों से अपना हाथ खींच रही हैं। इससे कमजोर वर्ग की स्थिति बदहाल हो रही है।

(2) गरीब देशों के लिए अहितकर–वैश्वीकरण के चलते गरीब देश आर्थिक रूप से बर्बाद हो रहे हैं।

Youtube channel RK study point 99

(3) पुनः उपनिवेशीकरण का भय–विश्व के कुछ अर्थशास्त्रियों ने चिंता जाहिर की है कि आर्थिक वैश्वीकरण धीरे-धीरे विश्व को पुनः उपनिवेशीकरण की ओर ले जा रहा है।

अथवा का उत्तर

वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभाव निम्नलिखित हैं—

I. वैश्वीकरण के नकारात्मक सांस्कृतिक प्रभाव–वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभावों को देखते हुए इस भय को बल मिला है कि यह प्रक्रिया विश्व की संस्कृतियों को खतरा पहुँचायेगी; क्योंकि (i) वैश्वीकरण सांस्कृतिक समरूपता लाता है जिसमें विश्व संस्कृति के नाम पर पश्चिमी संस्कृति लादी जा रही है। (ii) वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियाँ अब अपने को प्रभुत्वशाली अमेरिकी ढर्रे पर ढालने लगी हैं। (iii) इससे पूरे विश्व में विभिन्न संस्कृतियों की समृद्ध धरोहर धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। यह स्थिति समूची मानवता के लिए खतरनाक है।

II. वैश्वीकरण के सकारात्मक सांस्कृतिक प्रभाव–वैश्वीकरण के कुछ सकारात्मक सांस्कृतिक प्रभाव भी पड़े हैं। जैसे—

(1) पसंद-नापसंद का दायरा बढ़ना–बाहरी संस्कृति के प्रभावों से हमारी पसंद-नापसंद का दायरा बढ़ता है; जैसे—बर्गर के साथ-साथ मसाला-डोसा भी अब हमारे खाने में शामिल हो गया है।

(2) संस्कृति का परिष्कार होना–इसके प्रभावस्वरूप परम्परागत सांस्कृतिक मूल्यों को छोड़े बिना संस्कृति का परिष्कार भी होता है, जैसे—नीली जीन्स के साथ खादी का कुर्ता पहनना। हम अनेक अमरीकी लोगों को नीली जींस के ऊपर खादी का कुर्ता पहने देख सकते हैं। यह संस्कृति का परिष्कार ही है।

(3) सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण–वैश्वीकरण से हर संस्कृति कहीं ज्यादा अलग और विशिष्ट होती जा रही है। इस प्रक्रिया को सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण कहते हैं।

जबकि वैश्वीकरण का कोई एक कारण नहीं है अपितु प्रौद्योगिकी इसका एक अपरिहार्य वजह है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हाल के वर्षों में टेलीग्राफ, टेलीफोन और माइक्रोचिप के आविष्कार ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों के बीच संचार में क्रांति लाई है। जब शुरू में मुद्रण हुआ तो यह राष्ट्रवाद के निर्माण का आधार बना। इसलिए आज हमें यह भी उम्मीद करनी चाहिए कि प्रौद्योगिकी हमारे व्यक्तिगत ही नहीं बल्कि हमारे सामाजिक जीवन के बारे में सोचती है।

दुनिया के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में अधिक आसानीपूर्वक आने-जाने के लिए विचारों, पूँजी, वस्तुओं और लोगों की क्षमता को तकनीकी विकास द्वारा बड़े पैमाने पर संभव बनाया गया है। इन प्रवाहों की गति भिन्न हो सकती है।

22.

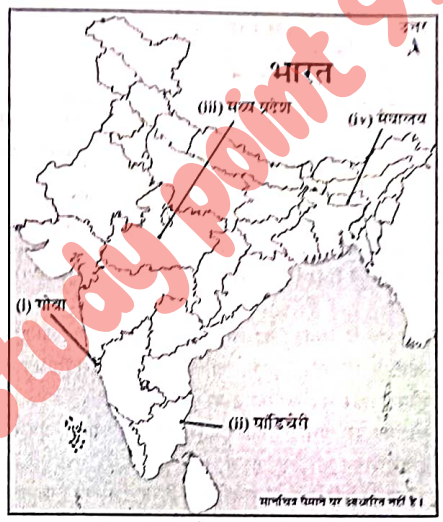

अथवा का उत्तर

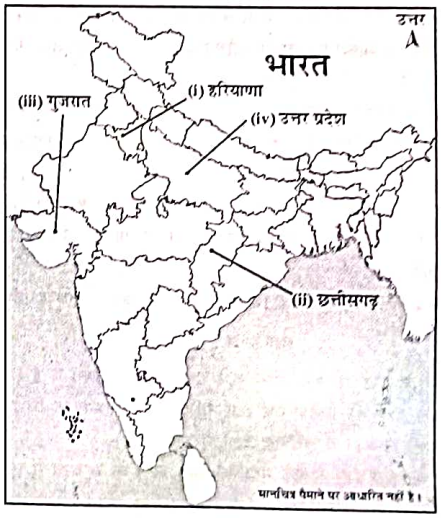

Youtube channel AK study point 99

मॉडल पेपर-6

खण्ड-अ

1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(ब)	(अ)	(स)	(अ)	(ब)	(स)	(अ)	(द)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	
(ब)	(अ)	(द)	(द)	(अ)	(स)	(अ)	

2. (i) ढाका (ii) परंपरागत (iii) 1975 (iv) दक्षिणपंथ (v) गठबंधन (vi) रियासत (vii) केन्द्रीय

3. (i) सोवियत संघ के विघटन का अंतिम और सर्वाधिक तात्कालिक कारण रहा–बाल्टिक गणराज्यों, यूक्रेन, जार्जिया और रूस जैसे विभिन्न गणराज्यों में राष्ट्रीयता और संप्रभुता का उभार।

(ii) 'साफ्टा' का पूरा नाम है–'दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार-क्षेत्र समझौता' (साउथ एशियन फ्री ट्रेड एरिया)।

(iii) आतंकवाद से अभिप्राय है–राजनीतिक हिंसा, जिसका निशाना नागरिक होते हैं ताकि समाज में दहशत पैदा की जा सके।

(iv) जब कोई देश अपनी सीमा से बाहर के क्षेत्र के लोगों के आर्थिक तथा राजनीतिक जीवन पर अपना आधिपत्य स्थापित कर ले, उसे साम्राज्यवाद कहते हैं।

(v) भारत ने क्योटो प्रोटोकॉल पर अगस्त, 2002 में हस्ताक्षर किए।

(vi) तिब्बत के धार्मिक गुरु दलाई लामा ने सीमा पार कर भारत में प्रवेश किया और 1959 में भारत में शरण ली।

(vii) दूसरी पंचवर्षीय योजना में भारी उद्योगों के विकास पर जोर दिया गया।

(viii) 1971 में कांग्रेस (आर) का नेतृत्व श्रीमती गांधी ने किया।

(ix) नागालैंड।

(x) राजीव गाँधी की हत्या के जिम्मेदार लिट्टे से जुड़े श्रीलंकाई तमिल थे।

खण्ड-ब

4. यूरोपीय संघ के देशों के मध्य पाये जाने वाले प्रमुख मतभेद ये हैं—

(1) यूरोपीय देशों की विदेश एवं रक्षा नीति में परस्पर मतभेद विद्यमान हैं।

(2) इराक के सम्बन्ध में यूरोपीय देशों में मतभेद हैं।

(3) यूरोप के कुछ देशों में यूरो मुद्रा को लागू करने के सम्बन्ध में मतभेद हैं।

5. स्वतंत्रता के बाद बांग्लादेश ने अपना संविधान बनाकर अपने आपको एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक तथा समाजवादी देश घोषित किया। लेकिन, 1975 में शेख मुजीबुर्रहमान ने संविधान में संशोधन कराया और संसदीय प्रणाली की जगह अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली को मान्यता दी गई। शेख मुजीब ने अपनी पार्टी अवामी लीग को छोड़कर अन्य पार्टियों को समाप्त कर दिया। इससे तनाव और संघर्ष की स्थिति पैदा हुई। अगस्त, 1975 में सेना ने शेख मुजीब के शासन के खिलाफ बगावत कर दी।

6. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता को निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत स्पष्ट किया गया है—

(1) बातचीत के माध्यम से दो या अधिक देशों के मध्य के झगड़ों और विभेदों को बिना युद्ध के हल करने की दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

(2) अन्तर्राष्ट्रीय संगठन ऐसी चुनौतीपूर्ण समस्याओं को निपटने के लिए आवश्यक है, जिनसे निपटने के लिए विभिन्न देशों को मिलकर सहयोग करना आवश्यक होता है।

7. भारत की सुरक्षा नीति के दो घटक ये हैं—

(1) सैन्य क्षमता को मजबूत करना–अपने चारों तरफ परमाणु हथियारों से लैस देशों को देखते हुए भारत ने 1974 तथा 1998 में परमाणु परीक्षण कर अपनी सैन्य क्षमता का विकास किया है।

(2) अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना–भारत ने अपने सुरक्षा हितों को बचाने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय कायदों एवं संस्थाओं को मजबूत करने की नीति अपनायी है।

8. पर्यावरण को लेकर उत्तरी और दक्षिणी गोलार्द्ध के देशों के रवैये में अंतर है क्योंकि ये देश चाहते हैं कि पर्यावरण के संरक्षण में हर देश की जिम्मेदारी बराबर हो। दक्षिण के विकासशील देशों का तर्क है कि विश्व में पारिस्थितिकी को नुकसान अधिकांशतया विकसित देशों के औद्योगिक विकास से पहुँचा है। अतः उनकी जिम्मेदारी अधिक हो।

9. **वामपंथी विचारधारा**–प्रायः वामपंथी विचारधारा में उन लोगों व राजनीतिक दलों को सम्मिलित किया जाता है जो साम्यवादी या समाजवादी, मार्क्सवादी, लेनिनवादी, विचारधारा के पक्षधर एवं उस पर चलने के लिए कार्यक्रम एवं नीतियाँ बनाते हैं।

10. (क) भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री — (iii) पं. जवाहरलाल नेहरू

(ख) भारत के प्रथम राष्ट्रपति — (iv) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(ग) भारत के प्रथम गृहमन्त्री — (ii) सरदार वल्लभभाई पटेल

(घ) तिब्बती धर्मगुरु — (i) दलाई लामा

YouTube channel RK study point 99

11. 1960 के दशक को खतरनाक दशक इसलिए कहा जाता है क्योंकि भारत में गरीबी, गैर-बराबरी, साम्प्रदायिक और क्षेत्रीय विभाजन आदि के सवाल अभी अनसुलझे थे। सम्भव था कि इन सारी कठिनाइयों के कारण लोकतन्त्र की परियोजना असफल हो जाती या खुद देश ही बिखर जाता।

12. 1974 में जॉर्ज फर्नान्डिस के नेतृत्व में रेलवे कर्मचारियों की बोनस और सेवा से जुड़ी शर्तों के सम्बन्ध में अपनी माँगों को लेकर एक राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया। सरकार इन माँगों के खिलाफ थी। ऐसे में भारत के इस सबसे बड़े सार्वजनिक उद्यम के कर्मचारी 1974 के मई महीने में हड़ताल पर चले गए।

13. द्रविड़ आन्दोलन भारत के क्षेत्रीय आन्दोलनों में से एक शक्तिशाली आन्दोलन था। इस आन्दोलन की प्रमुख माँग एक स्वतन्त्र द्रविड़ राज्य बनाने की थी। इसके अतिरिक्त इस आन्दोलन में ब्राह्मणों के वर्चस्व का विरोध किया गया तथा इसने उत्तर भारत के प्रभुत्व को नकारते हुए क्षेत्रीय गौरव की प्रतिष्ठा पर जोर दिया।

14. (1) 1989 के बाद राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का आधिपत्य समाप्त हो गया और कांग्रेस के विरुद्ध अनेक राजनीतिक दल आये जिससे गठबन्धनवादी सरकारों का दौर शुरू हुआ।

(2) क्षेत्रीय दलों की बढ़ती संख्या के कारण भी एक राष्ट्रीय दल को लोकसभा या विधानसभा में बहुमत मिलना कठिन हो गया, जिससे गठबन्धन की राजनीति शुरू हुई।

15. स्पष्ट जनादेश तथा खण्डित जनादेश में अंतर—स्पष्ट जनादेश का अभिप्राय है—किसी एक राजनैतिक दल को लोकसभा के चुनावों में स्पष्ट बहुमत मिलना और खण्डित जनादेश का अभिप्राय है—लोकसभा के चुनावों में किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत न मिलना।

खण्ड-स

16. दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों ने निम्नलिखित कारणों से आसियान के निर्माण की पहल की—

(1) दूसरे विश्व युद्ध से पहले और उसके दौरान, दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्र यूरोपीय और जापानी उपनिवेशवाद के शिकार हुए तथा भारी राजनैतिक और आर्थिक कीमत चुकाई।

(2) युद्ध के बाद इन्हें राष्ट्र निर्माण, आर्थिक पिछड़ेपन और गरीबी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

(3) शीत युद्ध काल में इन्हें किसी एक महाशक्ति के साथ जाने के दबावों को भी झेलना पड़ा था।

(4) परस्पर टकरावों की स्थिति में ये देश अपने आपको सँभालने की स्थिति में नहीं थे।

(5) गुट-निरपेक्ष आंदोलन तीसरी दुनिया के देशों में सहयोग और मेलजोल कराने में सफल नहीं हो रहे थे।

अथवा का उत्तर

आसियान संघ की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(1) आसियान संघ का लक्ष्य यूरोपीय संघ की तरह स्वयं को अधिराष्ट्रीय संगठन बनाने या अन्य व्यवस्थाओं को अपने हाथ में लेना नहीं था।

(2) आसियान संगठन ने अपना उद्देश्य व्यापक बनाते हुए आर्थिक तथा सामाजिक दायरे के अलावा सुरक्षा तथा संस्कृति जैसे मुद्दों पर भी अपना ध्यान केन्द्रित किया है।

(3) आसियान सुरक्षा संगठन क्षेत्रीय विवादों को सैनिक टकराव तक न ले जाने को प्रतिबद्ध है।

(4) आसियान संगठन बुनियादी रूप से एक आर्थिक संगठन था और वह ऐसा ही बना रहा। आसियान ने निवेश, श्रम और सेवाओं के मामले में मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने पर भी जोर दिया है।

(5) यह तेजी से बढ़ता हुआ महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय तथा एशिया का एकमात्र संगठन है जो एशियाई देशों और विश्व शक्तियों को राजनैतिक और सुरक्षा मामलों पर चर्चा के लिए राजनैतिक मंच प्रदान करता है।

17. 1997 के बाद के सालों में सुरक्षा परिषद् की स्थायी और अस्थायी सदस्यता हेतु नये मानदंड सुझाए गए। इन सुझावों के अनुसार नए सदस्य को—

(1) बड़ी आर्थिक ताकत होना चाहिए।

(2) बड़ी सैन्य ताकत होना चाहिए।

(3) संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में ऐसे देशों का योगदान ज्यादा होना चाहिए।

(4) आबादी के लिहाज से वह राष्ट्र बड़ा होना चाहिए।

(5) वह देश लोकतंत्र और मानवाधिकार का सम्मान करता हो।

(6) वह देश ऐसा हो जो अपने भूगोल, अर्थव्यवस्था और संस्कृति के लिहाज से विश्व की विविधता में नुमाइंदगी करता हो।

(7) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों को निषेधाधिकार शक्ति को समाप्त किये जाने सम्बन्धी मुद्दा भी उठाया गया, लेकिन इस पर कोई सर्वसम्मत राय नहीं बन पायी है।

YouTube channel PK study point 99

अथवा का उत्तर

संयुक्त राष्ट्र संघ की सफलताएँ

एक विश्व संस्था के रूप में संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रमुख सफलताएँ निम्नलिखित हैं—

(1) संयुक्त राष्ट्र संघ ने अनेक अन्तर्राष्ट्रीय विवादों, मतभेदों व तनावों को अनेक बार युद्ध में परिणत होने से बचाया है।

(2) संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सब प्रकार के आतंकवाद के विरुद्ध एक प्रस्ताव पारित कर विश्व-समुदाय से आतंकवाद की चुनौती का मिलकर सामना करने का आग्रह किया है।

(3) संयुक्त राष्ट्र संघ ने साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद को समाप्त करने में बहुत सहायता दी है।

(4) आर्थिक व सामाजिक असन्तोष, भूख, दरिद्रता, निरक्षरता आदि को दूर करने में संयुक्त राष्ट्र संघ ने निरन्तर प्रयत्न किये हैं।

(5) संयुक्त राष्ट्र संघ निरन्तर अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग, सद्भावना और सहअस्तित्व की भावना का विकास कर रहा है।

(6) मानवाधिकार आयोग के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र संघ विश्व में मानवाधिकारों के संरक्षक की भूमिका निभा रहा है।

18. कांग्रेस भारत का सबसे पुराना राजनीतिक दल रहा है। भारतीय राजनीति के केन्द्र में यह दो दृष्टिकोणों से प्रमुख है—**प्रथम,** अनेक दल तथा गुट कांग्रेस के केन्द्र से विकसित हुए हैं और इसके इर्द-गिर्द अपनी नीतियों तथा अपनी गुटीय रणनीतियों को विकसित किया तथा **द्वितीय,** भारतीय राजनीति के वैचारिक वर्णक्रम के केन्द्र का अभियोग करते हुए यह एक ऐसे केन्द्रीय दल के रूप में स्थित रहा है, जिसके दोनों ओर अन्य दल तथा गुट नजर आते रहे हैं। भारत में स्वतंत्रता के बाद से केवल एक केन्द्रीय दल उपस्थित रहा है और वह है कांग्रेस पार्टी।

लेकिन वर्तमान समय में दलीय व्यवस्था के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन आया है जिसमें बहुदलीय व्यवस्था और क्षेत्रीय दलों के विकास ने एकदलीय प्रभुत्व की स्थिति को कमजोर बना दिया है।

अथवा का उत्तर

स्वतंत्रता से पूर्व भारत के राजनीतिक दल इस प्रकार थे–

(1) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस–स्वतन्त्रता से पूर्व भारत में राजनीतिक दलों का जन्म विदेशी साम्राज्य के विरुद्ध राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन को चलाने के लिए हुआ था। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना सन् 1885 में हुई थी। वास्तव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उस समय न केवल एक राजनीतिक दल था, बल्कि एक ऐसा मंच था जिसमें हर विचारधारा के लोग शामिल थे, जिनका उद्देश्य छोटे-छोटे सुधार करना था।

(2) मुस्लिम लीग–1906 में मुस्लिम हितों की रक्षा के लिए अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना की गई।

(3) भारतीय साम्यवादी दल–1924 में साम्यवादी दल की स्थापना एम.एन. रॉय ने की।

(4) भारतीय समाजवादी पार्टी–1934 में आचार्य नरेन्द्र देव, जयप्रकाश नारायण एवं राममनोहर लोहिया ने भारतीय समाजवादी पार्टी की स्थापना की।

19. **जनता पार्टी की सरकार**–जनता पार्टी की सरकार के सम्बन्ध में निम्नलिखित विचार प्रकट किये जा सकते हैं—

(i) 1977 के चुनावों के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार में कोई तालमेल नहीं था। पहले प्रधानमंत्री के पद को लेकर मोरारजी देसाई, चरणसिंह और जगजीवन राम में खींचतान हुई। अंततः मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने।

(ii) जनता पार्टी अनेक राजनैतिक दलों का संगठन था। इन दलों में निरन्तर खींचा-तानी बनी रही और यह दल कुछ ही महीनों तक अपनी एकता बनाए रख सका।

(iii) इस पार्टी की सरकार के पास एक निश्चित दिशा या दीर्घकालीन कल्याणकारी बहुजनप्रिय कार्यक्रम या सर्वमान्य नेतृत्व या न्यूनतम साध्य कार्यक्रम नहीं था।

(iv) 18 मास के पश्चात् मोरारजी देसाई को त्यागपत्र देना पड़ा।

अथवा का उत्तर

आपातकाल की पृष्ठभूमि के कारण–(i) 1967 के चुनावों के बाद कुछ प्रान्तों में विरोधी दलों या संयुक्त विरोधी दलों की सरकार बनी। (ii) कांग्रेस के विपक्ष में जो दल थे उन्हें लग रहा था कि सरकारी प्राधिकार को निजी प्राधिकार मान कर इस्तेमाल किया जा रहा है और राजनीति हद से ज्यादा व्यक्तिगत होती जा रही है। (iii) कांग्रेस टूट से इंदिरा गाँधी और उनके विरोधियों के बीच मतभेद गहरे हो गये थे। (iv) इस अवधि में न्यायपालिका और सरकार के आपसी रिश्तों में भी तनाव आए। सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार की कई पहलकदमियों को संविधान के विरुद्ध माना। 1975 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीमती इन्दिरा गाँधी के चुनाव को अवैध करार दिया था। (v) जयप्रकाश नारायण समग्र क्रान्ति की बात कर रहे थे। ऐसी सभी घटनाओं ने आपातकाल के लिए पृष्ठभूमि तैयार की।

खण्ड-द

20. **भारत और सोवियत संघ सम्बन्ध**

शीत युद्ध के दौरान भारत और सोवियत संघ के सम्बन्ध बहुआयामी थे। यथा—

(1) आर्थिक सम्बन्ध–अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में सोवियत संघ भारत का सबसे बड़ा साझीदार था। सोवियत संघ ने भारत के सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों

Youtube channel RK study point 99

की ऐसे वक्त में मदद की जब ऐसी मदद पाना मुश्किल था। सोवियत संघ ने भिलाई, बोकारो और विशाखापट्टनम के इस्पात कारखानों तथा भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स जैसे मशीनरी संयंत्रों के लिए आर्थिक और तकनीकी सहायता दी। भारत में जब विदेशी मुद्रा की कमी थी तब सोवियत संघ ने रुपये को माध्यम बनाकर भारत के साथ व्यापार किया।

(2) राजनीतिक सम्बन्ध–सोवियत संघ ने कश्मीर मामले पर संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के दृष्टिकोण को समर्थन दिया। सोवियत संघ ने भारत को सन् 1971 में पाकिस्तान से युद्ध के दौरान सहायता की। भारत ने भी सोवियत संघ की विदेश नीति का अप्रत्यक्ष, लेकिन महत्त्वपूर्ण तरीके से समर्थन किया।

(3) भारत-सोवियत सैन्य सम्बन्ध–शीत युद्ध काल में सैनिक साजो-सामान के आयात व उत्पादन के मामले में भारत सोवियत संघ पर काफी निर्भर रहा। सोवियत संघ ने भारत को सैनिक सामान के सम्बन्ध में पूर्ण मदद की। उसने भारत के साथ ऐसे कई समझौते किये जिससे भारत संयुक्त रूप से सैन्य उपकरण तैयार कर सका।

(4) भारत-सोवियत सांस्कृतिक सम्बन्ध–प्रारम्भ से ही भारत व सोवियत संघ का यह प्रयत्न रहा है कि आर्थिक व सामरिक परिप्रेक्ष्य में सम्बन्धों को सांस्कृतिक आदान-प्रदान का जामा पहनाया जाए। यही कारण है कि हिन्दी फिल्म तथा भारतीय संस्कृति सोवियत संघ में काफी लोकप्रिय रहीं। बड़ी संख्या में भारतीय लेखक और कलाकारों ने सोवियत संघ की यात्रा की।

अथवा का उत्तर

भारत और रूस सम्बन्ध

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद भारत-रूस सम्बन्धों को निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत स्पष्ट किया गया है—

(1) दोनों देशों की जनता की अपेक्षाओं में समानता–भारत-रूस के आपसी सम्बन्ध इन देशों की जनता की अपेक्षाओं से मेल खाते हैं। हम वहाँ हिन्दी फिल्मों के गीत बजते सुन सकते हैं। भारत यहाँ के जनमानस का एक अंग है।

(2) बहुध्रुवीय विश्व पर दोनों देशों का समान दृष्टिकोण–रूस और भारत दोनों का सपना बहुध्रुवीय विश्व का है। बहुध्रुवीय विश्व से इन दोनों का आशय यह है कि अन्तर्राष्ट्रीय फलक पर कई शक्तियाँ विद्यमान हों; सुरक्षा की सामूहिक जिम्मेदारी की व्यवस्था हो; क्षेत्रीयताओं को ज्यादा जगह मिले; अन्तर्राष्ट्रीय संघर्षों का समाधान बातचीत के द्वारा हो; हर देश की स्वतंत्र विदेश नीति हो और संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं द्वारा फैसले किये जाएं तथा इन संस्थाओं को मजबूत, लोकतांत्रिक और शक्ति-सम्पन्न बनाया जाये।

(3) विभिन्न मुद्दों व विषयों में परस्पर सहयोग–(i) कश्मीर समस्या, ऊर्जा-आपूर्ति तथा अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान, पश्चिम एशिया में पहुँच बनाने तथा चीन के साथ सम्बन्धों में संतुलन लाने जैसे मुद्दों पर दोनों देशों के परस्पर सहयोगी सम्बन्ध विकसित हुए हैं।

(ii) भारतीय सेनाओं को अधिकांश सैनिक साजो-सामान रूस से प्राप्त होते हैं तथा भारत रूस के लिए हथियारों का दूसरा सबसे बड़ा खरीददार देश है।

(iii) रूस ने तेल के संकट के समय हमेशा भारत की मदद की है तथा रूस के लिए भारत तेल के आयातक देशों में एक प्रमुख देश है।

(iv) भारत रूस से अपने ऊर्जा आयात को भी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

(v) दोनों देशों के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से अनेक महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं में कार्य करके नवीन अनुसंधान करते रहते हैं।

भारत और पूर्व-साम्यवादी गणराज्यों के साथ सम्बन्ध

भारत कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान गणराज्यों के साथ पारस्परिक सहयोग की परम्परागत नीति का पालन कर रहा है। इन गणराज्यों के साथ सहयोग के अन्तर्गत तेल वाले इलाकों में साझेदारी और निवेश करना भी शामिल है।

21. वैश्वीकरण का अर्थ एवं परिभाषा

वैश्वीकरण विचार, पूँजी, वस्तु और लोगों की वैश्विक आवाजाही से जुड़ी वह परिघटना है, जिसमें इन प्रवाहों का धरातल सम्पूर्ण विश्व है और इन प्रवाहों की गति तीव्र तथा निरन्तरता लिए हुए है जो अन्ततः 'विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव' पैदा कर रही है।

गाय ब्रायंबंटी के शब्दों में, ''वैश्वीकरण की प्रक्रिया केवल विश्व व्यापार की खुली व्यवस्था, संचार के आधुनिकतम तरीकों के विकास, वित्तीय बाजार के अन्तर्राष्ट्रीयकरण, बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के बढ़ते महत्त्व, जनसंख्या के देशान्तरगमन तथा विशेषतः लोगों, वस्तुओं, पूँजी तथा विचारों के गतिशील होने से ही संबंधित नहीं है बल्कि संक्रामक रोगों तथा प्रदूषण का प्रसार भी इसमें शामिल है।''

वैश्वीकरण के कारण–

(1) प्रौद्योगिकी–वैश्वीकरण का प्रमुख कारक प्रौद्योगिकी है। टेलीग्राफ, टेलीफोन और माइक्रोचिप के नवीनतम आविष्कारों के कारण विश्व के विभिन्न भागों के बीच संचार-क्रांति आई।

प्रौद्योगिकी की तरक्की के कारण ही विचार, पूँजी, वस्तु और लोगों को विश्व के विभिन्न भागों में आवाजाही की आसानी हुई।

youtube channel rk study point 99

(2) विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव–विश्व के विभिन्न भागों के लोग अब इस बात को लेकर सजग हैं कि विश्व के एक भाग में घटने वाली घटना का प्रभाव विश्व के दूसरे भाग पर भी पड़ेगा। विश्वव्यापी इस पारस्परिक जुड़ाव वैश्वीकरण का दूसरा प्रमुख कारण है।

(3) आर्थिक प्रवाह में तीव्रता–वैश्वीकरण का एक अन्य प्रमुख कारण है– आर्थिक प्रवाह में तीव्रता का आना। न्यूनतम हस्तक्षेप की राज्य की अवधारणा, पूँजीवादी व्यवस्था के वर्चस्व तथा बहुराष्ट्रीय नियमों की बढ़ती भूमिका ने आर्थिक प्रवाह में तीव्रता लाकर वैश्वीकरण को बढ़ावा दिया है।

(4) साम्यवादी गुट का पतन–साम्यवादी गुट के पतन के बाद ही पूँजीवाद का वर्चस्व स्थापित हुआ, जिसने वैश्वीकरण को गति दी।

अथवा का उत्तर

वैश्वीकरण एक बहुआयामी अवधारणा के रूप में

वैश्वीकरण एक बहुआयामी धारणा है; इसके राजनैतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आयाम हैं। यथा—

(1) वैश्वीकरण का राजनैतिक आयाम–वैश्वीकरण के प्रमुख राजनीतिक आयाम इस प्रकार हैं—

(i) वैश्वीकरण के कारण राज्य अब मुख्य कार्यों, जैसे—कानून-व्यवस्था तथा नागरिक सुरक्षा तक ही अपने को सीमित रखता है। इससे आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में राज्य की शक्तियाँ कम हुई हैं।

(ii) वैश्वीकरण के चलते अब राज्यों के हाथों में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएँ जुटा सकते हैं। इससे राज्य की क्षमता बढ़ी है।

(2) वैश्वीकरण का आर्थिक आयाम–आर्थिक वैश्वीकरण की प्रक्रिया में दुनिया के विभिन्न देशों के बीच आर्थिक प्रवाह तेज हो जाता है। इसके चलते दुनिया में वस्तुओं के व्यापार में वृद्धि हुई है, पूँजी के निवेश की बाधाएँ हटी हैं, विचारों का प्रवाह अबाध हुआ है।

(3) वैश्वीकरण के सांस्कृतिक आयाम–वैश्वीकरण में राजनीतिक और आर्थिक रूप से प्रभुत्वशाली संस्कृति कम ताकतवर समाजों पर अपनी छाप छोड़ती है और संसार वैसा ही दिखता है जैसा ताकतवर संस्कृति इसे बनाना चाहती है। इससे विश्व की सांस्कृतिक धरोहरें खत्म हो रही हैं।

दूसरी तरफ, हमारी पसंद-नापसंद का दायरा बढ़ रहा है, और प्रभुत्वशाली संस्कृति के सांस्कृतिक प्रभावों के अन्तर्गत ही परम्परागत सांस्कृतिक मूल्यों को छोड़े बिना स्थानीय संस्कृति का परिष्कार भी हो रहा है।

22.

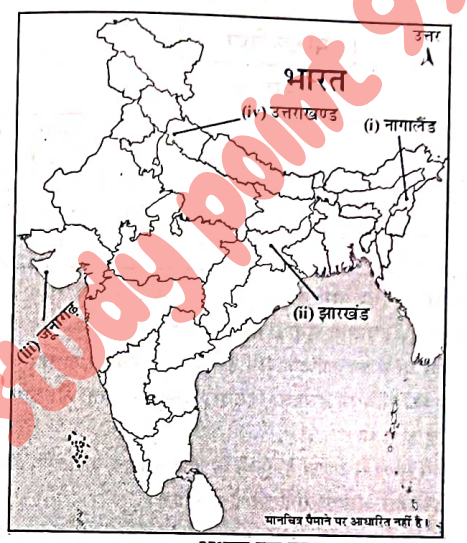

अथवा का उत्तर

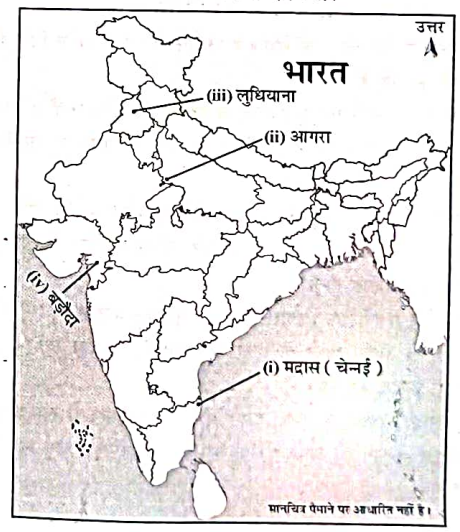

Join the channel RK study point 99

मॉडल पेपर-7

खण्ड-अ

1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(स)	(अ)	(स)	(द)	(ब)	(स)	(अ)	(अ)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	
(स)	(अ)	(ब)	(अ)	(स)	(अ)	(स)	

2. (i) लोकतांत्रिक (ii) परमाणु अप्रसार (iii) औद्योगीकरण (iv) दक्षिणपंथ (v) खतरनाक दशक (vi) पंजाबी सूबा (vii) माओवादी

3. (i) शॉक थेरेपी का शाब्दिक अर्थ है–आघात पहुँचाकर उपचार करना।

(ii) फरक्का संधि पर हस्ताक्षर दिसंबर, 1996 में भारत और बांग्लादेश के बीच हुआ था।

(iii) विश्व सुरक्षा से आशय है–पृथ्वी के बढ़ते तापमान, अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद एड्स जैसे असाध्य रोगों पर रोक लगाना।

(iv) आर्थिक वैश्वीकरण के कारण लोगों की आर्थिक समृद्धि और खुशहाली बढ़ी है।

(v) मूलवासी ऐसे लोगों के वंशज हैं जो किसी देश में बहुत दिनों से रहते चले आ रहे हैं।

(vi) विश्व के किसी गुट में शामिल न होते हुए, राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का संचालन करना ही गुटनिरपेक्षता है।

(vii) उड़ीसा के आदिवासियों को इस बात का डर था कि यदि लोहा इस्पात के उद्योग की स्थापना होती है, तो वे बेरोजगार हो जाएंगे तथा उन्हें विस्थापित होना पड़ेगा।

(viii) यह वह राजनीतिक विचारधारा है जो मुख्यतः कांग्रेस विरोधी और उ सत्ता से अलग करने के लिए समाजवादी नेता राम मनोहर लोहि द्वारा प्रस्तुत की गई।

(ix) दिसम्बर, 1961 में गोवा, दमन और दीव पुर्तगाल से स्वतंत्र हुए।

(x) मंडल आयोग को आधिकारिक रूप से दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग क गया।

YouTube channel PK study point 99

खण्ड-ब

4. निम्न रूप में यूरो अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व के लिए खतरा बन सकता है—

(1) यूरोपीय संघ के सदस्यों की संयुक्त मुद्रा यूरो का प्रचलन दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही चला जा रहा है और यह डॉलर को चुनौती प्रस्तुत करता नजर आ रहा है।

(2) यूरोपीय संघ राजनैतिक, कूटनीतिक तथा सैनिक रूप से भी अधिक प्रभावी है।

(3) यूरोपीय संघ की आर्थिक शक्ति का प्रभाव अपने पड़ोसी देशों के साथ-साथ एशिया और अफ्रीका के राष्ट्रों पर भी है।

5. श्रीलंका ने अच्छी आर्थिक वृद्धि और विकास के उच्च स्तर को हासिल किया है। उसने जनसंख्या की वृद्धि दर पर सफलतापूर्वक नियंत्रण किया है। दक्षिण एशिया के देशों में सबसे पहले श्रीलंका ने ही अपनी अर्थव्यवस्था का उदारीकरण किया। जातीय संघर्ष से गुजरने के बावजूद कई सालों से इस देश का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा है।

6. संयुक्त राष्ट्र संघ को अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए हाल ही में निम्नलिखित कदम उठाये गये हैं—(1) शांति संस्थापक आयोग का गठन किया गया है। (2) यदि कोई राष्ट्र अपने नागरिकों को अत्याचारों से बचाने में असफल हो जाए तो विश्व बिरादरी इसका उत्तरदायित्व ले—इस बात की स्वीकृति। (3) मानवाधिकार परिषद् की स्थापना (4) सहस्राब्दि विकास लक्ष्य को प्राप्त करने पर सहमति (5) हर रूप-रीति के आतंकवाद की निंदा करना (6) एक लोकतंत्र कोष का गठन।

7. एशिया और अफ्रीका के नव स्वतंत्र देशों के सामने खड़ी सुरक्षा की चुनौतियाँ यूरोपीय देशों के मुकाबले निम्न दो मायनों में विशिष्ट थीं—

(i) इन देशों को अपने पड़ोसी देश से सैन्य हमले की आशंका थी जबकि यूरोप के देशों के समक्ष यह चुनौती नहीं थी।

(ii) इन्हें अंदरूनी सैन्य-संघर्ष की भी चिंता करनी पड़ रही थी, जबकि यूरोप के देशों के समक्ष इस प्रकार के अन्दरूनी सैन्य संघर्ष की चुनौती नहीं थी।

8. मूलवासियों के अधिकार निम्नलिखित हैं- (1) विश्व में मूलवासियों को बराबरी का दर्जा प्राप्त हो। (2) मूलवासियों को अपनी स्वतंत्र पहचान रखने वाले समुदाय के रूप में जाना जाये। (3) मूलवासियों के आर्थिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन न किया जाये। (4) देश के विकास से होने वाला लाभ मूलवासियों को भी मिलना चाहिये।

9. अनुच्छेद-51 में वर्णित अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा बढ़ाने वाले दो नीति निदेशक तत्त्व ये हैं—

YouTube channel RK study point 99

(1) अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा में अभिवृद्धि करना।

(2) अन्तर्राष्ट्रीय विवादों को मध्यस्थता द्वारा निपटाने का प्रयास करना।

10. (क) सिंडिकेट (iv) कांग्रेस के भीतर ताकतवर और प्रभावशाली नेताओं का एक समूह।

(ख) दल-बदल (i) कोई निर्वाचित जन-प्रतिनिधि जिस पार्टी के टिकट से जीता हो, उस पार्टी को छोड़कर अगर दूसरे दल में चला जाए।

(ग) नारा (ii) लोगों का ध्यान आकर्षित करने वाला एक मनभावन मुहावरा।

(घ) गैर-कांग्रेसवाद (iii) कांग्रेस और इसकी नीतियों के खिलाफ अलग-अलग विचारधाराओं की पार्टियों का एकजुट होना।

11. **दक्षिणपंथी विचारधारा**—इस विचारधारा में उन लोगों या दलों को सम्मिलित किया जाता है जो यह मानते हैं कि खुली प्रतिस्पर्धा और बाजारमूलक अर्थव्यवस्था के द्वारा ही प्रगति हो सकती है अर्थात् सरकार को अर्थव्यवस्था में गैरजरूरी हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

12. **बिहार आन्दोलन**—बिहार आन्दोलन सन् 1974 में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चलाया गया। जयप्रकाश नारायण ने इसे पूर्ण या व्यापक क्रान्ति भी कहा है। जयप्रकाश ने 1975 में बिहार के लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा था कि बिहार आन्दोलन का उद्देश्य समाज एवं व्यक्ति के सभी पक्षों में एक क्रान्तिकारी परिवर्तन लाना है।

13. 1959 में मिजो पर्वतीय क्षेत्र में भारी अकाल पड़ा। असम की तत्कालीन सरकार इस अकाल का समुचित प्रबन्ध करने में असफल रही। इसके फलस्वरूप अलगाववादी आन्दोलन को जनसमर्थन मिलना शुरू हो गया तथा अपने असन्तोष को व्यक्त करने के लिए मिजो लोगों ने लाल डेंगा के नेतृत्व में मिजो नेशनल फ्रंट बनाया।

14. **संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन (संप्रग)**—संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन का निर्माण मई, 2004 में कांग्रेस एवं उसके सहयोगी दलों ने किया। इस दल की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी को बनाया गया तथा कांग्रेस के नेता डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय लिया गया जिन्होंने 2004 और 2009 में अपनी सरकार बनाई।

15. भारत की नई आर्थिक नीति को 1991 में संरचना समायोजन कार्यक्रम के रूप में शुरू किया गया था और इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव द्वारा शुरू किया गया था। भारत की नई आर्थिक नीति का शुभारंभ तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने किया था।

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-स

16. वैश्विक स्तर पर चीन का आर्थिक प्रभाव निम्नलिखित है—

(1) चीन की अर्थव्यवस्था का बाहरी दुनिया से जुड़ाव और पारस्परिक निर्भरता ने अब यह स्थिति बना दी है कि अपने व्यावसायिक साझीदारों पर चीन का जबरदस्त प्रभाव बन चुका है और यही कारण है कि जापान, आसियान, अमरीका और रूस—सभी व्यापार के लिए चीन से अपने विवादों को भुला चुके हैं।

(2) 1997 के वित्तीय संकट के बाद आसियान देशों की अर्थव्यवस्था को टिकाए रखने में चीन के आर्थिक उभार ने काफी मदद की है।

(3) लातिनी अमरीका और अफ्रीका में निवेश और मदद की इसकी नीतियाँ बताती हैं कि विकासशील देशों के मामले में चीन एक नई विश्व शक्ति के रूप में उभरता जा रहा है।

अथवा का उत्तर

नयी आर्थिक नीतियों के कारण चीन की अर्थव्यवस्था को अपनी जड़ता से उबरने में मदद मिली। यथा—

(1) कृषि के निजीकरण के कारण कृषि-उत्पादों तथा ग्रामीणों की आय में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुई। इससे ग्रामीण उद्योगों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ी।

(2) उद्योग और कृषि दोनों ही क्षेत्रों में चीन की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तेज रही।

(3) व्यापार के नये कानून तथा विशेष आर्थिक क्षेत्रों के निर्माण से विदेश व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

(4) चीन अब पूरे विश्व में विदेशी निवेशी के लिए सबसे आकर्षक देश बनकर उभरा है। उसके पास विदेशी मुद्रा का विशाल भंडार हो गया है और इसके दम पर वह दूसरे देशों में निवेश कर रहा है।

17. संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव के पद पर बैठने वाले दो एशियाई व्यक्ति हैं—

(1) यू थांट—आप 1961 से 1971 तक संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव के पद पर बने रहे। ये वर्मा (म्यांमार) से थे। पेशे से ये शिक्षक और राजनयिक थे। अपने महासचिव के कार्यकाल के दौरान इन्होंने क्यूबा के मिसाइल-संकट के समाधान और कांगो के संकट की समाप्ति के लिए प्रयास किए। साइप्रस में संयुक्त राष्ट्र संघ की सेना बहाल की।

(2) बान की मून—आप कोरिया गणराज्य से थे और 2007 से 2016 तक संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव रहे। ये संयुक्त राष्ट्र संघ के आठवें महासचिव थे। महासचिव के पद पर बैठने वाले ये दूसरे एशियाई हैं। अपने कार्यकाल के दौरान इन्होंने जलवायु परिवर्तन पर विश्व का ध्यान खींचा। इनका ध्यान सहस्राब्दि विकास लक्ष्य और सतत विकास लक्ष्य की तरफ रहा। इन्होंने यूएन वीमेन के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। युद्ध वियोजन और परमाणु निरस्त्रीकरण पर जोर दिया।

YouTube channel KK study point 99

अथवा का उत्तर

(i) महासभा—महासभा संयुक्त राष्ट्र का मुख्य विचार-विनिमय निकाय है। इसमें सभी 193 सदस्य देशों के प्रतिनिधि होते हैं। सभी को एक समान मत प्राप्त है। आम सभा के प्रमुख निर्णयों के लिए दो-तिहाई और बाकी के लिए सामान्य बहुमत की जरूरत होती है। निर्णय सभी सदस्यों पर बाध्यकारी नहीं है। प्रतिवर्ष इसका एक अधिवेशन होता है। नए सदस्यों को सदस्यता देना, सुरक्षा परिषद् के अस्थायी सदस्यों का चयन, संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव की नियुक्ति तथा बजट पारित करना इसके प्रमुख कार्य हैं।

(ii) सुरक्षा परिषद्—सुरक्षा परिषद् में कुल 15 सदस्य होते हैं। इसमें 5 स्थायी तथा 10 अस्थायी होते हैं। 5 स्थायी सदस्य देश हैं—अमरीका, चीन, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस। पाँचों स्थायी सदस्यों को 'वीटो' की शक्ति दी गई है।

सुरक्षा परिषद् का मुख्य कार्य विश्व में शांति की स्थापना करना तथा उसे बनाए रखना है।

18. पहले तीन आम चुनावों में कांग्रेस के प्रभुत्व का वर्णन निम्न कथनों द्वारा किया जा सकता है—

(1) 1952 के चुनाव में कांग्रेस 489 सीटों में से 364 सीटों पर विजयी रही।

(2) 16 सीटों के साथ कम्युनिस्ट पार्टी दूसरे स्थान पर रही।

(3) लोकसभा के चुनाव के साथ-साथ विधानसभा के चुनावों में भी कांग्रेस पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की।

(4) त्रावणकोर-कोचीन, मद्रास और उड़ीसा को छोड़कर सभी राज्यों में कांग्रेस ने अधिकतर सीटों पर जीत दर्ज की। आखिरकार इन तीनों राज्यों में भी काँग्रेस की ही सरकार बनी। इस तरह राष्ट्रीय और प्रांतीय स्तर पर पूरे देश में काँग्रेस पार्टी का शासन कायम हुआ।

(5) 1957 और 1962 में क्रमशः दूसरा और तीसरा चुनाव हुआ। इस चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा में अपनी पुरानी स्थिति कायम रखी, उसका दशांश भी कोई विपक्षी पार्टी नहीं जीत सकी।

अथवा का उत्तर

1950 के दशक में विपक्षी दलों को लोकसभा अथवा विधानसभा में मात्र कहने भर को प्रतिनिधित्व मिल पाया फिर भी इन दलों ने भारतीय शासनव्यवस्था के लोकतांत्रिक चरित्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कथन की पुष्टि निम्न तथ्यों से की जा सकती है—

(1) इन दलों ने काँग्रेस पार्टी की नीतियों और व्यवहारों की सुचिन्तित आलोचना की। इन आलोचनाओं में सिद्धांतों का बल होता था।

YouTube channel PK study point 99

(2) विपक्षी दलों ने शासक-दल पर अंकुश रखा और इन दलों के कारण काँग्रेस पार्टी के भीतर शक्ति-संतुलन बदला।

(3) इन दलों ने लोकतांत्रिक राजनीतिक विकल्प की संभावना को जीवंत रखा। ऐसा करके इन दलों ने व्यवस्थाजन्य रोष को लोकतंत्र-विरोधी बनने से रोका।

19. भारत में वचनबद्ध न्यायपालिका के उदाहरण—भारत में वचनबद्ध न्यायपालिका के प्रमुख उदाहरण निम्नलिखित हैं—

(1) न्यायाधीशों की नियुक्ति में वरिष्ठता की अनदेखी—1973 में श्रीमती गाँधी ने वचनबद्ध न्यायपालिका के लिए न्यायाधीशों की नियुक्ति में तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों की वरिष्ठता की अनदेखी करके श्री ए.एन. रे को सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया।

(2) आपातकाल—आपातकाल के दौरान न्यायपालिका स्वतन्त्र होकर नागरिक अधिकारों की रक्षा में सक्रिय भूमिका नहीं निभा पाई।

(3) न्यायाधीशों का स्थानान्तरण—श्रीमती गाँधी ने प्रतिबद्ध न्यायपालिका के लिए न्यायाधीशों के स्थानान्तरण का सहारा लिया।

अथवा का उत्तर

(अ) गुजरात आंदोलन—गुजरात में नव निर्माण आंदोलन के प्रभावस्वरूप गुजरात के मुख्यमंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा। आपातकाल की घोषणा का यह भी एक कारण बना।

(ब) सरकार व न्यायपालिका में संघर्ष—1973-74 की अवधि में न्यायपालिका और सरकार के सम्बन्धों में भी तनाव आए। सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार की नई पहलकदमियों को संविधान के विरुद्ध माना। सरकार का मानना था कि अदालत का यह रवैया लोकतंत्र के सिद्धान्तों और संसद की सर्वोच्चता के विरुद्ध है। यह सरकार के गरीबों को लाभ पहुँचाने वाले कल्याण कार्यक्रमों को लागू करने की राह में रोड़ा अटका रही है। इसके साथ ही इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीमती गाँधी के निर्वाचन को अवैध घोषित कर दिया तथा श्रीमती गाँधी को छः वर्ष तक संसद की सदस्यता न ग्रहण करने की सजा दी गई। सरकार और न्यायपालिका के इस संघर्ष ने आपातकाल की घोषणा की पूर्ण पृष्ठभूमि तैयार कर दी।

खण्ड-द

20. 'शॉक थेरेपी' के परिणाम

1990 में अपनायी गयी 'शॉक थेरेपी' के अग्रलिखित प्रमुख परिणाम निकले—

(1) अर्थव्यवस्था का तहस-नहस होना—शॉक थेरेपी से सोवियत संघ के पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था तहस-नहस हो गई। रूस में पूरा का पूरा राज्य-नियंत्रित

YouTube Channel RK study point 99

औद्योगिक ढाँचा चरमरा उठा। लगभग 90 प्रतिशत उद्योगों को निजी हाथों या कम्पनियों को बेचा गया। आर्थिक ढाँचे का पुनर्निर्माण चूँकि सरकार द्वारा निर्देशित औद्योगिक नीति के स्थान पर बाजार की ताकतों द्वारा किया जा रहा था। इसलिए यह कदम सभी उद्योगों को मटियामेट करने वाला साबित हुआ। इसे इतिहास की सबसे बड़ी गराज सेल के नाम से जाना जाता है, क्योंकि महत्त्वपूर्ण उद्योगों को औने-पौने दामों में निजी हाथों में बेच दिया गया।

(2) रूसी मुद्रा (रूबल) में गिरावट—शॉक थेरेपी के कारण 'रूबल' को भारी गिरावट का सामना करना पड़ा। इस गिरावट के कारण मुद्रास्फीति इतनी ज्यादा बढ़ गई कि लोगों ने जो पूँजी जमा कर रखी थी, वह धीरे-धीरे समाप्त हो गई और लोग कंगाल हो गये।

(3) खाद्यान्न सुरक्षा की समाप्ति—'शॉक थेरेपी' के परिणामस्वरूप सामूहिक खेती प्रणाली समाप्त हो चुकी थी। अब लोगों की खाद्यान्न सुरक्षा व्यवस्था भी समाप्त हो गयी। रूस ने खाद्यान्न का आयात करना शुरू किया।

(4) वैकल्पिक व्यापारिक ढाँचे का अभाव—शॉक थेरेपी के कारण पुराना व्यापारिक ढाँचा तहस-नहस हो गया था, लेकिन इसकी जगह कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो पायी थी।

(5) समाज कल्याण की समाजवादी व्यवस्था का खात्मा—शॉक थेरेपी के परिणामस्वरूप रूस तथा अन्य राज्यों में गरीबी का दौर बढ़ता ही चला गया तथा वहाँ अमीरी और गरीबी के बीच विभाजन रेखा बढ़ती चली गई।

(6) लोकतान्त्रिक संस्थाओं के निर्माण को प्राथमिकता नहीं—'शॉक थेरेपी' के अन्तर्गत लोकतान्त्रिक संस्थाओं का निर्माण हड़बड़ी में किया गया। फलस्वरूप संसद अपेक्षाकृत कमजोर संस्था रह गयी।

अथवा का उत्तर

सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस की विश्व राजनीति में भूमिका

सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस की विश्व परिदृश्य में भूमिका का विवेचन निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत किया गया है—

(1) रूस तथा राष्ट्रकुल—सोवियत संघ के सभी गणराज्यों ने संयुक्त राष्ट्र संघ में सोवियत संघ का स्थान रूसी गणराज्य को दिये जाने की सिफारिश की।

(2) रूस तथा विश्व के अन्य राष्ट्रों से सम्बन्ध—सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस के अमरीका व विश्व के अन्य प्रमुख राष्ट्रों के बीच सम्बन्धों को निम्न प्रकार रेखांकित किया जा सकता है—

(i) रूस संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है।

YouTube channel RK study point 99

(ii) रूस ने अब अमरीका व यूरोपीय देशों के साथ घनिष्ठ आर्थिक सम्बन्ध स्थापित किये हैं।

(iii) परस्पर एक-दूसरे के देशों की यात्राओं व समझौतों के द्वारा रूस-चीन की निकटता बढ़ी है।

(iv) रूस और जापान के सम्बन्धों में भी निकटता आयी है।

इस प्रकार विभिन्न प्रमुख देशों से संबंध सुधार कर रूस पुनः विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

(3) विश्व राजनीति में गौण भूमिका—रूस (सोवियत संघ के विघटन के बाद) वर्तमान में एक महाशक्ति नहीं रहा है, यद्यपि उसके पास अणु-परमाणु अस्त्रों-प्रक्षेपास्त्रों का भण्डार है लेकिन आर्थिक दृष्टि से उसकी अर्थव्यवस्था जर्जर है। वर्तमान में दूसरे देशों की भूमि पर उनकी उपस्थिति घट गई है। अब वह घटनाओं को अपनी इच्छानुसार मोड़ नहीं दे सकता। इसी तरह अब वह अपने पुराने मित्रों की सहायता करने में सक्षम नहीं रहा है। सुरक्षा परिषद् में अब वह अमेरिका का विरोध कर सकने की स्थिति में नहीं रह गया है।

21. वैश्वीकरण की अवधारणा—एक अवधारणा के रूप में वैश्वीकरण की बुनियादी बात है—प्रवाह। प्रवाह कई तरह के हो सकते हैं, जैसे—विचार-प्रवाह, पूँजी-प्रवाह, वस्तु-प्रवाह, व्यापार-प्रवाह, आवाजाही का प्रवाह आदि। विश्व के एक हिस्से के विचारों का दूसरे हिस्सों में पहुँचना विचार प्रवाह है। पूँजी का एक से ज्यादा देशों में जाना पूँजी प्रवाह है; वस्तुओं का कई देशों में पहुँचना वस्तु प्रवाह है और उनका व्यापार तथा बेहतर आजीविका की तलाश में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में लोगों की आवाजाही क्रमशः व्यापार प्रवाह तथा लोगों की आवाजाही का प्रवाह है। इन सब प्रवाहों की निरन्तरता से 'विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव' पैदा हुआ है और फिर यह जुड़ाव निरन्तर बना रहता है। इस सबका मिला-जुला रूप ही वैश्वीकरण की अवधारणा है।

वैश्वीकरण विरोधी आंदोलन

वैश्वीकरण की पूरी दुनिया में आलोचना हो रही है। वैश्वीकरण के विरोध में आंदोलन किये जा रहे हैं। वैश्वीकरण विरोधी आन्दोलनों को निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत स्पष्ट किया गया है—

(1) किसी खास कार्यक्रम का विरोध—वैश्वीकरण-विरोधी बहुत से आन्दोलन वैश्वीकरण की धारणा के विरोधी नहीं हैं; बल्कि वे वैश्वीकरण के किसी खास कार्यक्रम के विरोधी हैं जिसे वे साम्राज्यवाद का एक रूप मानते हैं।

YouTube channel RK study point 99

(2) बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन—वैश्वीकरण के प्रति विरोध के प्रदर्शन मुख्यतः आर्थिक रूप से ताकतवर देशों द्वारा व्यापार के अनुचित तौर-तरीकों के अपनाने के विरोध में हुए थे। उनका तर्क था कि उदीयमान वैश्विक आर्थिक-व्यवस्था में विकासशील देशों के हितों को समुचित महत्त्व नहीं दिया गया है।

(3) वर्ल्ड सोशल फोरम (WSF)—नव-उदारवादी वैश्वीकरण के विरोध का एक विश्व-व्यापी मंच 'वर्ल्ड सोशल फोरम' (WSF) है। इस मंच के तहत मानवाधिकार-कार्यकर्ता, पर्यावरणवादी, मजदूर, युवा और महिला कार्यकर्ता एकजुट होकर नव-उदारवादी वैश्वीकरण का विरोध करते हैं।

अथवा का उत्तर

वैश्वीकरण के राजनैतिक प्रभाव

वैश्वीकरण के राजनैतिक प्रभाव का विवेचन निम्नलिखित तीन बिन्दुओं के अन्तर्गत किया गया है—

(1) वैश्वीकरण ने कुछ क्षेत्रों में राज्य की शक्ति को कमजोर किया है—यथा—

(i) वैश्वीकरण के कारण पूरी दुनिया में अब राज्य कुछेक मुख्य कार्यों, जैसे—कानून व्यवस्था को बनाये रखना तथा अपने नागरिकों की सुरक्षा करना आदि तक ही अपने को सीमित रखता है।

(ii) वैश्वीकरण की प्रक्रिया के कारण राज्य की जगह अब बाजार आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं का प्रमुख निर्धारक है।

(iii) **बहुराष्ट्रीय निगमों का बढ़ता प्रभाव**—वैश्वीकरण के चलते पूरे विश्व में बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका बढ़ी है। इससे सरकारों के अपने दम पर फैसला करने की क्षमता में कमी आती है।

(2) कुछ क्षेत्रों में राज्य की शक्ति पर वैश्वीकरण का कोई प्रभाव नहीं—राजनीतिक समुदाय के आधार के रूप में राज्य की प्रधानता को वैश्वीकरण से कोई चुनौती नहीं मिली है। राज्य इस अर्थ में आज भी प्रमुख है। आज भी राज्य कानून व व्यवस्था तथा राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं। वैश्विक राजनीति में राज्य अभी भी महत्त्वपूर्ण बने हुए हैं।

(3) वैश्वीकरण ने राज्य की शक्ति में वृद्धि भी की है—वैश्वीकरण के फलस्वरूप अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएँ जुटा सकता है। इस सूचना के दम पर राज्य ज्यादा कारगर ढंग से काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में वैश्वीकरण के कारण राज्यों की क्षमता बढ़ी है।

YouTube channel RK study point 99

2.

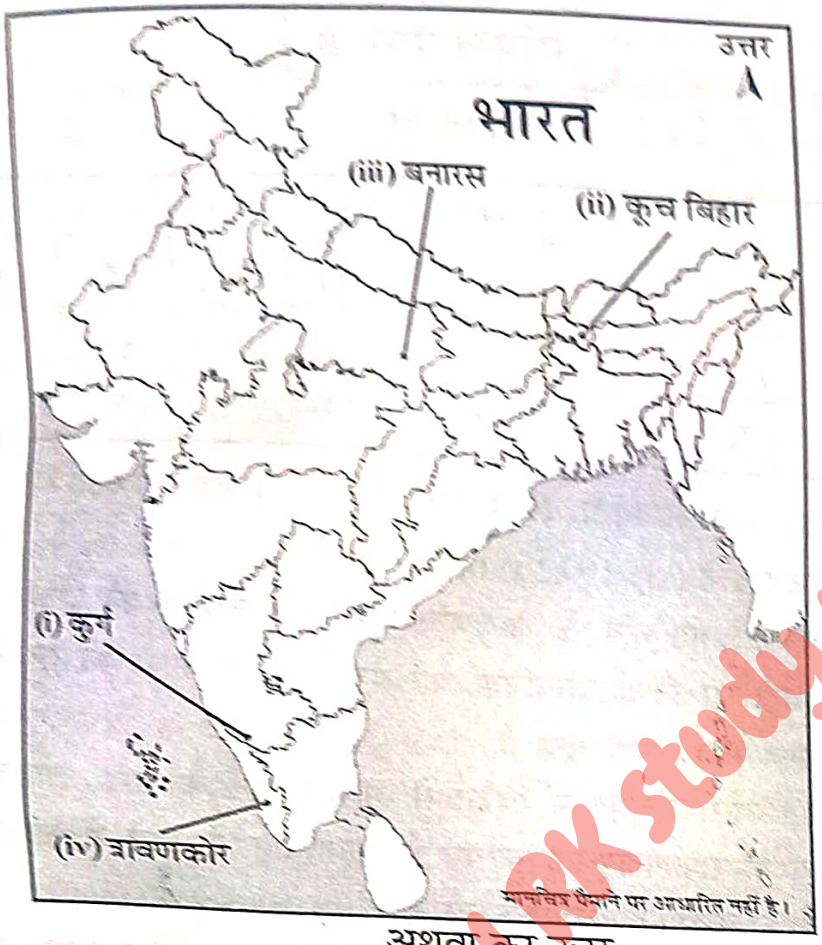

अथवा का उत्तर

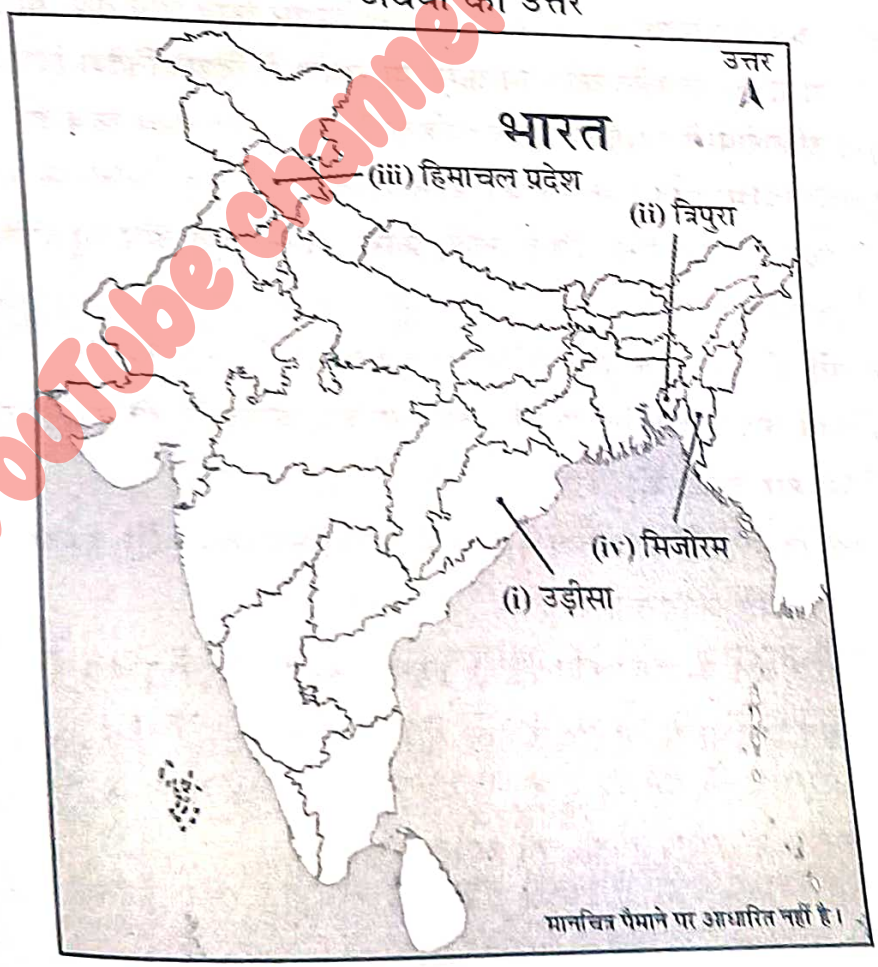

YouTube channel RK study point 99

मॉडल पेपर-8

खण्ड-अ

1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(द)	(द)	(अ)	(अ)	(ब)	(अ)	(द)	(अ)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	
(स)	(स)	(अ)	(ब)	(द)	(द)	(स)	

2. (i) शिमला (ii) मानवता (iii) संसाधनों (iv) नव लोकतांत्रिक पहल (v) पॉपुलर यूनाइटेड फ्रंट (vi) 1972 (vii) अमेरिका

3. (i) पूर्व सोवियत संघ के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों को अनाप-शनाप कीमतों पर निजी कम्पनियों को बेचने को इतिहास की सबसे बड़ी 'गराज सेल' कहा गया है।

(ii) भारत और श्रीलंका में ब्रिटेन से आजाद होने के बाद, लोकतांत्रिक व्यवस्था सफलतापूर्वक कायम है। एक राष्ट्र के रूप में भारत और श्रीलंका हमेशा लोकतांत्रिक रहे हैं।

(iii) 'क्योटो प्रोटोकॉल' में वैश्विक तापवृद्धि पर काबू पाने तथा ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

(iv) दक्षिणीपंथी आलोचकों का कहना है कि इससे राज्य कमजोर हो रहा है; परम्परागत संस्कृति की हानि होगी।

(v) ब्रिटेन, अर्जेण्टीना, चिले, नार्वे, फ्रांस, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड।

(vi) आवामी लीग।

(vii) पी.सी. महालनोबिस।

(viii) जब कई राजनैतिक दल मिलकर सरकार बनाते हैं, तो उसे गठबन्धन सरकार कहते हैं।

(ix) आनंदपुर साहिब प्रस्ताव 1973 में पास किया गया और इसका संबंध राज्यों की स्वायत्तता से है।

(x) क्षेत्रीय दल वे दल कहलाते हैं जिनका संगठन एवं प्रभाव क्षेत्र प्रायः केवल एक राज्य या प्रदेश तक सीमित होता है।

खण्ड-ब

4. आसियान के सदस्य देशों ने 2003 तक कई समझौते किए जिनके द्वारा हर

YouTube channel GK study point 99

सदस्य देश ने शांति, निष्पक्षता, सहयोग, अहस्तक्षेप को बढ़ावा देने और राष्ट्रों के आपसी अंतर तथा संप्रभुता के अधिकारों का सम्मान करने पर अपनी वचनबद्धता जाहिर की। आसियान के देशों की सुरक्षा और विदेश नीतियों में तालमेल बनाने के लिए 1994 में आसियान क्षेत्रीय मंच (ARF) की स्थापना की गई।

5. **साफ्टा (SAFTA)**—'साफ्टा' का पूरा नाम है—दक्षिण एशिया मुक्त-व्यापार क्षेत्र। दक्षेस के सदस्य देशों ने सन् 2002 में 'दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार-क्षेत्र समझौते' पर दस्तखत करने का वायदा किया। इसमें पूरे दक्षिण एशिया के लिए मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने का वायदा है। इस समझौते पर 2004 में हस्ताक्षर हुए और यह समझौता 1 जनवरी, 2006 से प्रभावी हो गया। इस समझौते का लक्ष्य है कि इन देशों के बीच आपसी व्यापार में लगने वाले सीमा शुल्क को कम कर दिया जाये।

6. सुरक्षा परिषद् के स्थायी व अस्थायी सदस्यों के लिए चार आवश्यक मानदण्ड ये होने चाहिए—(1) वह देश क्षेत्र तथा जनसंख्या की दृष्टि से बड़ा देश हो। (2) वह एक लोकतांत्रिक देश हो। (3) वह आर्थिक तथा सैनिक शक्ति के रूप में उभर रहा हो तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में अपना नियमित योगदान देता आ रहा हो। (4) वह संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति बहाल करने के प्रयासों में निरन्तर अपनी प्रभावी भूमिका निभाता आ रहा हो।

7. सन् 1972 में एंटी बैलिस्टिक संधि की गई। इस संधि ने अमरीका और सोवियत संघ को बैलिस्टिक मिसाइलों को रक्षा-कवच के रूप में इस्तेमाल करने से रोका। इस संधि में दोनों देशों को सीमित संख्या में ऐसी रक्षा-प्रणाली तैनात करने की अनुमति थी लेकिन इस संधि ने दोनों देशों को ऐसी रक्षा-प्रणाली के व्यापक उत्पादन से रोक दिया।

8. कुछ अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार देवस्थान से जैव-विविधता और पारिस्थितिकी, संरक्षण में ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक वैविध्य को भी कायम रखने में सहायता मिलती है। देवस्थान की व्यवस्था वन-संरक्षण के विभिन्न तौर-तरीकों में संपन्न है और इसकी विशेषताएँ साझी संपदा के संरक्षण की व्यवस्था से मिलती हैं।

9. विकासशील देश आर्थिक और सुरक्षा की दृष्टि से ज्यादा ताकतवर देशों पर निर्भर होते हैं। इसलिए दूसरे विश्वयुद्ध के तुरंत बाद के दौर में अनेक विकासशील देशों ने ताकतवर देशों की मर्जी को ध्यान में रखकर अपनी विदेश नीति अपनाई क्योंकि इन देशों से इन्हें अनुदान अथवा कर्ज मिल रहा था।

10. (क) ताशकन्द समझौता (i) 1966
(ख) बांग्लादेश का निर्माण (ii) 1971

YouTube channel RK study point 99

(ग) वी.वी. गिरि (iii) आन्ध्र प्रदेश के मजदूर नेता
(घ) कर्पूरी ठाकुर (iv) बिहार के नेता

11. (1) नियोजन के द्वारा आर्थिक तथा सामाजिक जीवन के विभिन्न अंगों में समन्वय स्थापित करके समाज की उन्नति की जा सकती है।

(2) देश में व्याप्त आर्थिक असंतुलन को समाप्त करने तथा राष्ट्रीय आय में वृद्धि करने व लोगों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने की दृष्टि से नियोजन का अत्यधिक महत्त्व समझा गया।

12. 1974 के जनवरी माह में गुजरात के छात्रों ने खाद्यान्न, खाद्य-तेल तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती हुई कीमत तथा उच्च पदों पर जारी भ्रष्टाचार के खिलाफ आन्दोलन छेड़ दिया। इस आन्दोलन में बड़ी राजनीतिक पार्टियाँ भी शामिल हो गईं। फलतः गुजरात में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया।

13. भारत में पूर्वोत्तर के राज्यों में राजनीति के जो मुद्दे हावी रहे, वे निम्न प्रकार थे—

(i) असम में बाहरी लोगों के खिलाफ आन्दोलन प्रबल था।
(ii) मेघालय में ज्यादा स्वायत्तता की माँग का आन्दोलन चला।
(iii) मिजोरम में अलग देश बनाने का मुद्दा हावी रहा था।

14. कांग्रेस पार्टी की स्थापना 1885 में हुई। उसके कई वर्षों बाद तक भी कांग्रेस स्वयं में एक गठबंधन पार्टी के रूप में कार्य करती रही क्योंकि इसमें कई धर्मों, जातियों, भाषाओं तथा क्षेत्रों के लोग शामिल थे। इसे ही कांग्रेस प्रणाली कहते हैं।

15. बामसेफ का गठन 1978 में हुआ। इसका पूरा नाम बैकवर्ड एंड माइनॉरिटी कम्युनिटीज एम्पलाइज फेडरेशन है। यह सरकारी कर्मचारियों का कोई साधारण-सा ट्रेड यूनियन नहीं था। इस संगठन ने 'बहुजन' अर्थात् अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों की राजनीतिक सत्ता की जबरदस्त तरफदारी की।

खण्ड-स

16. माओ युग के पश्चात् चीन की नयी आर्थिक नीतियाँ—1970 के दशक में आर्थिक संकट से उबरने के लिये चीन ने अमरीका से संबंध बढ़ाकर अपने राजनैतिक और आर्थिक एकान्तवास को खत्म किया; कृषि, उद्योग, सेना तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आधुनिकीकरण का रास्ता अपनाया; आर्थिक सुधारों और खुले द्वार की नीति अपनायी और खेती तथा उद्योगों का निजीकरण किया।

नयी आर्थिक नीतियों के लाभकारी परिणाम—नयी आर्थिक नीतियों के अग्र परिणाम निकले—

YouTube channel RK study point 99

(1) कृषि-उत्पादों तथा ग्रामीण आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई तथा ग्रामीण उद्योगों की तादाद बड़ी तेजी से बढ़ी।

(2) उद्योग और कृषि दोनों ही क्षेत्रों में चीन की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तेज रही।

(3) विदेश-व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

(4) चीन पूरे विश्व में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए सबसे आकर्षक देश बनकर उभरा।

अथवा का उत्तर

आसियान की स्थापना—1967 में दक्षिण-पूर्व एशिया के पांच देशों ने बैंकाक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करके 'आसियान' की स्थापना की। ये देश थे—इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस, सिंगापुर और थाइलैंड। बाद के वर्षों में ब्रूनेई दारुसलेम, वियतनाम, लाओस, म्यांमार तथा कम्बोडिया इस समूह में शामिल हो गये। इस प्रकार वर्तमान में आसियान के 10 सदस्य हैं।

'आसियान-विजन 2020' की मुख्य बातें—

(1) आसियान-विजन 2020 में अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय में आसियान की एक बहिर्मुखी भूमिका को प्रमुखता दी गई है।

(2) टकराव की जगह बातचीत द्वारा हल निकालने की नीति द्वारा आसियान ने कम्बोडिया के टकराव एवं पूर्वी तिमोर के संकट को संभाला है।

(3) आसियान-विजन 2020 के तहत एक आसियान सुरक्षा समुदाय, एक आसियान आर्थिक समुदाय तथा एक आसियान सामाजिक एवं सांस्कृतिक समुदाय बनाने की संकल्पना की गई है।

17. हमें अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता है। इसके प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं—

(1) अन्तर्राष्ट्रीय संगठन देशों की समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान में सदस्य देशों की सहायता करते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का निर्माण विभिन्न राज्य ही करते हैं और यह उनके मामलों के लिए जवाबदेह होता है।

(2) एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन सहयोग करने के उपाय तथा सूचनाएँ एकत्रित करने में मदद कर सकता है।

(3) एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन नियमों और नौकरशाही की एक रूपरेखा दे सकता है ताकि सदस्यों को यह विश्वास हो कि आने वाली लागत में सबकी समुचित साझेदारी होगी, लाभ का बँटवारा न्यायोचित होगा और यदि कोई सदस्य उस समझौते में शामिल हो जाता है तो वह इस समझौते के नियम और शर्तों का पालन करेगा।

YouTube Channel RK study point 99

(4) एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन शांति और प्रगति के प्रति मानवता की आशा का प्रतीक होता है।

अथवा का उत्तर

(i) आर्थिक व सामाजिक परिषद्–आर्थिक-सामाजिक परिषद् के 54 सदस्य हैं, जिनका चुनाव महासभा 2/3 बहुमत से तीन वर्ष के लिए करती है। इसके 1/3 सदस्य प्रतिवर्ष अवकाश ग्रहण करते हैं। इस प्रकार यह परिषद् एक स्थायी संस्था है।

(ii) ट्रस्टीशिप परिषद्–इस परिषद् का उद्देश्य 11 ट्रस्ट क्षेत्रों के प्रशासन की देखभाल करना था। 1994 तक ये सभी ट्रस्ट स्वतंत्र हो चुके हैं। 1 नवम्बर, 1994 से यह परिषद स्थगित है।

(iii) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय–अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में 15 न्यायाधीश होते हैं जिनका चयन महासभा और सुरक्षा परिषद् द्वारा एक साथ ही किया जाता है। न्यायाधीशों का कार्यकाल 9 वर्ष का होता है। इसका मुख्यालय हेग में है।

18. प्रथम तीन आम चुनावों में कांग्रेस की मजबूत स्थिति के पीछे निम्नलिखित कारण जिम्मेदार रहे हैं—

(i) कांग्रेस पार्टी को राष्ट्रीय आंदोलन के वारिस के रूप में देखा गया। आजादी के आंदोलन के अग्रणी नेताओं ने अब कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े।

(ii) कांग्रेस एक ऐसा संगठन था जो अपने आपको स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल ढाल सकने में समर्थ था।

(iii) कांग्रेस पहले से ही एक सुसंगठित पार्टी थी। बाकी दल अभी अपनी रणनीति सोच ही रहे होते थे कि कांग्रेस अपना अभियान शुरू कर देती। इस प्रकार कांग्रेस को 'अव्वल और इकलौता' होने का फायदा मिला।

(iv) पण्डित नेहरू का करिश्माई व्यक्तित्व भी कांग्रेस के प्रभुत्व को बनाने में सफल रहा।

अथवा का उत्तर

राजनीतिक दलों के प्रमुख तत्त्व–किसी भी राजनीतिक दल के निर्माण के लिए निम्न तत्त्वों का होना आवश्यक है—

(1) संगठन–संगठन से तात्पर्य है कि दल के अपने कुछ लिखित एवं अलिखित नियम, उपनियम, कार्यालय, पदाधिकारी आदि होने चाहिए। ये दल के सदस्यों को अनुशासित रखते हैं।

(2) मूलभूत सिद्धान्तों में एकता–सिद्धान्तों की एकता ही दल को ठोस आधार प्रदान करती है। सैद्धान्तिक एकता के अभाव में दल की जड़ें हिल जायेंगी।

YouTube channel RK study point 99

(3) संवैधानिक साधनों का प्रयोग—राजनीतिक दलों को जाति, धर्म, सम्प्रदाय या वर्ग हित की अपेक्षा राष्ट्रीय हित की अभिवृद्धि हेतु प्रयास करना चाहिए।

19. (1) 1975 की आपातकाल से एकबारगी भारतीय लोकतंत्र की ताकत और कमजोरियाँ उजागर हो गईं। हालाँकि बहुत से पर्यवेक्षक मानते हैं कि आपातकाल के दौरान भारत लोकतांत्रिक नहीं रह गया था। लेकिन यह भी ध्यान देने की बात है कि थोड़े ही दिनों के अंदर कामकाज फिर से लोकतांत्रिक ढर्रे पर लौट आया। इस तरह आपातकाल का एक सबक तो यही है कि भारत से लोकतंत्र को विदा कर पाना बहुत कठिन है।

(2) आपातकाल से संविधान में वर्णित आपातकाल के प्रावधानों के कुछ अर्थगत उलझाव भी प्रकट हुए, जिन्हें बाद में सुधार लिया गया। अब 'अंदरूनी' आपातकाल सिर्फ 'सशस्त्र विद्रोह' की स्थिति में लगाया जा सकता है। इसके लिए यह भी जरूरी है कि आपातकाल की धारणा की सलाह मंत्रिमंडल राष्ट्रपति को लिखित में दे।

अथवा का उत्तर

1977 के चुनावों के कुछ निष्कर्ष निम्न प्रकार हैं—

(1) 1977 के चुनावों का सबसे महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष यह रहा कि पिछले तीन दशकों से चली आ रही कांग्रेसी सत्ता का एकाधिकार समाप्त हो गया।

(2) 1977 के चुनावों के पश्चात् केन्द्र में पहली बार गैर-कांग्रेस सरकार का निर्माण हुआ। विपक्षी दलों ने मिलकर जनता पार्टी के झण्डे के नीचे गठबन्धन सरकार का निर्माण किया। जनता पार्टी को मार्च, 1977 के लोकसभा के चुनाव में भारी सफलता प्राप्त हुई। 542 सीटों में से जनता पार्टी गठबन्धन को 330 सीटें मिलीं। इस प्रकार जनता पार्टी ने कांग्रेस को करारी शिकस्त दी, अतः जनता पार्टी की सरकार बनी।

(3) 1977 के चुनावों के बाद अप्रत्यक्ष रूप से पिछड़े वर्गों की भलाई का मुद्दा भारतीय राजनीति पर हावी होना शुरू हुआ क्योंकि 1977 के चुनाव परिणामों पर पिछड़ी जातियों के मतदान का असर पड़ा था।

खण्ड-द

20. सोवियत खेमे के विघटन का घटना चक्र

सोवियत संघ नीति साम्यवादी गुट के विघटन की प्रक्रिया को निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत स्पष्ट किया गया है—

(1) मार्च, 1985 में गोर्बाचेव सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव

YouTube channel RK study point 99

चुने गए। बोरिस येल्तसिन को रूस की कम्युनिस्ट पार्टी का प्रमुख बनाया गया। उन्होंने सोवियत संघ में सुधारों की श्रृंखला प्रारम्भ कर दी।

(2) 1988 में लिथुआनिया में आजादी के लिए आन्दोलन शुरू हुए। यह आंदोलन एस्टोनिया और लातविया में भी फैला।

(3) अक्टूबर, 1989 में सोवियत संघ ने घोषणा कर दी कि 'वारसा समझौते' के सदस्य अपना भविष्य तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। नवंबर में बर्लिन की दीवार गिरी।

(4) फरवरी, 1990 में गोर्बाचेव ने सोवियत संसद ड्यूमा के चुनाव के लिए बहुदलीय राजनीति की शुरुआत की। सोवियत सत्ता पर कम्युनिस्ट पार्टी का 72 वर्ष पुराना एकाधिकार समाप्त हुआ।

(5) जून, 1990 में रूसी संसद ने सोवियत संघ से अपनी स्वतंत्रता घोषित की।

(6) मार्च, 1990 में लिथुआनिया स्वतंत्रता की घोषणा करने वाला पहला सोवियत गणराज्य बना।

(7) जून, 1991 में येल्तसिन ने कम्युनिस्ट पार्टी से इस्तीफा दे दिया और रूस के राष्ट्रपति बने।

(8) अगस्त, 1991 में कम्युनिस्ट पार्टी के गरमपंथियों ने गोर्बाचेव के खिलाफ एक असफल तख्तापलट किया।

(9) एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया तीनों बाल्टिक गणराज्य सितंबर, 1991 में संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य बने।

(10) दिसंबर, 1991 में रूस, बेलारूस और यूक्रेन ने 1922 की सोवियत संघ के निर्माण से सम्बद्ध संधि को समाप्त करने का फैसला किया और स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रकुल बनाया। आर्मेनिया, अजरबैजान, माल्दोवा, कजाकिस्तान, किरगिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान भी राष्ट्रकुल में शामिल हुए। जार्जिया 1993 में राष्ट्रकुल का सदस्य बना। संयुक्त राष्ट्र संघ में सोवियत संघ की सीट रूस को मिली।

(11) 25 दिसंबर, 1991 को गोर्बाचेव ने सोवियत संघ के राष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दिया। इस प्रकार सोवियत संघ का अंत हो गया।

अथवा का उत्तर

सोवियत संघ के विघटन से 15 प्रभुतासम्पन्न राज्यों का जन्म हुआ। सोवियत संघ का मुख्य उत्तरदायित्व रूस गणराज्य ने संभाला, क्योंकि सोवियत संघ के अधिकांश गणराज्यों में संघर्ष और तनाव की स्थिति थी। यथा—

YouTube channel RK study point 99

(1) आंदोलन, तनाव तथा संघर्ष की स्थितियाँ—केन्द्रीय एशिया के अधिकांश राज्य सोवियत संघ से विघटन के पश्चात् अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। चेचन्या, दागिस्तान, ताजिकिस्तान तथा अजरबैजान आदि देशों में हिंसा की वारदातों के कारण गृह-युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। ये देश जातीय और धार्मिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। ताजिकिस्तान, यूक्रेन, किरगिस्तान तथा जार्जिया में शासन से जनता नाराज है और उसको उखाड़ फेंकने के लिए अनेक आन्दोलन चल रहे हैं।

(2) नदी जल के सवाल पर संघर्ष—कई देश और प्रान्त नदी जल के सवाल पर परस्पर भिड़े हुए हैं।

(3) विदेशी शक्तियों की इस क्षेत्र में रुचि बढ़ना—मध्य एशियाई गणराज्यों में पेट्रोलियम संसाधनों का विशाल भण्डार होने से यह क्षेत्र बाहरी ताकतों और तेल कम्पनियों की आपसी प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा भी बन चला है। फलतः अमेरिका इस क्षेत्र में सैनिक ठिकाना बनाना चाहता है।

रूस इन राज्यों को अपना निकटवर्ती 'विदेश' मानता है और उसका मानना है कि इन राज्यों को रूस के प्रभाव में रहना चाहिए।

चीन के हित भी इस क्षेत्र से जुड़े हैं और चीनियों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में आकर व्यापार करना शुरू कर दिया है।

21. भारत में भी वैश्वीकरण का प्रतिरोध हुआ है और कई आंदोलन हुए हैं। सामाजिक आंदोलनों के द्वारा हमें आस-पड़ोस की दुनिया और समाज को समझने में सहायता मिलती है। इन आंदोलनों के माध्यम से हम अपनी समस्याओं का हल तलाश सकते हैं। भारत में वैश्वीकरण का विरोध कई माध्यमों द्वारा हो रहा है।

(1) वामपंथी दलों, मानवाधिकार कार्यकर्ता तथा पर्यावरणवादियों द्वारा विरोध—वामपंथी राजनीतिक दलों ने आर्थिक वैश्वीकरण के खिलाफ आवाज उठाई है तो दूसरी तरफ मानवाधिकार-कार्यकर्ता, पर्यावरणवादी, मजदूर, युवा और महिला कार्यकर्ता इंडियन सोशल फोरम के मंचों के माध्यम से नव-उदारवादी वैश्वीकरण के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

(2) औद्योगिक श्रमिकों तथा किसान संगठनों द्वारा विरोध—औद्योगिक श्रमिकों और किसानों के संगठनों ने बहुराष्ट्रीय निगमों के प्रवेश का विरोध किया है।

(3) पेटेन्ट सम्बन्धी विरोध—कुछ औषधीय वनस्पतियों जैसे 'नीम' को अमरीकी और यूरोपीय कंपनी ने पेटेन्ट कराने का प्रयास किया। इसका भी कड़ा विरोध हुआ है।

(4) दक्षिणपंथियों द्वारा विरोध—वैश्वीकरण का विरोध राजनीति का दक्षिण पंथी खेमा भी कर रहा है। यह खेमा विभिन्न सांस्कृतिक प्रभावों का विरोध कर रहा है

YouTube channel RV study point 99

जैसे—केबल नेटवर्क के द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे विदेशी टी.वी. चैनलों से लेकर वैलेन्टाइन-डे मनाने तथा स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं की पश्चिमी पोशाकों के लिए बढ़ी अभिरुचि का विरोध भी शामिल है।

अथवा का उत्तर

भारत द्वारा वैश्वीकरण की दिशा में उठाये गये कदम

सन् 1991 के बाद से आर्थिक सुधारों को अपनाते हुए भारत ने वैश्वीकरण की दिशा में निम्नलिखित प्रमुख कदम उठाये हैं—

(1) 1990 के दशक में उदारीकरण/वैश्वीकरण की नीति के तहत औद्योगिक लाइसेंस युग को समाप्त कर दिया गया, सार्वजनिक क्षेत्र में कटौती की गई, व्यापारिक गतिविधियों पर सरकार का एकाधिकार समाप्त कर दिया गया तथा निजीकरण सम्बन्धी कार्यक्रमों की पहल की गई।

(2) 1990 के दशक के दौरान ही विभिन्न क्षेत्रों पर आयात बाधायें हटायी गईं। इन क्षेत्रों में व्यापार और विदेशी निवेश भी शामिल थे।

(3) भारतीय शुल्क दरों में तेजी से कमी की गई।

भारत में वैश्वीकरण के सकारात्मक परिणाम

वैश्वीकरण के भारत में निम्नलिखित सकारात्मक परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं—

(1) वैश्वीकरण को अपनाने से भारत में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) दर तथा विकास दर में तेजी से वृद्धि हुई है।

(2) उदारीकरण के बाद GDP विकास में जो उछाल आया, उसने भारत की वैश्विक स्थिति में सुधार ला दिया।

(3) वैश्वीकरण के प्रभावस्वरूप भारत में गरीबी में जीवन-यापन कर रहे लोगों का अनुपात धीरे-धीरे घट रहा है।

भारत में वैश्वीकरण के नकारात्मक प्रभाव

आर्थिक सुधारों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछेक प्रतिकूल प्रभाव भी डाले हैं, यथा—

(1) वैश्वीकरण के कारण कृषि में सब्सिडी को कम किये जाने से अनाज की कीमतों में वृद्धि हुई है तथा कृषि क्षेत्र में आधारिक संरचना में कमी आई है।

(2) वैश्वीकरण के प्रभावस्वरूप बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ भारतीय बाजार को धीरे-धीरे हड़प रही हैं।

(3) अपनी विनिवेश नीति के तहत सार्वजनिक उपक्रमों को बेचने से सरकार को बहुत नुकसान उठाना पड़ रहा है।

YouTube channel RK study point 09

22.

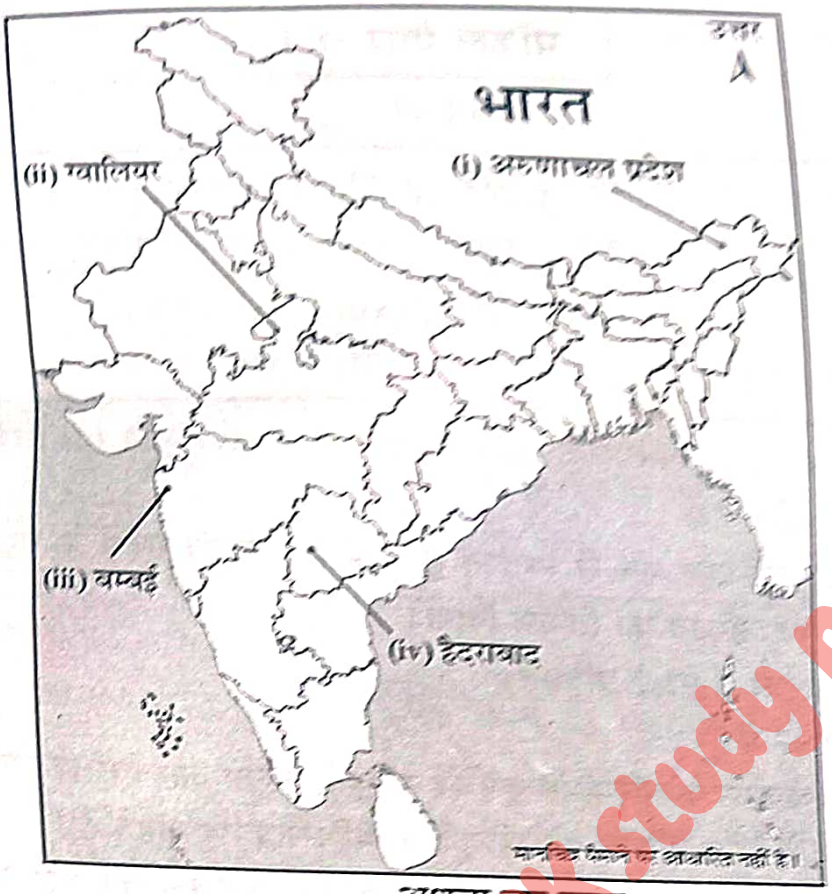

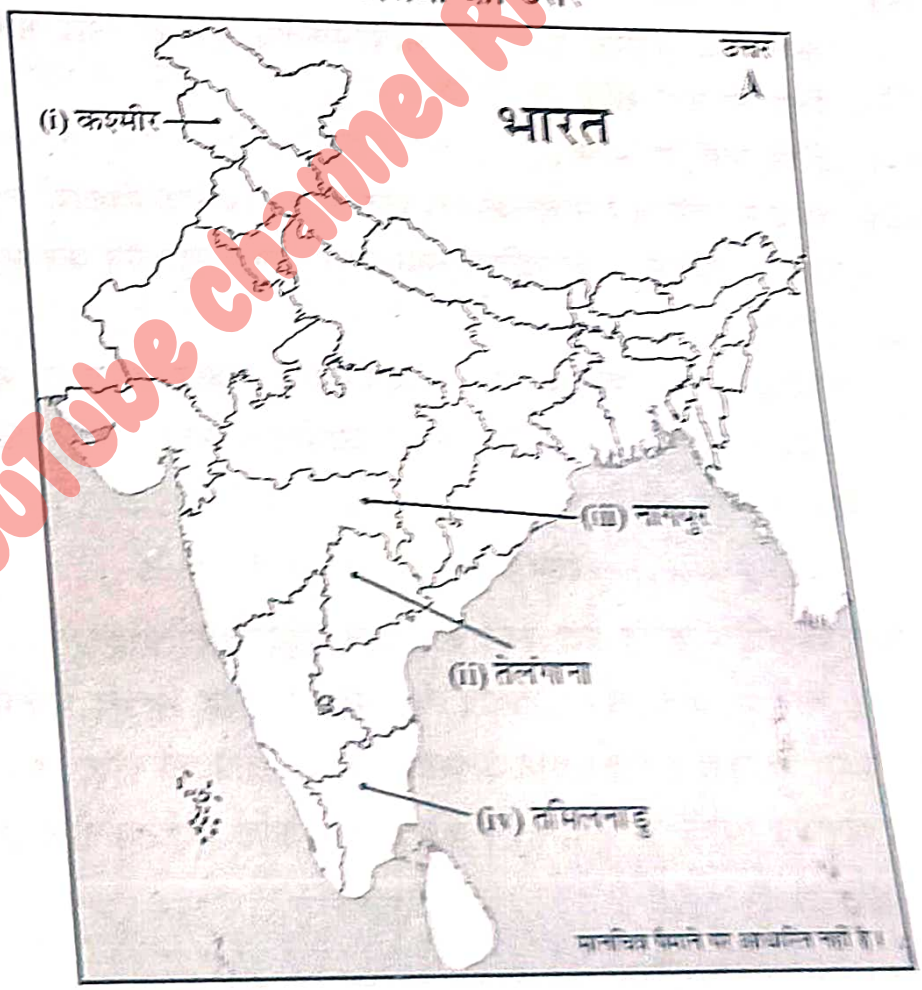

उत्तर
भारत
(i) अरुणाचल प्रदेश
(ii) ग्वालियर
(iii) बम्बई
(iv) हैदराबाद
मानचित्र पैमाने पर आधारित नहीं है।

अथवा का उत्तर

उत्तर
भारत
(i) कश्मीर
(ii) तेलंगाना
(iii)
(iv) तमिलनाडु

मॉडल पेपर-9

खण्ड-अ

1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(स)	(द)	(स)	(अ)	(द)	(स)	(द)	(स)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	
(ब)	(अ)	(द)	(द)	(स)	(अ)	(अ)	

2. (i) श्रीलंका (ii) अपारंपरिक (iii) बंगाल टाइगर (iv) कृषि (v) सिंडीकेट (vi) करबी (vii) बांग्लादेश

3. (i) पूर्व सोवियत संघ से स्वतंत्रत हुए राष्ट्रों ने 'स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रकुल' नामक संगठन का निर्माण किया।
   (ii) श्रीलंका में 91.2 प्रतिशत।
   (iii) 1997 में।
   (iv) वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप हर संस्कृति अलग और विशिष्ट होती जा रही है। इस प्रक्रिया को सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण कहते हैं।
   (v) टिकाऊ विकास से आशय है कि प्राकृतिक संसाधनों का ऐसा प्रयोग करना कि वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताएँ पूरी हों और भविष्य के लिए भी बचे रहें।
   (vi) होमी जहाँगीर भाभा।
   (vii) भारत में पंचवर्षीय योजनाओं का मूल उद्देश्य आर्थिक विकास के साथ-साथ आत्मनिर्भरता, सामाजिक न्याय तथा समाजवाद लागू करना था।
   (viii) तमिलनाडु।
   (ix) चंडीगढ़-पंजाब को दे दिया जाएगा तथा पंजाब-हरियाणा सीमा-विवाद सुलझाने के लिए एक अलग आयोग बनेगा।
   (x) विचारधाराओं की विभिन्नता।

खण्ड-ब

4. भारत-चीन सम्बन्धों में कटुता पैदा करने वाले तीन मुद्दे निम्नलिखित हैं—

(1) भारत-चीन के बीच सीमा विवाद चल रहा है। यह विवाद मैकमोहन रेखा, अरुणाचल प्रदेश के कुछ इलाकों तथा अक्साई चिन के क्षेत्र को लेकर है।

(2) चीन गोपनीय तरीके से पाकिस्तान को परमाणु ऊर्जा एवं तकनीक प्रदान करता रहा है।

YouTube channel RK study point 99

(3) चीन भारत की परमाणु नीति का आलोचक है और सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का विरोधी है।

5. शीतयुद्ध के बाद से दक्षिण एशिया में अमरीकी प्रभाव तेजी से बढ़ा है। अमरीका ने शीतयुद्ध के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों देशों से अपने संबंध सुधारे हैं। आवश्यकता पड़ने पर अमरीका ने भारत-पाक के बीच मध्यस्थता की भूमिका भी निभाई है। दोनों देशों में आर्थिक सुधार हुए हैं और उदार नीतियाँ अपनाई गई हैं। दक्षिण एशिया की जनसंख्या और बाजार भी भारी भरकम है। इस कारण इस क्षेत्र की सुरक्षा और शांति के भविष्य से अमरीका के हित भी बंधे हुए हैं।

6. पी. सी. महालनोबिस अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विख्यात वैज्ञानिक एवं सांख्यिकीविद थे। इन्होंने सन् 1931 में भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना की थी। वे दूसरी पंचवर्षीय योजना के योजनाकार थे तथा तीव्र औद्योगीकरण तथा सार्वजनिक क्षेत्र की सक्रिय भूमिका के समर्थक थे।

7. विश्वव्यापी खतरे जैसे वैश्विक तापवृद्धि, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद तथा एड्स और बर्ड फ्लू जैसी महामारियों को ध्यान में रखते हुए 1990 के दशक में विश्व-सुरक्षा की धारणा उभरी। क्योंकि कोई भी देश इन समस्याओं का समाधान अकेले नहीं कर सकता। ऐसा भी हो सकता है कि किन्हीं स्थितियों में किसी एक देश को इन समस्याओं की मार बाकियों की अपेक्षा ज्यादा झेलनी पड़े।

8. भारत ने पृथ्वी-सम्मेलन के समझौतों के क्रियान्वयन का एक पुनरावलोकन सन् 1997 में किया। इसका निष्कर्ष यह था कि विकासशील देशों को रियायती शर्तों पर नये और अतिरिक्त वित्तीय संसाधन तथा पर्यावरण के संदर्भ में बेहतर साबित होने वाली प्रौद्योगिकी मुहैया कराने की दिशा में कोई सार्थक प्रगति नहीं हुई है।

9. नेहरू की विदेश नीति के तीन बड़े उद्देश्य थे—कठिन संघर्ष से प्राप्त संप्रभुता को बचाए रखना, क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखना और तेज रफ्तार से आर्थिक विकास करना। नेहरूजी इन उद्देश्यों को गुटनिरपेक्षता की नीति और विश्व शांति व सुरक्षा की नीति अपनाकर प्राप्त करना चाहते थे।

10. (क) वैश्विक वित्त की देखरेख — (ii) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

(ख) सदस्य देशों के बीच मुक्त व्यापार की राह आसान बनाना — (i) विश्व व्यापार संगठन

(ग) संयुक्त राष्ट्र संघ के मामलों का समायोजन एवं प्रशासन — (iv) सचिवालय

(घ) सबके लिए स्वास्थ्य — (iii) विश्व स्वास्थ्य संगठन

YouTube channel RK study point 99

11. जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद लाल बहादुर शास्त्री को नेहरू का राजनीतिक उत्तराधिकारी बनाया गया। शास्त्री लगभग 18 महीने प्रधानमंत्री पद पर रहे। उनके शासनकाल में 1965 का भारत-पाकिस्तान युद्ध हुआ। भारत को शानदार सफलता प्राप्त हुई। शास्त्रीजी ने 'जय जवान जय किसान' का नारा दिया।

12. आपातकाल की घोषणा के साथ ही शक्तियों के बँटवारे का संघीय ढाँचा व्यावहारिक तौर पर निष्प्रभावी हो जाता है और सारी शक्तियाँ केन्द्र सरकार के हाथ में चली आती हैं। दूसरे, सरकार चाहे तो ऐसी स्थिति में किसी एक अथवा सभी मौलिक अधिकारों पर रोक लगा सकती है अथवा उनमें कटौती कर सकती है।

13. **डी.एम.के.**—डी.एम.के. तमिलनाडु का महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय दल है। जब ई.वी. रामास्वामी नायकर 'पेरियार' द्वारा संचालित 'द्रविड़ कषगम' संगठन का आन्दोलन तमिलनाडु तक ही सिमटकर रह गया तो यह आन्दोलन दो धड़ों में बँट गया और आन्दोलन की समूची राजनैतिक विरासत द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम के पाले में केन्द्रित हो गई।

14. **समाजवादी दलों और कम्युनिस्ट पार्टी में अन्तर**

(i) समाजवादी दल लोकतान्त्रिक विचारधारा में विश्वास करते हैं जबकि कम्युनिस्ट पार्टी सर्वहारा के अधिनायकवादी लोकतन्त्र में विश्वास करती है।

(ii) समाजवादी दल पूँजीपतियों और पूँजी को पूर्णतया अनावश्यक तथा समाज विरोधी नहीं मानते हैं जबकि कम्युनिस्ट पार्टी इन्हें पूर्णतया अनावश्यक और समाजद्रोही मानती है।

15. **वामपंथी तथा दक्षिणपंथी राजनैतिक दलों की विचारधारा में अन्तर—**

(1) वामपंथी दल धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक-आर्थिक न्याय व राष्ट्रीयकरण आदि का समर्थन करते हैं, जबकि दक्षिणपंथी दल भारतीय संस्कृति, प्रबल राष्ट्रवाद, उदारीकरण तथा भूमंडलीकरण की नीतियों का समर्थन करते हैं।

(2) वामपंथी दल सार्वजनिक क्षेत्र के समर्थक हैं जबकि दक्षिणपंथी दल निजी क्षेत्र के समर्थक हैं।

खण्ड-स

16. **भारत-चीन के संघर्ष के मुद्दे**

चीन की स्वतंत्रता के बाद से कुछ समय के लिए दोनों देशों के सम्बन्ध मैत्रीपूर्ण रहे। किन्तु निम्न मुद्दों के कारण दोनों देशों के बीच संघर्ष व कटुता पैदा हो गयी—

(1) तिब्बत का प्रश्न—1949 से पूर्व तिब्बत नाममात्र के लिए चीन के अधीन था और आन्तरिक तथा बाह्य मामलों में पूर्णतः स्वतंत्र था। भारत के साथ तिब्बत के घनिष्ठ व्यापारिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध रहे हैं। 1950 में चीन ने तिब्बत को हड़पने की प्रक्रिया चालू कर दी तथा 1954 में तिब्बत पर अपना सम्पूर्ण अधिकार जमा

YouTube channel GK study point 99

लिया। अत: दलाईलामा ने भारत में आकर शरण ली। दलाईलामा की भारत में उपस्थिति वर्तमान में भी चीन के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है।

(2) **सिक्किम का भारत में विलय**–श्रीमती इन्दिरा गाँधी ने सन् 1975 में सिक्किम को भारत में मिलाकर उसे देश का 22वां राज्य घोषित कर दिया। शुरुआत में चीन ने इसकी आलोचना की लेकिन वर्ष 2005 में चीन ने सिक्किम को भारतीय भू-भाग में शामिल कर इसे मान्यता दे दी है।

अथवा का उत्तर

वैकल्पिक शक्ति-केन्द्र के रूप में जापान अत्यंत प्रभावकारी है, इस बात का अनुमान निम्न तथ्यों से लगाया जा सकता है—

(i) सोनी, पैनासोनिक, कैनन, सुजुकी, होंडा, ट्योटा और माज्दा आदि प्रसिद्ध ब्रांड जापान के हैं। इनके नाम उच्च प्रौद्योगिकी के उत्पाद बनाने के लिए मशहूर हैं।

(ii) जापान के पास प्राकृतिक संसाधन कम हैं और वह ज्यादातर कच्चे माल का आयात करता है। इसके बावजूद दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जापान ने बड़ी तेजी से प्रगति की।

(iii) एशिया के देशों में अकेला जापान ही समूह-7 के देशों में शामिल है। आबादी के लिहाज से विश्व में जापान ग्यारहवें स्थान पर है।

(iv) जापान का सैन्य व्यय उसके सकल घरेलू उत्पाद का केवल 1 प्रतिशत है फिर भी सैन्य व्यय के लिहाज से जापान सातवें स्थान पर है।

(v) जापान संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में 10 प्रतिशत का योगदान करता है। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में अंशदान करने के लिहाज से दूसरा सबसे बड़ा देश है।

17. **संयुक्त राष्ट्र संघ के न्यायाधिकार में आने वाले मुद्दों की समीक्षा**– बदलते परिवेश में संयुक्त राष्ट्र संघ को प्रासंगिक बनाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाने का फैसला लिया गया—

(i) शांति संस्थापक आयोग का गठन किया जाये।

(ii) यदि कोई राष्ट्र अपने नागरिकों को अत्याचारों से बचाने में असफल हो जाए तो विश्व-बिरादरी इसका उत्तरदायित्व ले–इस बात की स्वीकृति हुई।

(iii) मानवाधिकार परिषद की स्थापना हो।

(iv) सहस्राब्दी विकास लक्ष्य को प्राप्त करने पर सहमति हुई।

(v) हर रूप के आतंकवाद की निंदा की जाये।

(vi) एक लोकतंत्र कोष का गठन।

(vii) न्यासिता परिषद को समाप्त करने पर सहमति।

अथवा का उत्तर

एक-ध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्र अमरीका की मनमानी को नहीं रोक सकता क्योंकि— (1) अपनी सैन्य और आर्थिक ताकत के बल पर अमरीका संयुक्त

Youtube channel RK study point 99

राष्ट्र संघ या किसी अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की अनदेखी कर सकता है।

(2) संयुक्त राष्ट्र संघ के भीतर उसके बजट, अमरीकी भू क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थिति आदि के कारण अमरीका का अत्यधिक प्रभाव है।

(3) वह सुरक्षा परिषद् का स्थायी सदस्य है तथा उसके पास वीटो की शक्ति है।

(4) अमरीका अपनी ताकत और निषेधाधिकार के कारण संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव के चयन में भी दखल रखता है।

(5) अमरीका अपनी सैन्य और आर्थिक शक्ति के बल पर विश्व बिरादरी में फूट डाल सकता है।

18. राजनीतिक दलों की समस्याएँ—भारत में राजनीतिक दलों की प्रमुख समस्याएँ निम्नलिखित हैं—

(1) दलीय व्यवस्था में अस्थिरता—भारतीय दलीय व्यवस्था निरन्तर बिखराव और विभाजन का शिकार रही है। सत्ता प्राप्ति की लालसा ने राजनीतिक दलों को अवसरवादी बना दिया है जिससे यह संकट उत्पन्न हुआ है।

(2) राजनीतिक दलों में गुटीय राजनीति—भारत के अधिकांश राजनीतिक दलों में तीव्र आन्तरिक गुटबन्दी विद्यमान है। इन दलों में छोटे-छोटे गुट पाये जाते हैं।

(3) दलों में आन्तरिक लोकतन्त्र का अभाव—भारत के अधिकांश राजनीतिक दलों में आन्तरिक लोकतन्त्र का अभाव है और वे घोर अनुशासनहीनता से पीड़ित हैं। भारत में अधिकांश राजनीतिक दल नेतृत्व की मनमानी प्रवृत्ति और सदस्यों की अनुशासनहीनता से पीड़ित हैं।

अथवा का उत्तर

कांग्रेस पार्टी की गठबन्धनी प्रकृति ने निम्न प्रकार से कांग्रेस को असाधारण ताकत दी—

(i) सर्वसमावेशी—कांग्रेस की गठबन्धनी प्रकृति ने उसे नमनीयता प्रदान की तथा अतिवादिता को परे रखा। गठबन्धनी की प्रकृति ने उसे सहनशील तथा सर्वसमावेशी बनाया।

(ii) विपक्ष के समक्ष कठिनाई पैदा की—कांग्रेस की गठबन्धनी प्रकृति ने विपक्ष के समक्ष कठिनाई पैदा की क्योंकि विपक्षी दलों की विचारधारा व कार्यक्रम को कांग्रेस तुरन्त समावेशित कर लेती थी।

(iii) नेताओं की महत्त्वाकांक्षाओं का समावेश करना—कांग्रेस की गठबन्धनी प्रकृति विभिन्न समूह तथा नेताओं की महत्त्वाकांक्षाओं को भी समाविष्ट करने की क्षमता रखती थी।

(iv) पार्टी से अलग होने की प्रवृत्ति पर रोक—कांग्रेस की गठबंधन की प्रकृति ने पार्टी के असन्तुष्ट गुटों के नेताओं में पार्टी से अलग होने की प्रवृत्ति को विकसित होने से रोका।

YouTube channel RK study point 99

19. आपातकाल से पूर्व तथा इसके पश्चात् नागरिक स्वतन्त्रता संगठनों के उदय एवं प्रसार में कुछ प्रगति हुई, यथा–

(1) नव-निर्माण समिति–जयप्रकाश नारायण ने बिहार आंदोलन के समय दलविहीन लोकतन्त्र तथा सम्पूर्ण क्रान्ति का नारा दिया। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु उन्होंने विनोबा भावे के भूदान आन्दोलन को भी इसमें शामिल किया। जयप्रकाश नारायण ने इसके लिए गुजरात एवं बिहार के युवा छात्रों को शामिल किया तथा एक नवनिर्माण समिति का गठन किया।

(2) नागरिक स्वतन्त्रता एवं लोकतान्त्रिक अधिकारों के लिए लोगों का संघ–नागरिक स्वतन्त्रता एवं लोकतान्त्रिक अधिकारों के लिए लोगों के संघ का उदय अक्टूबर, 1976 में हुआ। संगठन ने आपातकाल तथा सामान्य परिस्थितियों में भी लोगों को अपने अधिकारों के प्रति सतर्क रहने के लिए कहा। 1980 में इस संघ का नाम बदलकर **'नागरिक स्वतन्त्रताओं के लिए लोगों का संघ'** रख दिया गया तथा इस संगठन का प्रचार-प्रसार पूरे देश में किया गया।

अथवा का उत्तर

1975 के आपातकाल के प्रमुख कारण—

(1) 1971 के भारत-पाक युद्ध तथा बांग्लादेशी शरणार्थियों पर हुए व्यय का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ा। इससे लोगों में असन्तोष फैल गया।

(2) 1972-1973 में भारत में फसल भी अच्छी नहीं हुई तथा औद्योगिक उत्पादन में भी निरन्तर कमी आ रही थी। इससे कृषक तथा औद्योगिक कर्मचारियों में असन्तोष बढ़ रहा था।

(3) 1975 में की गई आपातकालीन घोषणा का एक कारण रेलवे कर्मचारियों द्वारा की गई हड़ताल भी थी जिससे यातायात व्यवस्था बिल्कुल खराब हो गई।

(4) जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में किया जा रहा बिहार आन्दोलन भी 1975 में आपातकाल की घोषणा का एक प्रमुख कारण था।

(5) 1975 के आपातकाल का एक अन्य महत्त्वपूर्ण कारण इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा उनके निर्वाचन को अवैध घोषित करना था।

खण्ड-द

20. यदि सोवियत संघ का विघटन नहीं होता तो अन्तर्राष्ट्रीय जगत् में पिछले दो दशकों में हुए निम्नलिखित आर्थिक परिवर्तन या विकास नहीं होते—

(1) अर्थव्यवस्था का वैश्वीकरण शुरू नहीं होता–द्विध्रुवीय विश्व की स्थिति में संयुक्त राष्ट्र संघ में अमरीकी वर्चस्व स्थापित नहीं होता और व्यापार संगठन

YouTube channel RK study point 99

पर भी उसका वर्चस्व स्थापित नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में अमेरिका विकासशील देशों को उदारीकरण की नीति अपनाने के लिए मजबूर नहीं कर पाता तथा इन देशों में व्यापार नियंत्रण, कोटा प्रणाली और लाइसेंस नीति चलती रहती तो मुक्त व्यापार जैसी स्थितियाँ भी नहीं आतीं।

(2) वैश्विक स्तर पर पूँजीवादी अर्थव्यवस्था का वर्चस्व नहीं होता—यदि सोवियत संघ का विघटन नहीं हुआ होता तो पूँजीवादी अर्थव्यवस्था सीमा का अतिक्रमण करने वाली छलांग नहीं लगा पाती क्योंकि साम्यवादी अर्थव्यवस्था उसके मार्ग को अवरुद्ध कर देती और संयुक्त राष्ट्र संघ के विश्व बैंक और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे संगठन अनेक देशों से शक्तिपूर्वक अपनी बात नहीं मनवा पाते। अमेरिका ने इन अन्तर्राष्ट्रीय अधिकरणों के द्वारा ही अपने वर्चस्व का विस्तार किया है।

(3) पूर्वी यूरोप के साम्यवादी देश शॉक थेरेपी के दौर से नहीं गुजरते—सोवियत संघ के विघटन के बाद सोवियत संघ के सभी स्वतंत्र गणराज्यों तथा पूर्वी यूरोप के देशों को शॉक थेरेपी के दौर से गुजरना पड़ा तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग निजी क्षेत्र की कम्पनियों को औने-पौने कीमत पर बेच दिये गये। यदि सोवियत संघ का विघटन नहीं हुआ होता तो ये देश शॉक थेरेपी के दौर से नहीं गुजरते।

अथवा का उत्तर

सोवियत अर्थव्यवस्था को पूँजीवादी अर्थव्यवस्था से अलग करने वाली विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं—

(1) सोवियत अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध और राज्य के नियन्त्रण में थी जबकि पूँजीवादी देशों में मुक्त व्यापार की नीति को अपनाया गया था।

(2) सोवियत अर्थव्यवस्था समाजवादी अर्थव्यवस्था पर आधारित थी जबकि अमेरिका ने पूँजीवादी अर्थव्यवस्था को अपनाया था।

(3) सोवियत अर्थव्यवस्था में भूमि और अन्य उत्पादक सम्पदाओं तथा वितरण व्यवस्था पर राज्य का ही स्वामित्व और नियन्त्रण था जबकि पूँजीवादी देशों में निजीकरण को अपनाया गया था।

गोर्बाचेव द्वारा सोवियत संघ में सुधार के कारण

(1) अर्थव्यवस्था का गतिरुद्ध हो जाना—सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था कई सालों तक गतिरुद्ध रही। इससे उपभोक्ता वस्तुओं की बड़ी कमी हो गयी थी। लोगों का जीवन कठिन हो गया था। गोर्बाचेव ने जनता से अर्थव्यवस्था के गतिरोध को दूर करने का वायदा किया था। अतः वह सुधार लाने के लिए बाध्य हुए।

(2) पश्चिम के देशों की तुलना में पिछड़ जाना—सोवियत संघ हथियारों के निर्माण की होड़ में प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढाँचे (मसलन—परिवहन, ऊर्जा) के मामले में पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत पिछड़ गया था। पश्चिमी देशों की

YouTube channel PK study point 99

तरक्की के बारे में सोवियत संघ के आम नागरिकों की जानकारी बढ़ी। अपने पिछड़ेपन की पहचान से लोगों को राजनीतिक-मनोवैज्ञानिक रूप से धक्का लगा। गोर्बाचेव ने सोवियत संघ को पश्चिम की बराबरी पर लाने का वायदा किया था। इसलिए वह सुधार लाने को बाध्य हुए।

(3) प्रशासनिक ढाँचे की त्रुटियाँ—सोवियत संघ के गतिरुद्ध प्रशासन, नौकरशाही में भारी भ्रष्टाचार और सत्ता के केन्द्रीकृत होने के कारण आम जनता शासन से अलग-थलग पड़ गयी थी। गोर्बाचेव ने जनता को विश्वास में लेने के लिए प्रशासनिक ढाँचे में ढील देने का वादा किया था। अतः गोर्बाचेव प्रशासनिक ढाँचे में सुधार लाने हेतु बाध्य हुए।

21. हमारी राय में वैश्वीकरण के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं—

(1) प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण—विचार, पूंजी, वस्तु और लोगों की विश्व के विभिन्न भागों में आवाजाही की आसानी प्रौद्योगिकी में हुई तरक्की के कारण संभव हुई है। इसी प्रकार हमारे सोचने के तरीके पर भी प्रौद्योगिकी का प्रभाव पड़ा है।

(2) विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव—विश्व के विभिन्न भागों के लोग अब इस बात को लेकर सजग हैं कि विश्व के एक भाग में घटने वाली घटना का प्रभाव विश्व के दूसरे भाग में भी पड़ेगा। इससे वैश्वीकरण को बढ़ावा मिला।

(3) आर्थिक प्रवाह में तीव्रता—न्यूनतम हस्तक्षेप की राज्य की अवधारणा, पूँजीवादी व्यवस्था के वर्चस्व तथा बहुराष्ट्रीय निगमों की बढ़ती भूमिका ने वैश्वीकरण को बढ़ावा दिया है।

(4) साम्यवादी गुट का पतन—साम्यवादी गुट के पतन के बाद पूँजीवाद का वर्चस्व स्थापित हुआ जिसने वैश्वीकरण को गति दी।

वैश्वीकरण के राजनीतिक प्रभाव—वैश्वीकरण के राजनीतिक प्रभावों को निम्न प्रकार स्पष्ट किया गया है—

राज्य की क्षमता में कमी—वैश्वीकरण के कारण राज्य की क्षमता यानी सरकारों को जो करना है, उसे करने की ताकत में कमी आती है। यथा—

(अ) पूरी दुनिया ने वैश्वीकरण के दौर में कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को त्यागकर न्यूनतम हस्तक्षेपकारी राज्य की अवधारणा को अपना लिया है।

(ब) वैश्वीकरण के चलते राज्य अब आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं का ही निर्धारण करता है।

(स) बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका बढ़ी है। इससे सरकारों के अपने दम पर फैसला करने की क्षमता में कमी आयी है।

राज्य की ताकत में वृद्धि—कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में वृद्धि हुई है।

YouTube channel RK study point 99

(द) अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके चलते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएँ जुटा सकते हैं।

अथवा का उत्तर

आर्थिक वैश्वीकरण की प्रक्रिया—आर्थिक वैश्वीकरण की प्रक्रिया से आशय है—विश्व में वस्तुओं, पूँजी, श्रम तथा विचारों के प्रवाह का व्यापक होना।

(i) वैश्वीकरण के चलते पूरी दुनिया में वस्तुओं के व्यापार का इजाफा हुआ है क्योंकि आयात प्रतिबंधों को कम किया गया है।

(ii) वैश्वीकरण के चलते दुनियाभर में पूँजी की आवाजाही पर अब अपेक्षाकृत कम प्रतिबंध हैं इसलिए विदेशी निवेश बढ़ रहा है।

(iii) वैश्वीकरण के चलते अब विचारों के सामने राष्ट्र की सीमाओं की बाधा नहीं रही, उनका प्रवाह अबाध हो उठा है। इंटरनेट और कंप्यूटर से जुड़ी सेवाओं का विस्तार इसका एक उदाहरण है।

(iv) वैश्वीकरण के चलते एक देश से दूसरे देश में लोगों की आवाजाही भी बढ़ी है। एक देश के लोग अब दूसरे देश में जाकर नौकरी कर रहे हैं।

वैश्वीकरण ने कुछ सकारात्मक आलोचनाओं को भी इसके सकारात्मक प्रभावों के बावजूद आमंत्रित किया है। इसके महत्त्वपूर्ण तर्कों को इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है—

(1) आर्थिक—

(अ) विदेशी लेनदारों को शक्तिशाली बनाने के लिए बड़े पैमाने पर उपभोग के सामान पर सब्सिडी में कमी।

(ब) इसने अमीर और गरीब राष्ट्रों के बीच असमानता बढ़ा दी है, अमीर राष्ट्र और अधिक अमीर और गरीब राष्ट्र और अधिक गरीब हुए हैं।

(स) राज्यों ने भी विकसित और विकासशील राष्ट्रों के बीच असमानताएँ पैदा की हैं।

(2) राजनीतिक—

(अ) राज्य के कल्याण कार्यों को कम कर दिया गया है।

(ब) राज्यों की संप्रभुता प्रभावित हुई है।

(स) राज्य अपने लिए निर्णय लेने में कमजोर हुए हैं।

(3) सांस्कृतिक—

(अ) लोग अपने पुराने मूल्यों और परंपराओं को खो रहे हैं।

(ब) दुनिया कम शक्तिशाली समाज पर अपना प्रभुत्व जमा रही है।

(स) यह संपूर्ण विश्व की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सिकोड़ता है।

YouTube channel RK study point 99

22.

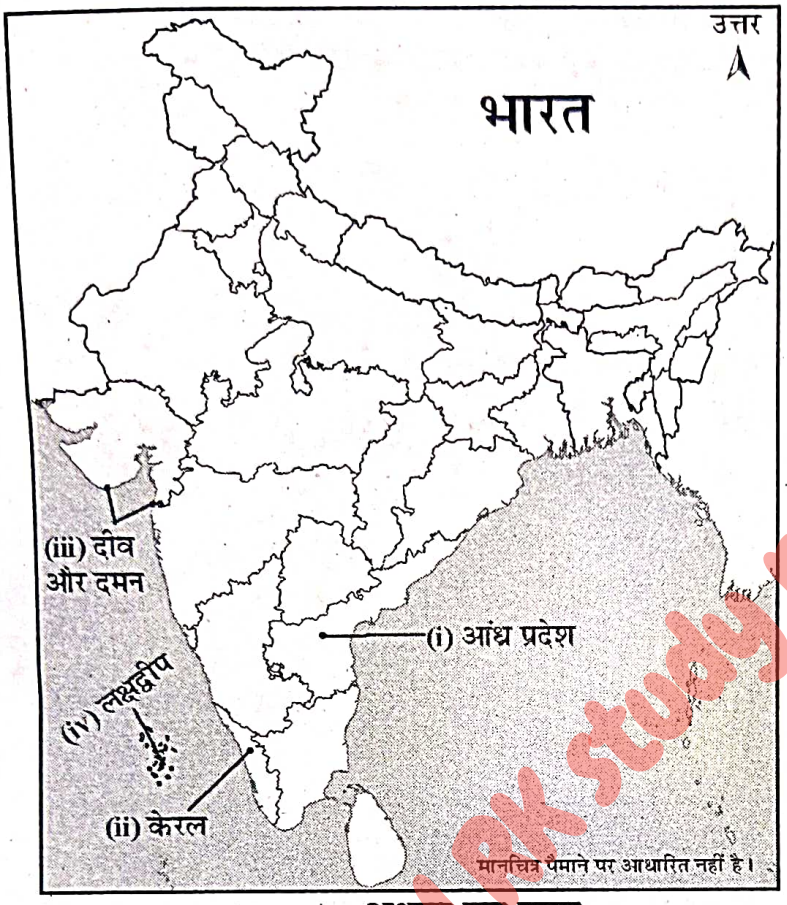

अथवा का उत्तर

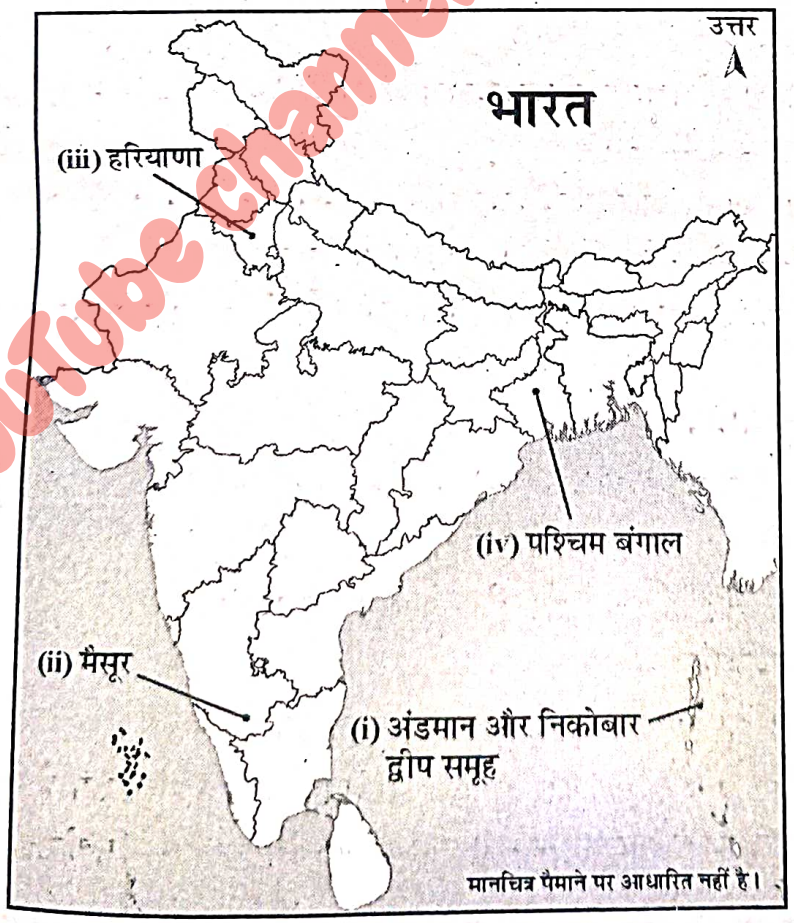

YouTube Channel RK study point 99